THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 307 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन-कृ.1, 2082 सोमवार, 2 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीयूष गोयल: आप कुछ ठोस बताएं क्या गलत है?

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट पेश कर दिया है। 85 मिनट के अपने बजट भाषण में निर्मला सीतारमण ने कृषि से लेकर डेयरी सेक्टर तक कई बड़े ऐलान किए। डिफेंस का बजट बढ़ाया तो नए हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की। लेकिन बजट के साथ ही इसको लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। विपक्ष इस बजट से खुश नही है, वह इसे एक खाली डिब्बा बता रहा है।

बजट 2026- इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बजट 15% बढ़ा; 17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश कर दिया है। वे 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2% की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22% की बढ़ोतरी है।

1. इनकम टैक्स: स्लैब में बदलाव नहीं, रिटर्न फाइलिंग के लिए 3 महीने एक्स्ट्रा

इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। न्यू इनकम टैक्स एक्ट 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। फॉर्म रीडिजाइन किए गए हैं, ताकि आम लोग उसे आसानी से भर सकें।

2. स्वास्थ्य: कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज सस्ता होगा

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। ये एडवांस कैंसर की इंपोर्ट होने वाली दवाएं हैं। अभी 5% कस्टम ड्यूटी लगती थी। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री कर दी गई हैं।

3. रक्षा बजट:

15% बढ़ा, फोर्सेस के आधुनिकीकरण पर 22% ज्यादा खर्च होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2% की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22% की बढ़ोतरी है। विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए 64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए 25 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं।

4. आयुर्वेदिक एम्स का एलान

भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी की गई है। 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का ऐलान किया गया है। आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी। भारत को ग्लोबल लेवल पर बायोफार्मा प्रोडक्ट के उत्पादन का हब बनाया जाएगा। अगले पांच साल में एक लाख स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार होंगे। इसके लिए 10,000 करोड़ के निवेश करने की बात कही गई है।

5. गर्ल्स एजुकेशन

करीब 800 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, हर जिले में एक हॉस्टल। देश में 789 जिले हैं। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का ऐलान किया गया है। गर्ल स्टूडेंट्स के लिए एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही गई है।

6. महिलाओं के लिए शी-मार्ट

लखपति दीदी मॉडल पर रोजगार और आय बढ़ाने की स्कीम। लखपति दीदी की तर्ज पर महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए शी-मार्ट बनाए जाएंगे। इन दुकानों को महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के समुदाय ही चलाएंगे। यहां महिलाओं के बनाए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद सीधे बेचे जाएंगे। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और महिलाओं को अपने कारोबार पर मालिकाना हक मिलेगा।

7 रेल-जलमार्ग और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सेक्टर

7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे। शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ये मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच बनेंगे। अगले 5 साल में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनेंगे। बनारस और पटना में जहाज मरम्मत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

8. ग्रीन एनर्जी: बैटरी बनाने की मशीनों पर टैक्स छूट बढ़ी

सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले 'सोडियम एंटीमोनेट' पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।

9. खनिज: रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाया जाएगा

केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले। रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

10. खेती और पशु-मछली पालन:

आय और रोजगार के मौके बढ़ाने पर फोकस। नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 तालाबों और अमृत सरोवरों का विकास किया जाएगा। पशुपालन के क्षेत्र में नए व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि ज्यादा लोगों के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर बनें। राज्यों के साथ मिलकर भारतीय चंदन उद्योग तंत्र को फिर से स्थापित किया जाएगा। काजू-कोको को 2030 तक दुनिया में पहचान दिलाने का टारगेट है।

बजट की 8 सबसे बड़ी घोषणाएं

आई. इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

आई आई. कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5% शुल्क लगता था। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री।

आई आई आई. डिफेंस बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़, यानी 15.2% की बढ़ोतरी।

हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च होंगे, यानी 22% की बढ़ोतरी।

आईवी. 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।

वी. 3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे।

वीआई. 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।

वीआईआई. 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी।

वीआईआई आई. करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।

'ये एक यूनिक बजट है', पीएम मोदी

नई दिल्ली 1 फरवरी (एजेंसियां)।

बजट 2026 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'यह एक ऐसा अनोखा बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने, महंगाई को कंट्रोल में लाने पर फोकस करता है और इसके साथ ही इस बजट में हाई कैपेक्स और हाई ग्रोथ का कॉम्बिनेशन भी है।' पीएम मोदी ने कहा, 'बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, देशभर में वाटर वेज का विस्तार, हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, टियर 2 और टियर 3 शहरों के विकास पर विशेष ध्यान और शहरों को मजबूत आर्थिक आधार देने के लिए म्युनिसिपल बांड्स को बढ़ावा, ये सारे कदम विकसित भारत की यात्रा की गति को और तेज करेंगे।'

हम जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये करोड़ों देशवासियों का संकल्प है।'

'युवाओं के पास नौकरी नहीं और किसान परेशान

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यूनियन बजट पेश किया। इस बजट पर कांग्रेस सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सामने आई है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार के बजट पर सवाल खड़े किए हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में एक्स पर कहा, 'युवाओं के पास नौकरी नहीं। मैन्युफैक्चरिंग गिर रही है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरों की बचत तेजी से घट रही है। किसान परेशान हैं। आने वाले ग्लोबल झटके, इन सबको नजरअंदाज किया गया।

सबको किया गया नजरअंदाज', मोदी सरकार के बजट पर बोले राहुल गांधी

मोदी सरकार के पास कोई आइडिया नहीं- खरगे

राहुल गांधी के साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी यूनियन बजट को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार के पास अब कोई आइडिया नहीं बचा है। बजट 2026 भारत की कई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक भी समाधान नहीं देता है।

कोई पॉलिसी विजन नहीं

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'मिशन मोड अब चैलेंज रूट बन गया है। रिफॉर्म एक्सप्रेस शायद ही किसी रिफॉर्म जंक्शन पर रुकती है। नतीजा ये है कि कोई पॉलिसी विजन नहीं है, कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। हमारे अन्नदाता किसान अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना का इंतजार कर रहे हैं।'

अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता नहीं दी गई

उन्होंने ने कहा, 'असमानता ब्रिटिश राज के समय के स्तर को पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका जिक्र तक नहीं है और न ही एसएमएमआर, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता दी गई है। वित्त आयोग की सिफारिशों का और अध्ययन करना होगा, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि वे गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही राज्य सरकारों को कोई राहत देंगी।'

बजट में क्या सस्ता- क्या महंगा: कैंसर की 17 दवाएं सस्ती

नई दिल्ली 1 फरवरी (एजेंसियां)।

बजट में अब बस इम्पोर्ट ड्यूटी के घटने-बढ़ने से सामानों के दाम थोड़े बहुत ऊपर-नीचे होते हैं। ज्यादातर चीजों के दाम जीएसटी काउंसिल तय करती है। सस्ता

1. कैंसर की दवाइयां सस्ती

17 लाइफ सेविंग ड्रग्स पर कस्टम ड्यूटी खत्म: सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी है। इसके अलावा, 7 दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए बाहर से मंगवाई जाने वाली दवाओं और स्पेशल फूड पर भी अब कोई टैक्स नहीं लगेगा। इससे उन परिवारों को बड़ी आर्थिक मदद मिलेगी जो इलाज के लिए महंगी विदेशी दवाओं पर निर्भर हैं।

2.माइक्रोवेव ओवन सस्ते

पुर्जों पर ड्यूटी घटी, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी: घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में कुछ अहम बदलाव किए हैं। अब माइक्रोवेव ओवन बनाने में इस्तेमाल होने वाले खास पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी कम कर दी गई है। इससे आने वाले दिनों में माइक्रोवेव की कीमतों में कमी आ सकती है। सरकार का लक्ष्य है कि भारत कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के मामले में दुनिया का हब बने।

3. ईवी बैटरी- सोलर पैनल सस्ते

ईवी, सोलर पैनल के दाम घटेंगे; शराब महंगी हो सकती है, ट्रेडिंग पर टैक्स बढ़ा

इसे बनाने का कच्चा माल हुआ टैक्स फ्री। एनर्जी ट्रांजैक्शन को देखते हुए सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर मिलने वाली टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले 'सोडियम एंटीमोनेट' पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।

4. जूते, कपड़े सस्ते हो सकते हैं

एक्सपोर्ट बढ़ाने कच्चे माल पर छूट: एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए समुद्री उत्पाद, लेदर और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए घोषणाएं हुई हैं.. । सी-फूड एक्सपोर्ट के लिए ड्यूटी फ्री इम्पोर्ट की लिमिट 1% से बढ़ाकर 3% हो गई है। लेदर और सिंथेटिक जूतों के साथ अब 'शू अपर्स' के एक्सपोर्ट पर टैक्स छूट मिलेगी।

सस्ता क्यों होगा: जब कंपनियों को सामान बनाने के लिए कच्चा माल सस्ता मिलेगा, तो प्रॉडक्शन की लागत घटेगी। अगर कंपनियां इसका फायदा ग्राहकों तक पहुंचाती हैं, तो लेदर के जूते, स्पोर्ट्स शूज और सी-फूड की कीमतें घट सकती है या कम से कम दाम स्थिर रहेंगे।

5. विदेश घूमना सस्ता होगा

अब विदेश यात्रा के 'टूर पैकेज' बुक करना सस्ता हो जाएगा। पहले 10 लाख रुपए तक के खर्च पर 5% और उससे ज्यादा पर 20% टैक्स (टीसीएस) लगता था। इसे अब घटाकर सीधा 2% कर दिया गया है। अब इसमें रकम की कोई लिमिट भी नहीं है।

6. एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस सस्ता

नागरिक उड्डयन को बढ़ावा देने के लिए एयरक्राफ्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले पुर्जों और कंपोनेंट्स पर कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। डिफेंस सेक्टर में भी एयरक्राफ्ट के मेंटेनेंस और रिपेयरिंग (एमआरओ) के लिए मंगवाए जाने वाले कच्चे माल पर अब टैक्स नहीं देना होगा। इससे देश में हवाई जहाज बनाने और उनकी मरम्मत करने की लागत कम होगी।

7. विदेशी सामान मंगाना सस्ता

पर्सनल यूज की चीजों पर टैक्स घटा: विदेश से अपने निजी इस्तेमाल के लिए सामान मंगवाने मंगाना सस्ता हो जाएगा। सरकार ने ऐसे सामान पर लगने वाले टैक्स को 20% से घटाकर 10% कर दिया है।

महंगा शराब पर टीसीएस को 1% से बढ़ाकर 2% कर दिया गया है। इससे शराब की कीमतें बढ़ सकती है, क्योंकि इससे दुकानदार के मुनाफे पर असर होगा।

फ्यूचर ट्रेडिंग पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% और ऑप्शंस 0.15% किया गया है।

टीसीएस का मतलब है 'सोर्स पर टैक्स कलेक्शन'। यह एक तरह का एडवांस इनकम टैक्स है। दुकानदार जो 2% टैक्स अभी सरकार को देगा, उसे वह साल के आखिर में अपना इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरते समय एडजस्ट कर सकता है।

एसटीटी ऐसा टैक्स है जो आपके हर सौदे (खरीदने और बेचने) पर लगता है।

टैक्स दरें बढ़ने से अब आपको एक ही ट्रांजैक्शन के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे चुकाने होंगे।

आज से सिगरेट के दाम 40% तक बढ़े

फास्टैग में केवाईवी वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं; कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 50 रुपए बढ़ी, 6 बदलाव

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)।

फरवरी में 6 बड़े बदलाव हो रहे हैं। आज से सिगरेट और तम्बाकू प्रोडक्ट्स महंगे हो गए हैं। वहीं अब से नई कार, जीप और वैन के लिए फास्टैग जारी करते समय अब केवाईवी (नो योर व्हीकल) प्रोसेस की जरूरत नहीं होगी। इसके अलावा 1 फरवरी से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 50 तक महंगा हो गया है।

1. जीएसटी बढ़ा, सिगरेट 40% तक महंगी होंगी

3 सितंबर 2025 को किए गए बदलाव के बाद अब 1 फरवरी से पान मसाला, खैनी और गुटखा जैसे तंबाकू उत्पादों पर 40% जीएसटी लगेगा। सेस हटा दिया गया है। अभी तक इन पर 28% जीएसटी के साथ 'कंपनसेशन सेस' लगता था। इससे कुल टैक्स 50% से ज्यादा हो जाता था। सिगरेट पर उसकी लंबाई के आधार पर नई एक्साइज ड्यूटी भी लागू होगी। 2.05 से लेकर 8.5 प्रति स्टिक तक ये एक्साइज ड्यूटी लगेगी। इसके अलावा तंबाकू उत्पादों की तरह सिगरेट पर 40% जीएसटी भी लगेगा। हालांकि बीड़ी पर राहत देते हुए जीएसटी को 18% कर दिया गया है।

एक्साइज ड्यूटी मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में जुड़ती है। जब सिगरेट फैक्ट्री से निकलती है, तो उस पर एक्साइज लग चुका होता है। इसके बाद जब उस पर जीएसटी लगाया जाता है, तो वह 'बढ़ी हुई कीमत' (जिसमें एक्साइज शामिल है) पर लगता है। इससे 'टैक्स पर टैक्स' की स्थिति बनती है और फाइनल एमआरपी बढ़ जाती है।

इस बदलाव से रिटेल मार्केट में सिगरेट और तंबाकू उत्पादों की कीमतों में 15% से 40% तक का उछाल आ सकता है। सरकार का यह कदम सरकारी खजाने को भरने की एक कोशिश माना जा रहा है। क्योंकि सितंबर में सरकार ने घरेलू खपत बढ़ाने के लिए कई उत्पादों पर जीएसटी में कटौती की थी।

2.फास्टैग यूजर्स को केवाईवी वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं

आज से नई कार, जीप और वैन के लिए फास्टैग जारी करते समय अब केवाईवी (नो योर व्हीकल) प्रोसेस की जरूरत नहीं होगी। नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने नई कार के लिए केवाईवी प्रोसेस बंद करने का फैसला किया है।

साथ ही, जिन कारों पर पहले से फास्टैग लगा है, उनके मालिकों को भी अब रूटीन केवाईवी कराने की जरूरत नहीं होगी। इससे वाहन मालिकों को वैलिड डॉक्युमेंट होने के बावजूद लंबी वेरिफिकेशन प्रक्रिया के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

सिर्फ शिकायत मिलने पर ही होगी जांच

अथॉरिटी के अनुसार, केवाईवी की प्रक्रिया को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया है, बल्कि इसे 'जरूरत आधारित' बना दिया गया है। अब सिर्फ केवाईवी तभी मांगा जाएगा, जब किसी फास्टैग के गलत इस्तेमाल, गलत तरीके से जारी होने या उसके लूज होने की कोई शिकायत मिलेगी। सामान्यतौर पर काम कर रहे फास्टैग के लिए अब किसी तरह के डॉक्युमेंट की दोबारा मांग नहीं की जाएगी।

3. कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम 50 रुपए तक बढ़े

आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 49 रुपए बढ़कर 1740.50 हो गई है। पहले यह 1691.50 में मिल रहा था। वहीं चेन्नई में यह अब 50 रुपए महंगा होकर 1899.50 रुपए में मिलेगा।

4. आरबीआई की मीटिंग 4 से 6 फरवरी, 0.25% घट सकती है ब्याज दर

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की मीटिंग 4 से 6 फरवरी तक चलेगी। ये वित्त वर्ष 2025-26 की आखिरी मीटिंग होगी। उम्मीद की जा रही है कि इस मीटिंग में आरबीआई ब्याज दर 0.25% घटाकर 5% कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो लोन सस्ते होंगे और आपकी ईएमआई भी घट सकती है।

दो बाइक सवारों पर गुलदार ने किया हमला

लालढांग(हरिद्वार), 1 फरवरी (एजेंसियां)। पहाड़ के बाद अब मैदान में भी गुलदार की धमक से लोग दहशत में हैं। पीलीपड़ाव से गैण्डीखाता जा रहे दो व्यक्तियों पर गांव से कुछ ही दूरी पर गुलदार ने हमला कर दिया। दोनों को घायल अवस्था में उपचार के लिए श्यामपुर में निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया है।

सबरीमला मंदिर सोना चोरी केस में सुनवाई आज

एक केस में पहले मिल चुकी है जमानत

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मामले में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने अपने खिलाफ दर्ज दूसरे मामले में जमानत के लिए अदालत में अर्जी दी है। उसने कोल्लम की विजिलेंस अदालत से वैधानिक जमानत की मांग की है। इससे पहले पोट्टी को द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों से सोना गायब होने के मामले में जमानत मिल चुकी है। अब उसने श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोना गायब होने से जुड़े केस में भी जमानत मांगी है।

90 दिन बीतने पर मांगी जमानत

पोट्टी ने अपनी अर्जी में कहा है कि उसकी गिरफ्तारी के 90 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन विशेष जांच दल (एसआईटी) अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाया है। ऐसे में कानून के तहत उसे जमानत का हक है। अदालत इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अगर जमानत मिलती है तो पोट्टी को जेल से रिहा कर दिया जाएगा।

2019 में हुआ था काम, वहीं हुआ नुकसान

एसआईटी के अनुसार, साल 2019 में द्वारपालक की सोने से मढ़ी मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजों पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग का काम पोट्टी की पहल पर कराया गया था। यह काम चेन्नई की एक कंपनी में हुआ था। जांच एजेंसी को शक है कि इसी दौरान सोना कम हुआ।

अन्य आरोपियों को भी मिल चुकी है जमानत

इस मामले में इससे पहले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के दो अधिकारियों को जमानत मिल चुकी है। वहीं, पूर्व टीडीबी कार्यकारी अधिकारी डी। सुधीश कुमार की जमानत याचिका पर भी अदालत सुनवाई करेगी। कुमार दोनों मामलों में 90 दिन की न्यायिक हिरासत पूरी कर चुके हैं। वे एक मामले में तीसरे और दूसरे में पांचवें आरोपी हैं।

कितने आरोपी, क्यों हुई देरी

द्वारपालक से सोना गायब होने के मामले में कुल 16 आरोपी हैं, जबकि श्रीकोविल के दरवाजों से जुड़े मामले में 13 आरोपी हैं। एसआईटी ने बताया कि जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट का इंतजार होने के कारण चार्जशीट दाखिल करने में देरी हुई। हालांकि, एजेंसी इस महीने के भीतर चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। पिछले हफ्ते केरल हाईकोर्ट ने भी चार्जशीट दाखिल करने में देरी को लेकर एसआईटी की कड़ी आलोचना की थी, जिसके चलते कुछ आरोपियों को वैधानिक जमानत मिल चुकी है।

रेस्टोरेंट में मटन की जगह बीफ परोसा

यूट्यूबर ने बनाया वीडियो; बीजेपी बोली- बंगाल में हिंदुओं को जबरन बीफ खिलाया जा रहा

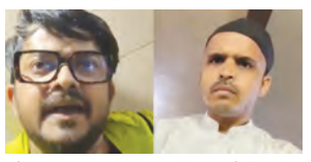

कोलकाता, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक रेस्टोरेंट में मटन की जगह बीफ परोसने का मामला सामने आया है। बंगाली यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर सायक चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि उन्होंने मटन स्टेक ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें बीफ स्टेक परोस दिया या। उन्होंने बीफ को मटन समझकर खा लिया। सायक चक्रवर्ती रात अपने दोस्तों के साथ पार्क स्ट्रीट स्थित एक पब-रेस्टोरेंट में डिनर के लिए गए थे। उन्होंने एक मटन स्टेक ऑर्डर किया था। कुछ देर बाद वेटर एक और प्लेट लेकर आया और कहा कि यह मटन स्टेक है। तब सायक को शक हुआ कि पहले परोसा गया स्टेक मटन नहीं था। सायक ने जब वेटर से सवाल किया तो उसने दावा किया कि दो स्टेक ऑर्डर किए गए थे। एक मटन और एक बीफ। हालांकि सायक का कहना है कि उन्होंने सिर्फ एक मटन स्टेक ऑर्डर किया था।

सायक ने वीडियो बनाकर सोशल मीडियो पर पोस्ट किया। वीडियो में सायक वेटर से बहस करते और जवाब मांगते दिख रहे हैं। रेस्टोरेंट मैनेजर और वेटर वीडियो में माफी मांगते नजर आते हैं। वीडियो में सायक यह कहते भी सुने गए कि वह ब्राह्मण हैं। इस घटना से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसके बाद पार्क स्ट्रीट पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 के तहत केस दर्ज किया।

सर्वाइवल और सपनों में से किसी एक को चुनना पड़ रहा

राहुल गांधी ने प्रदूषण पर लोगों की समस्याएं बताईं

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर प्रदूषण और साफ हवा को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों में मैंने भारतीयों के हजारों मैसेज पढ़े हैं कि प्रदूषण उनकी ज़िंदगी पर क्या असर डाल रहा है। उन्होंने कहा कि जो बात सबसे ज्यादा सामने आई, वह था डर। ये डर बच्चों के लिए, माता-पिता के लिए, आने वाले कल के लिए है। यह डर पूरे भारत के शहरों में परिवारों में महसूस किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने लोगों के मैसेज को पढ़कर भी सुनाया। उन्होंने गाजियाबाद के नीरज का मैसेज पढ़ा। नीरज ने बताया कि उनकी उम्र महज 30 साल है, लेकिन वो अपनी उम्र से ज्यादा

खुद को महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि वो घर के माहौल से बहुत बुरा महसूस करते हैं इसके पीछे की वजह है कि वो खुद को एक पिता के तौर पर फेल होता हुआ देखते हैं, क्योंकि उन्हें प्रदूषण में अपनी बच्ची के साथ यहां रहना पड़ रहा है।

'सर्वाइवल और सपने दोनों में एक चुनने को मजबूर'

नीरज ने बताया कि उनकी मां का भी किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। हमारे लिए सर्दी का समय एक सीजन की तरह नहीं बल्कि डर की तरह महसूस होता है। नीरज ने लिखा कि एक्यूआई 800-100 पहुंच रहा है और इसमें किसी भी तरह की मदद नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में क्या साफ हवा वही ले सकते हैं जो इसे खरीद सकते हैं।क्या साफ हवा लेना सबका अधिकार नहीं है? ऐसी स्थिति में हम सर्वाइवल और सपने दोनों के बीच चुनाव करने को मजबूर हैं। राजस्थान के एक शख्स ने कहा कि भाई रनिंग और साइकिलिंग करना छोड़ दिया है। घर से निकलने से पहले एक्यूआई चेक करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को हाइवे से ज्यादा फुटपाथ बनाना चाहिए, लोग चलने लगेंगे तो एक प्रतिशत प्रदूषण वैसे ही कम हो जाएगा।

साफ हवा की मांग कर रहे हैं

राहुल गांधी ने कहा कि प्रदूषण अब सिर्फ एक पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहा, यह एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य इमरजेंसी है। उन्होंने कहा कि संसद को इस पर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए और इस बजट में असली समाधानों के लिए असली संसाधन लगाए जाने चाहिए। भारतीय रिपोर्ट या सिर्फ बातों की मांग नहीं कर रहे हैं, वे साफ हवा की मांग कर रहे हैं।

ढोंगी बाबा की हो गई मौज; गांव वासियों का 14 लाख लेकर रफूचक्कर

मानसा (पंजाब), 1 फरवरी (एजेंसियां)। मानसा जिले के गांव सिरसीवाला में श्रद्धा की आड़ में कथित ढोंगी बाबा श्रद्धालुओं के 14 लाख रुपये लेकर भाग निकला। पहले आरोपी ने कड़ाके की ठंड में डेढ़ महीने तक जलधारा कर लोगों का भरोसा जीता। बाद में श्रद्धा व पुण्य सेवा के नाम पर ऑनलाइन व नकदी रूप में श्रद्धालुओं से 14 लाख रुपये ले लिए। एक धार्मिक स्थान की यात्रा दौरान आरोपी लोगों को चकमा देकर भाग निकला। बाबा की ठगी का शिकार हुए लोगों ने पुलिस को शिकायत की दी है। थाना बरेटा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान प्रेमनाथ के के रूप में हुई है। लोगों ने बाबा के शार्गिदों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

कमरे में फैली गैस और मच गई तबाही

बेंगलुरु में असम के 4 मजदूरों की मौत सीएम हिमंत ने की गहन जांच की मांग

गुवाहाटी, 1 फरवरी (एजेंसियां)। एक बंद कमरे में रात का सन्नाटा था। थकान से चूर चार युवक खाना बनाकर सो गए। दरवाजे बंद थे, खिड़कियां भी बंद, गैस जलती रही। धुआं फैलता गया और किसी को भनक तक नहीं लगी। सुबह जब दरवाजा खुला तो अंदर जिंदगी नहीं, सिर्फ खामोशी थी। बेंगलुरु के होस्कोटे तालुक में असम से आए चार प्रवासी मजदूर एक ही कमरे में मृत पाए गए। शुरुआती जांच में दम घुटने से मौत की आशंका जताई जा रही है। यह हादसा सिर्फ चार जिंदगियों का अंत नहीं, बल्कि उन हालातों का आईना है जिनमें देश के लाखों प्रवासी मजदूर रोज जीते हैं। रिपोर्ट के अनुसार मृतक सभी युवक पास के कोका-कोला वेयरहाउस में काम करते थे। काम के बाद वही कमरा उनका संसार था। पुलिस के मुताबिक देर रात खाना बनाते वक्त गैस स्टोव चालू रहा और धुआं कमरे में भर गया। किसी को बचने का मौका तक नहीं मिला। पांचवां साथी सुबह लौटा तो चारों बेहोश पड़े थे। अस्पताल पहुंचने से पहले ही सब खत्म हो चुका था। इस दर्दनाक घटना ने असम से लेकर कर्नाटक तक सियासी हलचल भी तेज कर दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है।

ई-ट्राइसाइकिल की बैटरी में ब्लास्ट, दिव्यांग टीचर की जिंदा जलने से मौत

बैतूल, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सारनी इलाके में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक दिव्यांग व्यक्ति की ई-ट्राइसाइकिल में अचानक धमाका हो गया और आग लग गई। आग लगने से दिव्यांग की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मृतक को यह ई-ट्राइसाइकिल ढाई साल पहले ही मिली थी। घटना रात को जिला मुख्यालय से करीब 60 किमी दूर सारनी में हुई। शिक्षक प्राइवेट कोचिंग पढ़ाने का काम करते थे। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मां-बाप और बहन को मारकर दफना दिए शव कातिल भाई बोला- 'इज्जत कर दी थी नीलाम'

बेंगलुरु, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने विजयनगर जिले के कोट्टुरु में हुए तिहरे हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा किया है। बहन के गर्भवती होने की सूचना पर आरोपी ने ऑनर किलिंग में उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बहन का समर्थन करने के कारण उसने अपने माता-पिता की भी हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी अक्षय ने कबूल किया कि उसने परिवार की इज्जत बचाने के लिए इस घटना को अंजाम दिया। घटना कोट्टूर पुलिस थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार अपनी आरोपी की 18 वर्षीय छोटी बहन अमृता तीन महीने की गर्भवती थी, जिसकी खबर सुनकर वह बहुत क्रोधित हो गया था। पुलिस को संदेह है कि उसकी बहन के प्रेमी का दूसरे समुदाय से होना भी हत्या का एक कारण हो सकता है।

रिटायर्ड फौजी को कार के बोनट पर लटकाकर घसीटा

ग्वालियर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर की भिंड रोड पर एक रिटायर्ड फौजी को कार के बोनट पर लटकाकर कार सवार युवक 500 मीटर तक ले गए। इसके बाद उसे सड़क पर पटककर फरार हो गए। घटना डीडी नगर चौराहे की है। बताया जा रहा है कि कार सवार युवकों की गाड़ी रिटायर्ड फौजी की कार से टकरा गई थी। इसके बाद कार सवार युवकों ने फौजी और उसके बहनोई के साथ मारपीट की। जब आरोपी भागने लगे तो फौजी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान युवक उसे कार के बोनट पर लटकाकर घसीटते हुए ले गए। घटना का 16 सेकंड का वीडियो सामने आया है, जो उस वक्त की दहशत को बयां करता है। रिटायर्ड फौजी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी

पूर्व स्वास्थ्य अधिकारी और पत्नी की 9.79 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

भोपाल, 1 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मध्य प्रदेश के पूर्व स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ अमरनाथ मित्तल और उनकी पत्नी अलका मित्तल की लगभग 9.79 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है।

कुर्क की गई संपत्तियों में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन बॉन्ड, आवासीय संपत्तियां और कृषि भूमि शामिल हैं, जो भोपाल और रायसेन जिलों में स्थित हैं। जांच में पाया गया कि इन संपत्तियों का मूल्य उनकी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में असंगत रूप से अधिक है। ईडी ने यह जांच भोपाल लोकायुक्त द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत दर्ज की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि जांच अवधि में डॉ। अमरनाथ मित्तल की वैध आय लगभग 60 लाख रुपये थी, जबकि इस दौरान अर्जित संपत्तियों और किए गए खर्च की राशि करीब 2.98 करोड़ रुपये पाई गई। ईडी का कहना है कि ये संपत्तियां वैध आय से कहीं अधिक हैं, इसलिए इन्हें कुर्क किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी हैं।

पानी की टंकी में मिली मानव खोपड़ी और कंकाल, जांच में जुटी पुलिस

वसई, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के नौपाड़ा इलाके में एक पानी की टंकी से मानव अवशेष मिले हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह पानी की टंकी काफी समय से बंद पड़ी हुई थी। यहां इलाके में इमारत की मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान जब पानी की टंकी तोड़ी जा रही थी तो टंकी के अंदर से मानव कंकाल बरामद हुए। फिलहाल पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा किए हैं। ये कंकाल कब के हैं इसे लेकर जांच की जा रही है। दरअसल, यहां वसई में बंद पड़ी पानी की टंकी में मानव शरीर के अवशेष मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना वसई के नौपाड़ा इलाके में सामने आई है। यह चॉल 'बारकुल्या' नाम से जानी जाती है, जिसमें लगभग दस से पंद्रह परिवार रहते हैं। यह चॉल करीब तीस साल पुरानी है और यहां की पानी की टंकी लंबे समय से इस्तेमाल में नहीं थी। फिलहाल इमारत की मरम्मत का काम चल रहा था, और उसी दौरान जब पानी की टंकी को तोड़ने का काम शुरू किया गया,

हिंदुओं से क्यों माफी मांग रहे हुमायूं कबीर, बोले- बीजेपी नेताओं को भागीरथी नदी में फेंकेंगे

मुर्शिदाबाद, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक कार्यक्रम में पूर्व टीएमसी विधायक और जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ, यह उत्तर प्रदेश नहीं है। यह मुर्शिदाबाद है, हम मुर्शिदाबाद में रहते हैं और हम बांटो और राज करो की राजनीति में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा कि लेकिन अगर आप यहां खड़े होकर हमें धमकाते रहेंगे, तो जानकारी फैलेगी और बीजेपी नेताओं को भागीरथी नदी में फेंक दिया जाएगा। हुमायूं कबीर ने कहा कि मुझे माफ करें। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बातों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए दिल से माफी मांगता हूं।

हिंदुओं को लगता है उनसे नफरत करता हूं

हुमायूं कबीर जानबूझकर कभी ऐसी कोई बात नहीं कहेगा। जब गुस्सा शांत हो जाएगा, तो आप समझ जाएंगे कि आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। 1 मई 2024 को दिए गए बयानों के लिए मुझे खेद है। कई हिंदू लोगों को लगता है कि मैं हिंदुओं से नफरत करता हूं, लेकिन 63 साल की उम्र में 42 साल के राजनीतिक अनुभव के साथ, मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया। हुमायूं कबीर ने कहा कि जब मुर्शिदाबाद के एसपी देवास की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई, तो 20,000 मुसलमानों को मृतक का शव लेने की इजाज़त नहीं दी गई।

उस समय मैं गरियाहाट में था। एसपी ने मुझे फोन किया और मैं तुरंत यहां आ गया। तब भी उन्होंने जुलूस रोक दिया।

राज्य सचिव मोहम्मद सलीम से की मुलाकात

हुमायूं कबीर ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सवादी) के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम से मुलाकात की। इससे पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नए राजनीतिक गठबंधन की अटकलें लगने लगीं। 2021 के विधानसभा चुनावों में सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के साथ चुनावी गठबंधन किया था, जो उस समय एक अपेक्षाकृत नया राजनीतिक दल था। सिर्फ दस दिन पहले, आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी ने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट के साथ जल्द से जल्द गठबंधन करना जरूरी है।

देह व्यापार के लिए उज्बेकिस्तान से आई थी युवती:पुलिस ने मारा छापा

जबलपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जबलपुर में चल रहे अवैध देह व्यापार को लेकर जबलपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक अन्य महिला को भी पकड़ा है जो अपने पति के इशारे पर दूसरे देश से महिलाओं को लाकर यहां रहने वाले अमीर लोगों के सामने परोसा करती थी। पुलिस ने मौके से उज्बेकिस्तान महिला के साथ एक अन्य महिला को पकड़ा है, हालांकि इसका मास्टरमाइंड और गिरोह का सरगना मौके से जरूर फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश में जुटी है। बताया जा रहा है कि माढ़ोताल थाना के ग्रीन सिटी में बीते कई दिनों से देह व्यापार का खेल चल रहा था, जहां पर कि ना सिर्फ भारत, बल्कि विदेश से भी लड़कियां आया करता थी। सीएसपी आशीष जैन को एक मुखबिर ने बताया कि ग्रीन सिटी स्थित एक घर पर जहां कि कुछ लोगों ने किराए पर लिया है,

वहां पर कुछ अनैतिक गतिविधियों के साथ ऐसे लोग भी आते हैं,जिनकी हरकत आपत्तिजनक है। हर बार यहां आने वाले लोग किसी महिला या फिर लड़की को लेकर आते हैं। एसपी संपत उपाध्याय के निर्देश पर सीएसपी आशीष जैन और महिला थाना पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर उज्बेकिस्तान की महिला को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि उसे दिल्ली के रास्ते प्लेन तो कभी ट्रेन से जबलपुर लाया गया था। महिला ने बताया कि वह 2011 में उसका विवाह हुआ था। पति की मौत के बाद वह इस गौरखधंधे में उतर आई।

12 साल के छात्र ने पिस्टल से अपने सिर में गोली मारी

भोपाल, 1 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुराने शहर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गौतम नगर थाना क्षेत्र के करीम बक्श कॉलोनी में रहने वाले 12 वर्षीय छात्र इब्राहिम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने खुलासा करते हुए साफ कर दिया कि बच्चे ने पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। बच्चे के सिर में ज़ब गोली लगी तो उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में घर के कमरे से बेसुध हालत में अस्पताल ले जाया गया। हालांकि कई घंटों की मशक्कत के बाद भी उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इब्राहिम उर्फ अब्दुल्ला, रिजवान लाला का बेटा था। इब्राहिम के परिजनों के अनुसार, रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच घर में कुछ बाहरी लोगों का आना-जाना हुआ था।

इसी दौरान रात करीब दो बजे परिवार के सदस्यों की नजर बालकनी में पड़े बच्चे पर पड़ी, जो खून से लथपथ और अचेत अवस्था में था। घटना के बाद परिजन घबरा गए और बिना देर किए बच्चे को कमला नेहरू अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसकी हालत को बेहद नाजुक बताते हुए तत्काल इलाज शुरू किया। रातभर उपचार चलता रहा, लेकिन सुबह करीब डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लगातार बदल रहे ठिकाने, फिर भी घेरे में आतंकी, किश्तवाड़ ऑपरेशन जारी

जम्मू, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों ने रविवार को आतंकियों के खिलाफ चल रहे तलाशी अभियान को फिर से तेज कर दिया है। माना जा रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी इलाके में छिपे हुए हैं, जिनकी तलाश में सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रातभर इलाके की घेराबंदी के बाद रविवार सुबह सर्च ऑपरेशन दोबारा शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि आतंकी लगातार अपने ठिकाने बदल रहे हैं और फरार हैं, लेकिन उन्हें पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

अभियान के मद्देनजर आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। गांव रक्षा गार्ड (वीडीजी) को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है ताकि किसी भी आतंकी गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। साथ ही आतंकियों को भोजन और पनाह देने वालों पर भी सुरक्षा एजेंसियां नजर

बनाए हुए हैं। यह अभियान पिछले कई दिनों से जारी है। शनिवार तड़के किश्तवाड़ के डोलगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक आतंकी के घायल होने की आशंका है और ड्रोन निगरानी में खून के निशान भी देखे गए हैं।

पिछले दो हफ्तों में यह चौथी बार है जब इलाके में आतंकियों से संपर्क स्थापित हुआ है। भारी बर्फबारी और दुर्गम पहाड़ी इलाके के बावजूद सुरक्षाबल ड्रोन, हेलीकॉप्टर और स्निफर डॉग्स की मदद से तलाशी अभियान चला रहे हैं। इस संयुक्त अभियान में स्पेशल फोर्सेज, राष्ट्रीय राइफल्स, स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और सीआरपीएफ शामिल हैं। सुरक्षा कारणों से सिंहपोरा, चिंगम और छात्रू सहित छह किलोमीटर के दायरे में शुक्रवार से मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। पिछले सात महीनों में किश्तवाड़ जिले में छह मुठभेड़ें हो चुकी हैं। यह इलाका डोडा और उधमपुर जिलों से सटा हुआ है और यहां पाकिस्तान आधारित आतंकियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 2 फरवरी - 2026

विचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे खोल देती है

केंद्रीय बजट में तेलंगाना को कोई आवंटन नहीं : भट्टी

तेलंगाना को फार्मा हब पहलों में शामिल नहीं किया

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि यह अन्याय है कि तेलंगाना को 53.47 लाख करोड़ रुपये के केंद्रीय बजट में कोई आबंटन नहीं मिला, जिसे रविवार को संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया। भट्टी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्रियों और सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री से बार-बार मुलाकात कर राज्य के हितों और विकास के लिए अनुरोध प्रस्तुत किए, लेकिन बजट में तेलंगाना के लिए कोई प्रावधान न होना गहरी निराशा का कारण है।

प्रजा भवन में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में उन्होंने कहा कि राज्य ने बजट में मूसी नदी पुनर्जीवन, रीजनल रिंग रोड, हैदराबाद सिटी डेवलपमेंट, मेट्रो रेल विस्तार और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय फंडिंग की उम्मीद की थी। उन्होंने कहा कि ने कहा, 'जब बायो-फार्मा पर चर्चा होती है, तो केंद्र सरकार को पहले तेलंगाना के बारे में सोचना चाहिए। बायो-फार्मा आबंटन में तेलंगाना को शामिल न करना बेहद निराशाजनक है।' उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 40,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, लेकिन तेलंगाना को एक भी रुपया नहीं मिला, जो अन्यायपूर्ण है। हैदराबाद में अच्छी तरह से विकसित इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम है। भट्टी ने आगे कहा कि हैदराबाद वैश्विक स्तर पर फार्मा हब के रूप में जाना जाता है। कोविड के समय, भारत बायोटेक ने केवल देश को ही नहीं बल्कि दुनिया को भी वैक्सीन आपूर्ति की थी, और प्रधानमंत्री मोदी ने भी उस दौरान दौरा किया था।

फिर भी तेलंगाना को फार्मा हब पहलों में शामिल नहीं किया गया। अनदेखी की। ऑरेंज इकोनॉमी में हैदराबाद-केंद्रित गतिविधियों को मुंबई में स्थानांतरित कर दिया गया। भट्टि ने कहा, "तेलंगाना ने क्या गलती की? हैदराबाद ऑडियो-वीडियो, गेमिंग और कॉमिक्स का सबसे बड़ा केंद्र है। तेलंगाना की अनदेखी और मुंबई को चुनना अन्यायपूर्ण है।" भट्टी ने सवाल उठाया कि रेयर अर्थ मिनरल्स और सिंगरेनी कोलियरीज में भी तेलंगाना पर ध्यान नहीं दिया गया, जबकि सतुपल्ली और रामगुंडम में स्कैंडियम और लिथियम की खनिज प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री से सेमीकंडक्टर यूनिट के लिए अनुमोदन मांगा, लेकिन बजट में ऐसी परियोजनाएं अन्य राज्यों को दी गईं और तेलंगाना के प्रति सौतेला व्यवहार दिखाया गया ।

उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में तेलंगाना सरकार ने विशेष प्रयास किए हैं।

ग्लोबल समिट और विज़न 2047 दस्तावेज़ के हिस्से के रूप में विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ियों के साथ खेल कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके बावजूद केंद्र ने तेलंगाना की

शराब न पीने की सलाह पर पति ने की पत्नी की हत्या

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स इलाके में शनिवार रात एक फार्मासिस्ट की कथित तौर पर उसके पति ने हत्या कर दी। बताया गया है कि पत्नी ने पति को शराब का सेवन न करने की सलाह दी थी, जिससे गुस्से में आकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, कापू अरुणा (28) अपने पति जी. कोपन्ना और दो बेटों के साथ बंजारा हिल्स थाना क्षेत्र के फिल्मनगर में रहती थी। अरुणा फार्मासिस्ट के रूप में काम करती थी। परिवार मूल रूप से आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का रहने वाला है। शनिवार रात करीब 9:30 बजे कोपन्ना नशे की हालत में घर पहुंचा। इस पर अरुणा ने उसे डांटा और शराब छोड़ने को कहा। इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया।

पुलिस के अनुसार, झगड़े के दौरान अरुणा ने गुस्से में आकर साड़ी को घर की छत पर लगे हुक से बांधा और स्टूल पर खड़े होकर धमकी दी कि यदि कोपन्ना शराब पीना नहीं छोड़ेगा तो वह अपनी जान दे देगी। इसी दौरान नशे की हालत में कोपन्ना ने स्टूल को लात मार दी, जिससे अरुणा साड़ी से लटक गई और दम घुटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, मामला दर्ज कर कोपन्ना को हिरासत में ले लिया गया।

अरुणा के शव को पोस्टमार्टम के लिए ओस्मानिया जनरल अस्पताल के मुर्दाघर भेजा गया, जहां प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

एसएलबीसी सुरंग परियोजना में मंत्री उत्तम ने दिए संचालन के निर्देश

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को श्रीसैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना और कलेश्वरम लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट (केएलआईपी) के तहत मेडिगड्डा, अन्नारम और सुंडिल्ला बैराजों के पुनर्वास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने परियोजना में कोई देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने का स्पष्ट निर्देश दिया और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान देने के साथ मशीनरी की त्वरित तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में साझा किए गए विवरणानुसार, शेष एसएलबीसी सुरंग खंड के लिए एरियल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (एईएम) सर्वे एनजीआरआई के सहयोग से पूरा किया गया और रिपोर्ट प्राप्त हुई। परिणाम उत्साहजनक हैं और यह सुरंग के लिए आवश्यक समर्थन प्रणाली और संभावित खतरनाक भूवैज्ञानिक क्षेत्रों की पहचान में मदद करेगा। मंत्री ने निर्देश दिए कि शेष सुरंग कार्य उन्नत सुरंग तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों के आधार पर किए जाएं, जिसमें निरंतर निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो।

एसएलबीसी परियोजना के संचालन को मजबूत करने के लिए मंत्री ने विशेष एसएलबीसी डिवीजन बनाने और इसे चीफ इंजीनियर (एसएलबीसी) के नेतृत्व में संचालित करने का आदेश दिया। इसके अलावा, स्वतंत्र सुपरविजन कंसल्टेंट (आईएससी) को नियुक्त कर निर्माण के दौरान सुरक्षा, गुणवत्ता और डिजाइन अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। परियोजना की प्रगति की निगरानी के लिए दैनिक और साप्ताहिक रिपोर्टिंग टीम बनाए जाएंगे, जबकि सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एसएलबीसी) के सुरंग सुरक्षा पर्यवेक्षक साइट पर तैनात होंगे। साथ ही विशेष भू-तकनीकी और भूवैज्ञानिक टीमें रोज़ाना ग्राउंड व्यवहार और सुरंग स्थिरता का मूल्यांकन करेंगी ताकि वास्तविक समय में निर्णय लिया जा सके और जोखिम कम किया जा सके। मंत्री ने कहा कि बैराज पुनर्वास कार्यों के लिए तकनीकी संस्थानों और डिजाइन कंसल्टेंट्स के बीच घनिष्ठ समन्वय आवश्यक है।

मंत्री ने 16 फरवरी के बाद एनडीएसए विशेषज्ञ समिति के साथ बैठक आयोजित करने और संरचनात्मक, हाइड्रोलिक और सुधारात्मक पहलुओं को शामिल करते हुए व्यापक तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने के आदेश दिए।

केंद्रीय बजट जनहितैषी और विकासोन्मुखः रामचंदर राव

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने केंद्रीय बजट 2026–27 का स्वागत करते हुए इसे बिना जनता पर बोझ डाले जनहितैषी बजट करार दिया है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट विकसित भारत के विज़न को साकार करने की दिशा में ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि यह बजट अब केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि विकसित भारत की ओर देश को मजबूती से ले जाने वाली यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने हैदराबाद के लिए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा को तेलंगाना के लिए गर्व की बात बताते हुए कहा कि इससे राज्य राष्ट्रीय विकास इंजन के रूप में और सशक्त होगा। रामचंदर राव ने बजट को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा कि यह आर्थिक मजबूती से राष्ट्रीय क्षमता और अंत्योदय से अभ्युदय की स्वर्णिम यात्रा की नींव रखता है। आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से तैयार इस बजट से घरेलू विनिर्माण और स्थानीय उद्योगों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि निरंतर नीतियों के कारण भारत लगभग 7 प्रतिशत की विकास दर के साथ आगे बढ़ रहा है और गरीबी उन्मूलन में ऐतिहासिक प्रगति कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह समावेशी विकसित भारत बजट देश को विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि यह बजट गरीबों के कल्याण, किसानों की समृद्धि, महिलाओं के सशक्तिकरण और युवाओं की आकांक्षाओं को समर्पित है।

केंद्रीय बजट कॉरपोरेट्स के लिए वरदान, गरीबों के लिए निराशाजनकः सीपीआई

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई एमएलसी नेल्लिकंती सत्यम ने केंद्रीय बजट 2026–27 की कड़ी आलोचना करते हुए इसे पूरी तरह निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना से हजारों करोड़ रुपये कर के रूप में केंद्र को जाने के बावजूद राज्य के साथ एक बार फिर भेदभाव किया गया है। उन्होंने कहा कि काज़ीपेट कोच फैक्ट्री और बय्याराम स्टील प्लांट जैसे विभाजन वादों का बजट में उल्लेख तक न होना केंद्र सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। कृषि प्रधान देश होने के बावजूद किसानों की उपेक्षा की गई है और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून पर कोई घोषणा नहीं की गई। नेल्लिकंती सत्यम ने कहा कि उर्वरक सब्सिडी में कटौती से नलगोंडा जैसे कृषि-आधारित जिलों के किसानों पर भारी बोझ पड़ेगा।

उन्होंने हथकरघा क्षेत्र के साथ भी अन्याय का आरोप लगाते हुए कहा कि पोचमपल्ली, नारायणपुर और पुट्टपाका जैसे क्षेत्रों के बुनकर लंबे समय से जीएसटी छूट की मांग कर रहे हैं, लेकिन बजट में कोई राहत नहीं दी गई।

उन्होंने नलगोंडा जिले में फ्लोरोसिस पीड़ितों के पुनर्वास और फ्लोरोसिस अनुसंधान केंद्र को मजबूत करने के लिए विशेष धनराशि न दिए जाने पर भी नाराजगी जताई। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए भूमि अधिग्रहण में केंद्र के हिस्से को लेकर भी कोई स्पष्टता नहीं है।

उन्होंने पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में न लाने को महंगाई बढ़ने का कारण बताया और कहा कि बढ़ती बेरोजगारी के बावजूद युवाओं के लिए रोजगार सृजन की कोई ठोस योजना नहीं है।

महज कागजों का पुलिंदा है यह बजट : सूरज तिवारी

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस के सचिव (प्रोटोकाल कमेटी)ने केंद्रीय बजट 2026–27 की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह आम नागरिकों के हित में नहीं है। बजट में गरीबों के लिए कुछ नहीं किया गया है। महज यह बजट कागजों का पुलिंदा रह गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ रही है। आम लोग दो जून की रोटी जुटाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। यह बजट केवल भाजपा के साथ रहने वाले उद्योगपतियों को फायदा देने वाला है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमणन को इस्तीफा दे देना चाहिए। सोने के दाम लगातार बढ़ते जा रहा है। पड़ोसी देश नेपाल में भारत से सोने का दाम 10 से 15 हजार रुपए कम है। यह सरकार केवल घोटालों करने वालों का सहयोग कर रही है। केन्द्रीय बजट में वरिष्ठ नागरिकों, बेरोजगारों, गरीबों के लिए कुछ राहत नहीं दी गई है।

नशे में वाहन चलाने वालों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में विशेष नशा वाहन संचालन अभियान चलाया, जिसके तहत 340 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

इनमें 275 दोपहिया वाहन चालक, 14 तीन पहिया वाहन चालक, 48 चार पहिया वाहन चालक और 3 भारी वाहन चालक शामिल हैं। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने चेताया कि नशे में वाहन चलाना गंभीर अपराध है।

एसआईटी विपक्ष को निशाना बनाने का हथियार बन गई है: केपी विवेकानंद

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के राज्यसभा सदस्य एवं विधानसभा सचेतक केपी विवेकानंद ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि शासन पर ध्यान देने के बजाय विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के पूर्व-निर्धारित एजेंडे के तहत विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। उन्होंने इसे प्रतिशोधी राजनीति करार दिया। केपी विवेकानंद ने कथित फोन टैपिंग मामले में बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एसआईटी ने नियमों का उल्लंघन किया है और जारी किए गए नोटिस अवैध तथा राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं।

रविवार को तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एसआईटी ने केसीआर को नोटिस नंदी नगर स्थित आवास पर दिए, जबकि एर्रावल्ली स्थित उनके निवास पर नोटिस नहीं दिए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि नोटिस केवल आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार ही दिए जाने थे, तो फिर बीआरएस विधायक दल के उपनेता टी. हरीश राव को उनके हैदराबाद पते पर नोटिस क्यों दिए गए, जबकि आधिकारिक रिकॉर्ड में उनका सिद्दिपेट स्थित आवास दर्ज है।

विवेकानंद ने आरोप लगाया कि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और फोन टैपिंग मामले में कोई ठोस और विश्वसनीय सबूत मौजूद नहीं हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे पिछले दो वर्षों में सरकार की विफलताओं को छिपाने और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की राजनीति कर रहे हैं।

कोटी में दिनदहाड़े गोली मारकर 6 लाख की लूट

आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिसिंग में उत्कृष्टता के कई पुरस्कार जीतने के बावजूद हैदराबाद पुलिस अब तक उन दो संदिग्धों की पहचान नहीं कर सकी है, जिन्होंने शनिवार को कोटी इलाके में एक व्यवसायी को गोली मारकर उससे छह लाख रुपये लूट लिए थे। घटना के बाद शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, केरल के कारोबारी अब्दुल रिनशाद शनिवार सुबह करीब सात बजे कोटी के बैंक स्ट्रीट रोड स्थित एक एटीएम में नकदी जमा कराने पहुंचे थे। इसी दौरान दो अज्ञात लुटेरे उनके पास आए, उन्हें धमकाया और देसी हथियार से दो गोलियां चलाईं। एक गोली रिनशाद के पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए और काफी खून बहने लगा।

घटना के बाद लुटेरों ने रिनशाद की स्कूटर की चाबियां छीन लीं और उसी वाहन से काचीगुडा की ओर फरार हो गए। वहां उन्होंने अपने कपड़े बदले और बाद में रेलवे स्टेशन की ओर रवाना हो गए। घटना के खुलासे के लिए हैदराबाद पुलिस ने विशेष टीमें गठित की हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है, हालांकि अभी तक लुटेरों तक पहुंचने में सफलता नहीं मिली है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि वारदात के बाद गिरोह ने एक ऑटो-रिक्शा किराए पर लिया और विभिन्न कॉलोनियों तथा झुग्गी-झोपड़ी इलाकों की ओर गया। इसी आधार पर विशेष टीमों ने एर्राकुंटा, पहाड़ीशरीफ, शाहीननगर और सदातनगर क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई अहम जानकारी नहीं मिल सकी। हैदराबाद पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फरार होने से पहले आरोपी शहर में इधर-उधर घूमते रहे। उन्होंने कहा कि शहर भर में लगे क्लोज-सर्किट कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। वरिष्ठ अधिकारियों को संदेह है कि गिरोह ने इस डकैती की योजना पहले से बनाई थी और सही मौके का इंतजार कर रहा था। इधर, अस्पताल में भर्ती अब्दुल रिनशाद का पुलिस ने बयान दर्ज कर लिया है। शनिवार को उनकी सर्जरी की गई और पैर से गोली निकाल दी गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गंगापुरी जतारा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

50 हजार से अधिक ने किए दर्शन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को वार्षिक गंगापुरी जतारा के अवसर पर रेब्बाना मंडल के गंगापुर गांव स्थित प्राचीन श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी देवस्थानम में भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। अधिकारियों के अनुसार जिले के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ पड़ोसी मंचेरियल जिला और महाराष्ट्र से आए 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने लंबी कतारों में खड़े होकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और विशेष प्रार्थनाएं कीं। दर्शन से पूर्व श्रद्धालुओं ने झरने में स्नान किया और मनोकामना पूर्ति व कुशलक्षेम के लिए नारियल फोड़े।

श्रद्धालु बैलगाड़ियों, ट्रॉलियों और ट्रैक्टरों सहित विभिन्न साधनों से पवित्र स्थल तक पहुंचे। कई भक्त शनिवार रात से ही अस्थायी तंबुओं में ठहरे हुए थे। उन्होंने परिवार और मित्रों के साथ तंबुओं में ही भोजन तैयार किया और जतारा का आनंद लिया। बच्चों के लिए खिलौनों की खरीदारी हुई, वहीं नाश्ता और ताजे रस के स्टॉलों पर भी काफी भीड़ देखी गई। एनएच-363 और गांव की ओर जाने वाली सड़कों पर यातायात जाम से बचने के लिए प्रतिबंध लगाए गए थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग स्थल, अस्थायी शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और प्राथमिक उपचार केंद्र की व्यवस्था की गई थी। जतारा को देखते हुए टीजीआरटीसी द्वारा विशेष बसें भी चलाई गईं। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

ऑपरेशन स्माइल के तहत 85 बाल मजदूर मुक्त, 35 मामले दर्ज

आदिलाबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि 31 जनवरी को समाप्त हुए 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत जिले में 85 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया।

एक बयान में एसपी ने कहा कि पुलिस, बाल संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों ने भोजनालयों, ईंट भट्टों और निर्माण स्थलों पर छापेमारी कर 79 लड़कों और छह लड़कियों को बचाया। ये बच्चे देश के 24 विभिन्न राज्यों से संबंधित हैं।

इस दौरान बच्चों से जबरन मजदूरी कराने वालों के खिलाफ 35 मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि बचाए गए बच्चों को उनके माता-पिता को सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है। बाल श्रम कराने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए एसपी ने आम जनता से ऐसे मामलों की सूचना डायल-100 के माध्यम से देने की अपील की।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। इस बीच, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में भी 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत 46 लड़कों और पांच लड़कियों समेत कुल 51 बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया। जिले की पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम का उन्मूलन करना है।

आरजीआई हवाई अड्डे पर 3.5 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त, यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने रविवार को आरजीआई हवाई अड्डे पर कार्रवाई करते हुए एक यात्री को पकड़कर उसके कब्जे से 3.5 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया है। अधिकारियों के अनुसार, बराई हेमांग कुमार मंगभाई नामक यात्री तड़के कुआलालंपुर से हैदराबाद पहुंचा था। संदेह के आधार पर उसे रोका गया और उसके सामान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके चेक-इन बैगेज से लगभग 3.5 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ, जिसे प्रतिबंधित सामग्री मानते हुए जब्त कर लिया गया। डीआरआई अधिकारियों ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया। मामले की आगे की जांच जारी है।

खेतलाजी भैरुजी के नाम जागरण सम्पन्न

श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित माघ सुदी चौदस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए कन्हैयालाल वैष्णव, परसराम बर्फा । अवसर पर पुजा-अर्चनाकर, दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हीराराम खंडाला, सलाहकार परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य कालूराम काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्षा इन्द्रादेवी आगलेचा, कार्यकारिणी सदस्या पोनीदेवी लचेटा, जीमनीबाई पँवार, पोनीदेवी बर्फा व समाज बन्धु ।

झूठे एनकाउंटर प्रशासन को भ्रष्ट करते हैं: अखिलेश यादव

लखनऊ, 1 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि झूठे एनकाउंटर प्रशासन को भ्रष्ट करते हैं और न्यायालय के अतिरिक्त किसी अन्य द्वारा सजा दिया जाना स्वयं में अपराध है। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद बड़े पैमाने पर फर्जी एनकाउंटर हुए हैं, जिससे कई निर्दोष लोगों की जिंदगी और परिवार बर्बाद हुए हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में अन्याय और अत्याचार चरम पर है तथा फर्जी एनकाउंटर के नाम पर हत्याएं की गई हैं। सरकार के इशारे पर पुलिस बेलगाम हो गई है और अब न्यायालय को भी इस पर नाराजगी जतानी पड़ रही है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार असली अपराधियों को बचा रही है, जिसके कारण अपराध, भ्रष्टाचार और मिलावटखोरी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान और कानून का पालन नहीं हो रहा है तथा जनता में भय का माहौल पैदा किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की तैनाती में भेदभाव हो रहा है और सत्ता के संरक्षण में कुछ अधिकारी मनमानी कर कानून को हाथ में ले रहे हैं।

फरवरी के बाद जीविका दीदियों के खाते में आएंगे 2-2 लाख

पटना, 1 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के सफल लाभार्थियों को चिह्नित करने की कवायद शुरू कर दी है। इसके बाद जीविका समूह के माध्यम से शीघ्र ही जिलेवार प्रशिक्षण देने की योजना तैयार की जा रही है। प्रयास है कि 15 फरवरी से पहले चरण के प्रशिक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ कर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में चिह्नित लाभार्थियों में दो-दो लाख रुपये का अनुदान बांट दिया जाए। इससे पहले छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान जीविका दीदियों को सफल व्यवसाय का मॉडल भी दिखाया जाएगा।

डेढ़ करोड़ से अधिक महिलाओं को 10-10 हजार

विदित हो कि अभी तक डेढ़ करोड़ से अधिक महिलाओं को सरकार ने 10-10 हजार रुपये की राशि स्वरोजगार के लिए दी गई है। इसमें सफल महिलाओं की स्क्रूटनी के बाद उन्हें दो-दो लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं इसकी घोषणा इंटरनेट मीडिया पोस्ट के माध्यम से कर चुके हैं।

प्रशिक्षण की तैयारी शुरू

उद्यमिता को लेकर सजग एवं प्रयासरत जीविका के विभिन्न व्यवसाय से संबंधित सफल माडल भी दिखाए जाएंगे। साथ ही वित्तीय लेखा-जोखा कैसे लिखा जाना है, इसके गुर भी सिखाने की पहल की जा रही है। इसको लेकर मानक संचालन प्रक्रिया भी निर्धारित कर दी गई है। अब इसी के अनुरूप जीविका दीदियों के व्यवसाय का आकलन होगा। इसके उपरांत दो-दो लाख रुपये की राशि चरणवार देने का प्रावधान किया गया है।

पति का कत्ल कर भांजे संग अंतरंग हुई मामी

शाहजहांपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। बलराम की हत्या और पत्नी पूजा के जेल जाने के बाद उनके बच्चों की परवरिश का संकट खड़ा हो गया है। बच्चों के बाबा बलवंत, दादी रामबेटी बेहद बुजुर्ग हैं और काम करने में असमर्थ हैं। चाचा राजू दिव्यांग है। गांव भटपुरा चंदू निवासी बलराम की 28 जनवरी की रात पत्नी पूजा देवी ने पति के भांजे हरदोई के गांव सलेमपुर डर्रा के आदेश और उसके ही गांव के रहने वाले दोस्त रामचंद्र के साथ मिलकर हंसिया से गला काटकर हत्या कर दी थी। पूजा और आदेश के बीच अवैध संबंध थे। पूजा तीन बार आदेश के साथ जा चुकी थी।

'मन को साफ रखकर ही इंसान सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है'

संत रविदास जयंती पर मायावती का संदेश

लखनऊ, 1 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 1 फरवरी को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संत रविदास की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए रविवार (1 फरवरी) को कहा कि संत रविदास ने जाति, भेद-भाव और द्वेष के खिलाफ आजीवन कड़ा संघर्ष किया है।

बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, देश में सामाजिक परिवर्तन के महान संतों में जाने-माने संतगुरु रविदास जी को आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित करती हूं और देश व दुनिया में

रहने वाले उनके करोड़ों अनुयायियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी देती हूं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि, संतगुरु रविदास जी का संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' अर्थात मन को शुद्ध और पाक-साफ रखकर ही इंसान सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है तथा समाज और देश का भी भला कर सकता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन इंसानियत का संदेश देने में ही व्यतीत किया।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि इसी क्रम में वह विशेष रूप से जाति भेद और द्वेष के खिलाफ आजीवन कड़ा संघर्ष करते हुए अमर हो गए। उन्होंने कहा, ''उनका संदेश धर्म की पवित्रता को समाज सेवा और जनचेतना के माध्यम से इंसान और इंसानियत की भलाई से जोड़ता है। बसपा प्रमुक ने कहा, उनका संदेश किसी स्वार्थ, विशेषकर संकीर्ण राजनीतिक और चुनावी स्वार्थ की पूर्ति के लिए नहीं है,

जिसे भुला दिए जाने के कारण अमन-चैन, आपसी सौहार्द, भाईचारे और सुख-समृद्धि का वातावरण काफी हद तक प्रभावित हुआ है। मायावती ने कहा, संतगुरु रविदास जी के उपदेशों पर अमल कर करोड़ों गरीबों, शोषितों और पीड़ितों का काफी कुछ भला हो सकता है, जिस पर समुचित ध्यान देने की जरूरत है।

संत रविदास की जयंती पर सीएम योगी ने किया नमन

कहा- 'उन्होंने कर्म से सेवा, समरसता और समानता का जो संदेश दिया, वह हमें प्रेरित करता'

लखनऊ, 1 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को संत रविदास की जयंती पर उन्हें नमन किया और लोगों से उनके विचारों को आत्मसात कर समरस एवं विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा,

"सद्गुरु रविदास जी महाराज की पावन जयंती पर कोटि-कोटि नमन।" उन्होंने कहा, "सद्गुरु रविदास जी ने कर्म से सेवा, समरसता और समानता का जो संदेश दिया, वह आज भी हमें प्रेरित करता है।" सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, "'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' का जो संकल्प है, उसकी आत्मा गुरु रविदास जी की शिक्षाओं में है।" मुख्यमंत्री ने लोगों से रविदास के विचारों को आत्मसात कर समरस एवं विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की। मध्यकालीन कवि एवं समाज सुधारक संत रविदास ने अपने दोहों और उपदेशों के माध्यम से जाति आधारित सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संदेश दिया। उनका जन्म वाराणसी के पास सीर गोवर्धनपुर गांव में हुआ था।

भीषण हादसे में छह लोगों की मौत

पटना, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पटना में बिहटा थाना क्षेत्र में कोईलवर पुल के पास रविवार अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यात्री से भरे एक ऑटो को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वाले सभी भोजपुर जिले के निवासी थे। इसमें दो मासूम बच्चे समेत छह लोग शामिल हैं। इनकी पहचान आरा शहर के मिल्की मोहल्ला निवासी गुड्डू (33), इम्तियाज (30), कायमनगर निवासी असद खान (25) मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर निवासी शहजाद (22) और उनके बच्चे शफ़ान (3) व अल्फ़ी (डेढ़ वर्ष) के रूप में हुई। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई।

सूचना मिलते ही बिहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। ट्रक चालक के फरार होने की सूचना है, जिसकी तलाश की जा रही है।

सपा चीफ अखिलेश यादव ने एसआईआर को बताया महाघोटाला, कोर्ट और मीडिया से की सख्त अपील

लखनऊ, 1 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने न्यायालय, निर्वाचन आयोग और मीडिया से हस्तक्षेप की अपील की है। अखिलेश यादव ने यह अपील मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक रूप से रखी। उनका कहना है कि गांवों में फार्म-7 के दुरुपयोग के जरिए विपक्षी मतदाताओं के नाम काटने की साजिश चल रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर के तहत गांवों में पहले से छपे फार्म-7 भेजे जा रहे हैं, जिनके जरिए कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे का नाम वोटर लिस्ट से कटवाने की

आपत्ति दर्ज कर सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि ये फार्म कौन भेज रहा है और शिकायतकर्ता कौन हैं, इसका कोई स्पष्ट पता नहीं है। आरोप है कि फर्जी हस्ताक्षर करवाकर योजनाबद्ध तरीके से विपक्ष के वोट काटे जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मतदाताओं के नाम पर आपत्ति दर्ज की जा रही है, उन्हें खुद इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। सभी दस्तावेज सही होने के बावजूद मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार है।

पीडीए समाज और अल्पसंख्यकों पर असर

अखिलेश यादव के मुताबिक इस कथित साजिश का सबसे ज्यादा असर पीडीए समाज पर पड़ रहा है, जिसमें खास तौर पर अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बड़े स्तर पर इन्हीं वर्गों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं।

मीडिया से की खास अपील

समाजवादी पार्टी प्रमुख ने सभी न्यूज चैनलों और अखबारों से इस पूरे मामले की जांच कर महा-घोटाले का पर्दाफाश करने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय यूट्यूबर और लोकल न्यूज कर्मियों से लोकतंत्र के हित में आगे आने की मांग की। अखिलेश यादव ने भरोसा दिलाया कि जो पत्रकार और कंटेंट क्रिएटर ईमानदारी से इस मुद्दे को उजागर करेंगे, उन्हें समाजवादी पार्टी देश और प्रदेश के सामने लाएगी। उन्होंने कहा कि सच्ची पत्रकारिता को वास्तविक दर्शकों और पाठकों तक पहुंचाना लोकतंत्र की रक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

बृजभूषण से मिले पहले यूजीसी बिल याचिकाकर्ता मृत्युंजय तिवारी: गोंडा में पूर्व सांसद की सलाह- जागते रहोगे तो बचे रहोगे

गोंडा, 1 फरवरी (एजेंसियां)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र डॉ। मृत्युंजय तिवारी ने गोंडा में कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह से मुलाकात की है। डॉ। तिवारी ने ही यूजीसी बिल के खिलाफ सबसे पहली सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए बिल के नए नियमों पर रोक लगा दी थी। यह पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह से गोंडा मुलाकात कोर्ट के फैसले के बाद हुई है। मुलाकात के दौरान, डॉ। मृत्युंजय तिवारी ने बृजभूषण शरण सिंह को याचिका दायर करने से लेकर बिल के नए नियमों पर रोक लगने तक की पूरी कानूनी लड़ाई की विस्तृत जानकारी दी है।

नीट छात्रा के सवाल पर श्रेयसी सिंह का चुप रह जाना और गम दे गया! ये खामोशी पीछा करेगी

पटना, 1 फरवरी (एजेंसियां)। नीट छात्रा कांड ने बिहार की राजनीति और सिस्टम दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब मीडिया ने इस मामले पर श्रेयसी सिंह से सवाल किया तो उनसे किसी जांच की मांग या दुख के शब्दों की उम्मीद थी। लेकिन मंत्री का यूं खामोश रहीं और थैंक्यू बोलते हुए वहां से चली गईं। बस क्या था यही बात वहां मौजूद पत्रकारों को भी चुभ गई और आम लोगों को और भी गम दे गया। खास बात यह है कि वह न सिर्फ सरकार का हिस्सा हैं बल्कि खुद एक महिला भी हैं। ऐसे में यह चुप्पी सिर्फ राजनीतिक नहीं, नैतिक सवाल भी बन गई है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर लोग इसे संवेदनहीनता और सत्ता की बेरुखी बता रहे हैं। दरअसल, नीट छात्रा का मामला अब सिर्फ एक मौत की जांच नहीं रह गया है। यह उस सिस्टम की परीक्षा है जो न्याय और भरोसे की बात करता है। जब सवाल पूछने पर जवाब की जगह खामोशी मिले तो जनता का गुस्सा स्वाभाविक है। आज लोग पूछ रहे हैं कि अगर सत्ता में बैठा व्यक्ति भी दर्द पर मौन साध ले तो फिर बदलाव की उम्मीद कहां से की जाए। यह चुप्पी देर तक पीछा करने वाली है।

नसबंदी के बाद भी गर्भवती हुईं हापुड़ की 43 महिलाएं, स्वास्थ्य विभाग से मांगा मुआवजा

हापुड़, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जिले की 43 महिलाएं ऐसी सामने आई हैं, जिन्होंने सरकारी अस्पतालों में अपनी नसबंदी करा ली थी और उसके बाद भी वह गर्भवती हो गईं। इन महिलाओं में से अधिकांश के पास चार से पांच संताने हैं। संतानोत्पत्ति पर नियंत्रण करने के लिए ही इन महिलाओं ने अपनी नसबंदी कराई थी। अब इन महिलाओं ने विभाग में दावे कर इसका मुआवजा मांगा है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इनकी रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेज दी है।

सरकारी अस्पतालों में परिवार नियोजन को लेकर नसबंदी, कापर टी, अंतरा छाया समेत अन्य विकल्प अपनाने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसको लेकर एक अलग से ही अस्पतालों में डेस्क स्थापित कराई हुई है। वहीं दूसरी ओर नसबंदी कराने के लिए महिलाओं और पुरुषों को जागरूक किया जा रहा है।

इसके लिए महिला और पुरुष को एक निर्धारित प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। शासन से स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक वर्ष नसबंदी करने का लक्ष्य भी दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष महिला नसबंदी का लक्ष्य तो पूरा हो जाता है, लेकिन पुरुषों का लक्ष्य पूरा तो दूर लक्ष्य के आसपास तक भी नहीं पहुंच पाता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार एक अप्रैल 2019 से पहले नसबंदी कराने के बाद भी यदि कोई महिला गर्भवती हो जाती थी, तो उसे शासन से 30 हजार रुपये राशि प्राप्त होती थी। अब उसे बढ़ाकर सरकार ने 60 हजार रुपये कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग ने 43 महिलाओं के आवेदन फार्म शासन को प्रेषित कर दिए हैं। इनमें से दस फार्म अभी भी लंबित हैं, जबकि 22 महिलाओं को एक किस्त दी जा चुकी है।

माघ पूर्णिमा पर संगम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, 90 लाख लोगों ने किया स्नान

प्रयागराज, 1 फरवरी (एजेंसियां)। माघ पूर्णिमा को लेकर आज सुबह से ही प्रयागराज में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि भीषण ठंड के बावजूद, रविवार को यहां चल रहे माघ मेले लगभग 90 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया है। मेला प्रशासन के अनुसार, श्रद्धालु आधी रात से ही यहां पर पहुंचने लगे और सुबह 8 बजे तक लगभग 90 लाख तीर्थयात्रियों ने गंगा और संगम में स्नान कर लिया था। जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि माघ पूर्णिमा कल्पवासियों के लिए अंतिम पवित्र स्नान का अवसर है, जो पिछले एक महीने से माघ मेले में कल्पवास का पालन कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कल्पवासियों के परिवार के सदस्य भी उन्हें घर वापस ले जाने के लिए आ चुके हैं। उन्होंने बताया कि सुबह घने कोहरे के बावजूद, बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते रहे और सभी घाटों पर स्नान सुचारू रूप से संपन्न हो रहा था। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसके तहत एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें पूरे मेले क्षेत्र में तैनात हैं, साथ ही सभी घाटों पर नाविक और गोताखोर भी तैनात हैं। उन्होंने आगे बताया कि घाटों पर पर्याप्त चेंजिंग रूम उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन का उपयोग पूरे मेले क्षेत्र की निगरानी के लिए किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी भी नियमित रूप से गश्त कर रहे हैं।

'पिछड़ों के मसीहा बन रहे, खुद सत्ता में रहते कुछ नहीं किया'

ओपी राजभर का विपक्ष पर हमला

हाथरस, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पंचायती राज विभाग के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने हसायन के गांव गिरधरपुर में बंजारा हक अधिकार रैली में आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा है कि आजकल विपक्षी पार्टी के नेता रैलियों में संविधान की किताब लेकर लेकर घूम रहे हैं। वह वास्तव में संविधान का मजाक उड़ा रहे हैं। आज वह पिछड़ों के साथ अन्याय होने का नारा लगा रहे हैं। ओपी राजभर ने कहा, कि कई बार सत्ता में रहने के बाद भी वह बजारा, अहेरिया, प्रजापति और पिछड़े समाज के युवाओं में से पांच सिपाही नहीं बना सके।

अगर उन्हें इतनी ही चिंता होती तो अपनी सरकार में गरीब शोषित वंचित लोगों का भला कर दिया होता। वह सिर्फ दिखावे के लिए ही शोषित वंचितों के मसीहा बना रहे हैं। राजभर ने अति पिछड़ी जाति के आरक्षण पर भी उन्होंने सपा और अन्य विपक्षी दलों को घेरते

हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वर्ष 1993 में पिछड़ी जाति को 27 प्रतिशत आरक्षण मिला। तीन सितंबर 2013 को हाईकोर्ट ने कहा कि 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ 12 जातियां ही उठा रही हैं। कोर्ट ने 12 जातियों का नाम भी बताया और शेष जातियों को भी पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ दिलाने के निर्देश सरकार को दिए। तब प्रदेश में सपा की सरकार थी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे। सपा ने हाईकोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं किया। राजभर बोले कि वह बंजारा, अहेरिया, पाल, प्रजापित, नाई, कुम्हार, लुहार जैसी जातियों को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के लिए आवाज उठा रहे हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री से भी मिले हैं। प्रधानमंत्री ने इसे लागू करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने मंच से अपील की कि 2027 में जातियों की गिनती होनी जा रही है। अपनी-अपनी जाति सही कालम में भरवा देना। इसके बाद कोई भी आपका हक नहीं छीन सकता।

आपका बेटा भी एक दिन सिपाही बनकर थाने में आएगा॥ कार्यक्रम संयोजक और कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि संजय बंजारा, सत्यप्रकाश गौतम, मोहन सिंह, उपेंद्र प्रधान, राजेंद्र प्रधान, सुरेंद्र प्रधान, बलराम, बृजेश नायक, मोंटी सिंह, नाहर सिंह, देशराज ठाकुर, मोनू सिंह, वासुदेव, महिपाल, कामता प्रसाद एवं ओमवीर आदि ने कैबिनेट मंत्री का माला पहनाकर और प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया।

45 साल की महिला तीन बच्चों को छोड़कर 18 वर्षीय प्रेमी संग फरार; गिड़गिड़ाते रह गए पति और बच्चे

कानपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से एक रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर घाटमपुर क्षेत्र के भीतरगांव थाना इलाके के एक गांव में रहने वाली 45 वर्षीय महिला अपने पड़ोस में रहने वाले करीब 18 वर्षीय युवक के साथ घर फरार हो गई। महिला के तीन बच्चें है। उसे अपने बेटे की उम्र के लड़के के साथ प्यार हो गया। जिसके चलते वो सब कुछ छोड़कर उसके साथ फरार हो गई। यह घटना 26 जनवरी की बताई जा रही है। महिला अपने पति और बच्चों को छोड़कर युवक के साथ घर छोड़कर चली गई। जिसके बाद उसके पति की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की और उनकी तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने महिला और युवक को बकेवर क्षेत्र से बरामद कर थाने ले आई। जानकारी मिलने पर महिला का पति अपने तीनों बच्चों के साथ थाने पहुंचा। पति और बच्चों ने महिला से घर लौटने की बहुत विनती की। महिला के 18 वर्षीय बड़े बेटे ने भी मां को समझाने की कोशिश की, लेकिन महिला ने साफ इनकार कर दिया।

देवबंदी मौलाना कारी इसहाक गोरा बोले

'थानों और अदालतों में मुस्लिम मामलों की बढ़ती संख्या शर्मनाक'

लखनऊ, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जमीयत दावतुल मुस्लिमीन के संरक्षक और देश के प्रसिद्ध देवबंदी उलेमा मौलाना क़ारी इसहाक गोरा ने समाज की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। रविवार को जारी एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि पुलिस थानों और अदालतों में मुसलमानों से जुड़े घरेलू विवाद, तलाक, पारिवारिक झगड़े और आपसी कलेश के मामले बड़ी संख्या में सामने आना पूरे समाज के लिए शर्मिंदगी की बात है। मौलाना कारी इसहाक गोरा ने कहा कि जब लोग उनसे यह सवाल करते हैं कि थानों और अदालतों में मुसलमानों के केस सबसे ज्यादा क्यों दिखाई देते हैं, तो उन्हें बेहद दुख होता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह स्थिति किसी भी जिम्मेदार और जागरूक नागरिक के लिए चिंता का विषय है।

उनके मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह समाज में सही शिक्षा और अच्छे संस्कारों की कमी है। उन्होंने कहा कि समय के साथ हम अपने धार्मिक और नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। सही तालीम, समझ और अच्छे व्यवहार की जगह हमने झूठी परंपराओं और गलत रिवाजों को अपना लिया है। इसी का नतीजा है कि घर के छोटे-छोटे मसले बड़े झगड़ों में बदल जाते हैं और बात सीधे पुलिस और अदालत तक पहुँच जाती है। कारी इसहाक गोरा ने यह भी कहा कि अक्सर लोग अपनी गलतियों को मानने के बजाय दूसरों को दोष देते हैं। हम हालात, व्यवस्था और सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन अपने व्यवहार और सोच पर ध्यान नहीं देते।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यही हालात बने रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे सवाल करेंगी कि हमने उन्हें कैसी विरासत दी। उन्होंने कहा कि कोई भी कौम सिर्फ नारों से आगे नहीं बढ़ती, बल्कि ज्ञान, चरित्र और नैतिकता से आगे बढ़ती है। अगर समाज में आपसी सम्मान, सब्र और समझ होगी, तो विवाद अपने आप कम हो जाएंगे। अपने संदेश के अंत में मौलाना कारी इसहाक गोरा ने सभी मुसलमानों से आत्ममंथन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज सबसे ज्यादा जरूरत अपने आप को सुधारने, शिक्षा पर ध्यान देने और बच्चों की सही परवरिश करने की है।

गुजरात में किसानों की आवाज दबाने की साजिश बेनकाब

अहमदाबाद, 1 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के किसानों की आवाज उठाने पर कई महीनों से जेल में बंद राजू भाई करपड़ा और प्रवीण राम समेत अन्य लोगों को जमानत मिलने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सच की जीत बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट कर गुजरात की भाजपा सरकार पर हमला किया और लिखा- सत्यमेव जयते। आप नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के किसानों की आवाज बने आम आदमी पार्टी के नेता राजू भाई करपड़ा और प्रवीण राम समेत अन्य को कोर्ट से जमानत मिलन सच की जीत है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि गुजरात के किसानों की आवाज दबाने के लिए भाजपा ने जुल्म और साजिश का सहारा लिया था,

आरटीई नियमों में बड़ा बदलाव, किराए पर रहने वाले बच्चों को नहीं मिलेगा प्रवेश; आज से शुरू होंगे आवेदन

लखनऊ, 1 फरवरी (एजेंसियां)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में होने वाले प्रवेश के नियमों में बदलाव किया गया है। किराए के मकान में रहने वाले अभिभावकों के बच्चों को आरटीई के तहत प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके लिए रजिस्ट्रार कार्यालय में घर का पंजीकरण जरूरी है। बच्चों के यूनिफार्म का पैसा सीधे अभिभावकों के खाते में अब निदेशालय स्तर से ही भेजा जाएगा।

इसमें बैंक से आधार कार्ड का सत्यापन जरूरी है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत राजधानी में संचालित 1576 प्राइवेट स्कूलों में करीब 21000 सीटों पर प्रवेश के लिए

यूपी में आरटीई के नियमों में बदलाव

- किराए पर रहने वाले अभिभावकों के बच्चों को प्रवेश में समस्या!
- दो फरवरी से निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए शुरू होंगे ऑनलाइन आवेदन

2 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन शुरू होंगे। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले सभी बच्चों के दस्तावेज की ऑनलाइन कॉपी विभाग के वेबसाइट पर भी अपलोड होगी। संबंधित निजी स्कूल के प्रबंधक व प्रधानाचार्य यूजर आईडी के माध्यम से संबंधित बच्चों के दस्तावेज को चेक भी कर सकते हैं। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के प्रवेश में पादर्शिता बनी रहेगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार के अनुसार, बीते साल 1398 निजी स्कूलों में कुल 18000 सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन लिए गए थे। इस बार स्कूलों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ-साथ सीटों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। निजी स्कूलों में प्रवेश लेने वाले बच्चों की फीस विभाग की ओर से आपूर्ति की जा रही है इसके लिए संबंधित स्कूलों से डाटा मांगा गया है।

पहले चरण की 2 से 16 फरवरी तक होंगे आवेदन

निजी स्कूलों में नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी और पहली कक्षा में प्रवेश के लिए पहले चरण की 2 से 16 फरवरी तक आवेदन होंगे। 21 फरवरी से 7 मार्च तक द्वितीय चरण और 12 से 25 मार्च तक तृतीय चरण के लिए आवेदन होंगे। आवेदन और दस्तावेज जांच के बाद 18 फरवरी को पहली लॉटरी, 9 मार्च को द्वितीय लॉटरी और 27 मार्च को तृतीय चरण की लॉटरी जारी होगी।

आईटीई प्रवेश के लिए इन दस्तावेज की होगी जरूरत

शहर निवासी और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को ही आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश मिलेंगे। जिला शिक्षा परियोजना समिति की ओर से जारी आदेश के अनुसार, प्रवेश के दौरान तहसीलदार द्वारा निर्गत जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, ग्रामीण क्षेत्र में जॉब कार्ड,चिकित्सा प्रमाणपत्र और आधार कार्ड की जरूरत होगी। मानक के अनुसार, इनमें से जरूरी दस्तावेज होने पर ही प्रवेश आवेदन होंगे।

विदेशी छात्रा से दुष्कर्म; जीरो एफआईआर की जांच भी 'जीरो', आरोपी छात्र बरी, कोर्ट ने भी की टिप्पणी

देहरादून, 1 फरवरी (एजेंसियां)। दून में एक निजी विश्वविद्यालय की विदेशी छात्रा से दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले में आरोपी विदेशी छात्र को अदालत ने बरी कर दिया। मामला अक्तूबर-2024 में दिल्ली के कश्मीरी गेट थाने में जीरो एफआईआर के तहत दर्ज हुआ था, जिसे विवेचना के लिए देहरादून पुलिस के पास स्थानांतरित किया गया था। ये अलग बात है कि देहरादून आकर न्याय की उम्मीद ने कागजों में ही दम तोड़ दिया। जीरो एफआईआर की जांच भी जीरो साबित हुई। अदालत ने आरोपी को बरी करने के फैसले में क्लेमेंटटाउन थाने के तत्कालीन जांच अधिकारी के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की।

बजट पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दी प्रतिक्रिया: कई महत्वपूर्ण घोषणाएं हुई हैं

सहारनपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज रविवार (1 फरवरी, 2026) को बजट 2026-27 संसद में पेश किया। इस बजट में युवाओं को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं हैं। बजट में ऐलान हुआ कि 15 हजार स्कूल और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स खोली जाएंगी। इस पर केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इस शिक्षा और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक क्रांतिकारी बजट बताया है। रालोद नेता और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने बजट को लेकर एक्स पर लिखा, "15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। 5 विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा। और प्रत्येक जिले में एक बालिका छात्रावास सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर (टीसीएस) को 5% से घटाकर 2% करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा।"

निर्मला सीतारमण ने बनाया रिकॉर्ड

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने लगातार 9वीं बार बजट पेश कर एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। बजट 2026 में वित्त मंत्री ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। बजट में शराब, सिगरेट पर दाम बढाए गए हैं। जबकि कपड़ा, विदेशी यात्रा, कैंसर की 17 दवाएं, माइक्रोवेव ओवन, जूते, एयरक्राफ्ट निर्माण से जुड़ी चीजें, ईवी बैटरी, शुगर की दवाएं, चमड़े और कपड़े का निर्यात, बायोगैस मिक्स्ड सीएनजी ये सारी चीजें सस्ती होंगी।

नेताओं की मिलीजुली प्रतिक्रियाएं

सत्तापक्ष के जयादातर नेताओं और मंत्रियों ने बजट को आम आदमी को राहत देने वाला बताया है और विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ने वाला बताया। जबकि विपक्ष ने इस बजट से निराशा जाहिर की है। बजट से पहले ही अखिलेश यादव ने तंज कस विपक्ष की मंशा जाहिर कर दी थी। जबकि कवि कुमार विश्वास ने बजट आम आदमी कोर राहत देने वाला करने की मांग की थी। फिलहाल बजट पर प्रतिक्रियाओं का दौर अभी जारी है।

मृतक के स्पर्म से प्रजनन की अनुमति, केंद्र ने फैसले के खिलाफ की अपील

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की तरफ से दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को ही चुनौती दी गई है, जिसमें एक प्राइवेट अस्पताल को आदेश दिया गया था कि एक बिना शादी वाले मृत युवक के फ्रोजन स्पर्म उसके माता पिता को सौंप दिए जाएं। केंद्र सरकार की ओर से कोर्ट में कहा गया कि यह फैसला मौजूदा असिस्टेड रिप्रोडक्शन और सरोगेसी कानूनों के खिलाफ है। हाई कोर्ट युवक के माता-पिता को नोटिस जारी कर अपील पर जवाब मांगा है, जो मरणोपरांत प्रजनन से जुड़े कानूनी मुद्दों को उजागर करता है। इस मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को की जाएगी। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने केंद्र सरकार की अपील पर युवक के माता-पिता को नोटिस जारी किया है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को तय की है।

'बजट को लेकर विपक्ष ने तमाम सवाल उठाए'

बजट के बाद प्रियंका चतुर्वेदी की पहली प्रतिक्रिया, पीएम मोदी का रिफार्म कहीं नहीं दिखा

मुंबई, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज (1 फरवरी) को संसद में 2026-27 का बजट पेश किया। उनके इस बजट को लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है। टैरिफ, गिरते रुपये और इंपोर्ट को लेकर विपक्षी नेता सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने बजट को लेकर उठाए सवाल

बजट के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने बजट को लेकर तमाम सवाल उठाए। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ये बजट बहुत निराश करने वाला रहा है, जब दुनियाभर में इतनी उथल-पुथल चल रही है। अमेरिकी टैरिफ के कारण इंपोर्ट करने वाले व्यापारी भारी हताशा में हैं।

पीएम मोदी का जिक्र कर क्या कहा

उन्होंने आगे कहा कि रुपया लगातार गिरने से हमारे इंपोर्टर खासे परेशान हैं। ऐसे में इस बजट से काफी उम्मीदें थी कि उनके लिए सरकार कुछ करेगी। कोई घोषणा करेगी ताकि उन्हें राहत मिले पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो इतने रिफॉर्म की बात की थी, ऐसा कुछ भी इस बजट में नहीं दिखा। ये बजट तो बहुत निराश करने वाला है। शेयर मार्केट का भी बहुत बुरा हाल है।

'सरकार ने एआई पर ध्यान दिया है'

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि देश को दिशा दिखाने वाला बजट होना चाहिए था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। जब उनसे पूछा गया कि आप 10 में से इस बजट को कितने नंबर देंगी तो उन्होंने कहा कि 4 नंबर। इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि सरकार ने एआई पर ध्यान दिया है और रेयर मिनरल्स के लिए कॉरिडोर की बात की है, लेकिन वो सब कैसा होगा, ये नहीं बताया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में रेयर अर्थ मिनरल कॉरिडोर बनाने की घोषणा की है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और केरल में सरकार ये कॉरिडोर बनाएगी।

1990 श्रीनगर आईएएफ हमला

36 साल बाद चश्मदीद ने की एक और हमलावर की पहचान, यासीन मलिक का करीबी है शौकत बख्शी

जम्मू, 1 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीनगर के रावलपोरा इलाके में जनवरी, 1990 में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के जवानों पर हुए आतंकी हमले के मामले में एक और आरोपित की पहचान हो गई है। विशेष अदालत में शनिवार को एक प्रत्यक्षदर्शी ने जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक के करीबी सहयोगी शौकत बख्शी को हमलावरों में शामिल होने की पुष्टि की। यह पहचान हमले में बचे एक पूर्व आईएएफ कर्मचारी ने 36 वर्ष बाद की है। इससे पहले जनवरी, 2024 को इसी मामले के एक अन्य जीवित बचे पूर्व आईएएफ कार्पोरल राजवार उमेश्वर सिंह ने यासीन मलिक को मुख्य शूटर के रूप में पहचानते हुए विशेष सीबीआई अदालत में बयान दर्ज कराया था। बता दें कि 25 जनवरी, 1990 को हुए इस आतंकी हमले में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना समेत चार वायुसेना कर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए थे। उस समय आईएएफ के कर्मचारी ड्यूटी पर जाने के लिए पुराने श्रीनगर एयरफील्ड की बस का इंतजार कर रहे थे, तभी आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दी थीं। इस मामले में 31 अगस्त 1990 को टाडा अदालत में यासीन मलिक और शौकत बख्शी समेत छह लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। अन्य आरोपितों में जेकेएलएफ के अली मोहम्मद मीर, मंजूर अहमद सोफी उर्फ मुस्तफा, जावेद अहमद मीर उर्फ 'नलका', जावेद अहमद जरगर और सलीम उर्फ नानाजी शामिल हैं। सीबीआई की ओर से पेश वकील मोनिका कोहली ने अदालत को बताया कि अभियोजन पक्ष के गवाह ने शौकत बख्शी की पहचान हमलावर के रूप में की है। गौरतलब है कि वर्ष 1989 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़े मामले में भी यासीन मलिक और उसके संगठन की भूमिका बताई जाती है।

'पुराने सामान को नए डिब्बे में परोसा', लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने बजट पर उठाए सवाल

पटना, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज रविवार (1 फरवरी, 2026) को संसद में बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने इस बजट में कई बड़ी घोषणाएं की लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं हुआ। अब इसे लेकर जहां सत्ता पक्ष के नेता इस बजट को सही बता रहे हैं तो वहीं विपक्षी नेता सरकार पर हमलावर हैं। इस बजट पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इस बजट को पुराने सामान को नए डिब्बे में नए लेबल के साथ परोसने जैसा बताया। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखा- अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोत्तरी कैसे होगी? इस पर बजट में कोई स्पष्टता नहीं है, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन को बढ़ावा देने की बात की गई है, मगर देश की शिक्षित व गैर-शिक्षित युवा आबादी के लिए यथार्थ में जॉब-क्रिएशन कैसे और किन-किन सेक्टर्स में होगा?

देश के इस सबसे गंभीर मसले पर भी बजट में कोई स्पष्ट रोड मैप नहीं है। रोहिणी आचार्य ने आगे लिखा-बिहार के लिए बाढ़ प्रबंधन, बाढ़ की रोक थाम, बाढ़ के पश्चात पुनर्वास की व्यवस्था एवं सिंचाई के संसाधनों के निर्माण व विकास के लिए विशेष-पैकेज दिए जाने की बेहद जरूरी व पुरानी मांग के लिए बजटीय प्रावधान का नहीं होना निराशाजनक है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पीएम मोदी और वित्त मंत्री को दिया धन्यवाद

वहीं केंद्रीय बजट 2026 पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने 2047 का भारत कैसा होगा, 3 कर्तव्य के बारे में बताया। कई योजना दी गई हैं, हाई स्पीड रेल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मछली पालन, जल मार्ग के परियोजनाओं पर चर्चा हुई।

क्या बोले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि आज के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरीकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया है। यह एक ऐसा बजट है जो विकसित भारत के लिए एक मजबूत नींव रखता है।

पाक के गैंगस्टर-आतंकी शहजाद भट्टी पर हमला

लॉरेंस बिश्नोई को दी थी जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक बड़ा दावा किया है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से गैंगस्टर रणदीप मलिक ने सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी गैंगस्टर और आतंकी शहजाद भट्टी पर हमले की जिम्मेदारी ली है। रणदीप मलिक ने एक पोस्ट के जरिए यह दावा किया कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने शहजाद भट्टी पर हमला किया। भट्टी वही शख्स है जिसने हाल ही में अनमोल बिश्नोई और लॉरेंस बिश्नोई को खुलेआम जान से मारने की धमकी दी थी। शहजाद भट्टी एक पाकिस्तानी गैंगस्टर और आतंकवादी है, जो पाकिस्तान में अपनी अपराध गतिविधियों के लिए कुख्यात है। वह खासकर गैंगवार और आतंकवादी घटनाओं में शामिल रहा है। भट्टी का नाम पहले भी कई बार भारतीय अपराधियों से जुड़ा है और उसकी गतिविधियां सीमा पार आतंकवाद से भी जुड़ी रही हैं। हाल ही में शहजाद भट्टी ने अनमोल बिश्नोई और लॉरेंस बिश्नोई को धमकी दी थी, जो दोनों गैंगस्टर अपने प्रभाव और कनेक्शनों के लिए मशहूर हैं।

भट्टी की धमकियों के कारण ही लॉरेंस गैंग ने उसको निशाना बनाया और इस हमले की जिम्मेदारी ली। पाकिस्तान में जन्मा गैंगस्टर और टेररिस्ट शहजाद भट्टी हाल-फिलहाल भारत की सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। इसका नाम पिछले साल अचानक भारत में उस समय सुर्खियों में आया था, जब कथित लॉरेंस बिश्नोई और भट्टी के बीच 'इंद मुबारकबाद' की वीडियो कॉल क्लिप वायरल हुई थी। कभी भट्टी और लॉरेंस बिश्नोई को जिगरी दोस्त कहा जाता था। भट्टी ने कहा था कि वह लॉरेंस के लिए गर्दन कटवाने को भी तैयार है। लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब लॉरेंस ने आतंकी हाफिज सईद को धमकी दी, तो भट्टी भड़क गया। पाकिस्तानी नेटवर्क का हिस्सा होने के कारण भट्टी को यह बयान नागवार गुजरा। इसके बाद, दोनों के रिश्तों में दरार बढ़ती चली गई।

यूपी के लिए बजट में एलान: काशी को दो हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की सौगात, 75 जिले में एक-एक गर्ल्स हॉस्टल का एलान

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, 'माघ पूर्णिमा और गुरु रविदास की जयंती के अवसर पर मैं यह बजट पेश कर रही हूं। बीते 12 साल के दौरान अनिश्चितताओं के बावजूद हमने स्थिर अर्थव्यवस्था को बनाए रखा है। हमने दूरगामी ढांचागत सुधार किए हैं। आत्मनिर्भरता को प्रमुख उद्देश्य बनाए रखा है। आयात पर निर्भरता को घटाया है। हमने सुनिश्चित किया है कि नागरिकों को इसका लाभ मिले, कृषि उत्पादकता बढ़े और परिवारों की क्रय शक्ति बढ़े। इन उपायों की वजहों से सात फीसदी की विकास दर हासिल हुई है। इससे गरीबी उन्मूलन और लोगों के जीवन में सुधार हासिल हो सका है।' वित्त मंत्री ने कहा- हम ऐसी बाहरी परिस्थिति का सामना कर रहे हैं जहां व्यापार और बहुपक्षवाद खतरे में है। नई प्रौद्योगिकी उत्पादन प्रणालियों को बदल रही है। भारत विकसित भारत की ओर विश्वास से भरे कदम उठाता रहेगा। भारत को वैश्विक बाजारों से एकीकृत होकर अधिक से अधिक निर्यात करना होगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में लोगों का साथ खड़े रहने के लिए आभार। हमारा लक्ष्य विकास का लाभ सभी वंचित वर्गों और महिलाओं तक सुनिश्चित करना है। इस दौरान वित्त मंत्री ने बड़ा एलान किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान कहा किश में छह हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें मुंबई पुणे, पुणे हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद चेन्नई, चेन्नई बंगलूरू, दिल्ली वाराणसी और वाराणसी सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर शामिल है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, पर्यावरण के लिहाज़ से टिकाऊ पैसेंजर सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए, हम शहरों के बीच ग्रोथ कनेक्टर के तौर पर 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाएंगे। मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बेंगलुरु, हैदराबाद से चेन्नई, चेन्नई से बेंगलुरु, दिल्ली से वाराणसी, वाराणसी से सिलीगुड़ी।

पांच वर्ष में 20 नए जल मार्ग शुरू होंगे- वित्त मंत्री

अपने बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि पांच वर्ष में 20 नए जल मार्ग शुरू होंगे। वाराणसी और पटना में जहाज मरम्मत सुविधा स्थापित होगी। समुद्री विमान वीजीएफ योजना की शुरुआत होगी।

जिला अस्पतालों की क्षमता 50 प्रतिशत बढ़ाई जाएगी। सभी जिलों में इमरजेंसी और ट्रामा सेंटर खुलेंगे।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में एक-एक गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा।

5 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर को 12.2 लाख करोड़ से डेवलप किया जाएगा।

इस कैटेगरी में लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर समेत 25 शहर आएंगे। छोटे तीर्थ स्थलों को भी विकसित किया जाएगा।

केंद्र ने सेमीकंडक्टर 2.0 की शुरुआत की है। नोएडा में सेमीकंडक्टर पार्क बन रहा है। प्रदेश को इसका फायदा होगा। एक्सपर्ट का कहना है कि नोएडा में हजारों रोजगार के अवसर विकसित होंगे।

पुणे में पकड़े गए आरोपी, कुख्यात गैंग से जुड़े तार; रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले की जांच तेज

मुंबई, 1 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई के जुहू इलाके में फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की घटना सामने आई है। जिस समय यह फायरिंग हुई, उस वक्त रोहित शेट्टी घर के अंदर ही मौजूद थे। घटना के बाद जुहू पुलिस मौके पर पहुंच गई है। गनीमत रही कि फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार प्राथमिक जांच में सामने आया है कि फायरिंग करने वाला आरोपी केवल एक ही था। पुलिस ने इस मामले में रोहित शेट्टी का बयान भी दर्ज किया है। इसके बाद पुणे पुलिस ने भी चार आरोपियों को इसी मामले में पकड़ा है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा आरोपी

पुलिस ने घटना के बाद इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें आरोपी चलते हुए फायरिंग करता नजर आ रहा है। क्राइम ब्रांच के सूत्रों का कहना है कि इस मामले में गैंगस्टर लिंक की आशंका को भी ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस हर पहलू से मामले की तफ्तीश कर रही है।

पुणे में पकड़े गए कथित आरोपी

बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले में अब पुणे पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। पुणे के वारजे और कर्वेनगर इलाके से चार आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चारों आरोपी देश की एक कुख्यात गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं। पुणे पुलिस इन चारों आरोपियों को आगे की जांच के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपने वाली है।

'अगली बार गोली छाती पर'

किसने ली रोहित शेट्टी फायरिंग मामले की जिम्मेदारी? कहा- बाबा सिद्दीकी जैसा हाल होगा

शनिवार देर रात डायरेक्टर रोहित शेट्टी के मुंबई के जूहू स्थिति घर के बाहर फायरिंग हुई। इस मामले की जांच में काफी तेजी है। कुछ आरोपियों को इस मामले में पकड़ा भी गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के सूत्रों का कहना है कि रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले में गैंगस्टर लिंक को भी खंगाला जा रहा है। इसी बीच एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई,

जिसमें रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली गई है। यह जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक कथित सदस्य ने ली है। यह व्यक्ति दावा कर रहा है कि उसने ही रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की है।

हमले की जिम्मेदारी लेते हुए रोहित शेट्टी को दी चेतावनी

सोशल मीडिया पर शुभम लोंकर आरजू बिश्नोई नाम के एक व्यक्ति ने रोहित शेट्टी फायरिंग मामले की जिम्मेदारी ली है। वह अपनी पोस्ट में लिखता है, 'भाईयों, आज मुंबई में (शेट्टी टॉवर) डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर जो फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी शुभम लोंकर आरजू बिश्नोई लेता है।' आगे वह अपनी पोस्ट में धमकी देते हुए लिखता है, 'हमने इसको बहुत बार मैसेज किया कि हमारे काम में दखल ना दे लेकिन इसको समझ नहीं आया। यह छोटा सा ट्रेलर है। इसको अगर आगे हमारी बात समझ नहीं आई तो घर के बाहर नहीं, इसके बेडरूम के अंदर गोली चलेगी, इसकी छाती पर। आगे पूरे बॉलीवुड को चेतावनी है।'

रूस ने क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों को बताया 'अस्वीकार्य', कहा- यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुला उल्लंघन

मॉस्को, 1 फरवरी (एजेंसियां)। रूस ने क्यूबा पर अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधात्मक कदमों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुला उल्लंघन बताया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि संप्रभु और स्वतंत्र देशों के खिलाफ एकतरफा प्रतिबंध "पूरी तरह अस्वीकार्य" हैं। ज़खारोवा ने यह प्रतिक्रिया अमेरिका के उस कार्यकारी आदेश पर दी, जिसमें क्यूबा को तेल बेचने या उपलब्ध कराने वाले देशों पर अमेरिकी बाजार में आने वाले सामानों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा कि यह कदम वाशिंगटन की क्यूबा के खिलाफ वर्षों पुरानी "अधिकतम दबाव" नीति का ही हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कैरेबियाई देश को आर्थिक रूप से घुटनों पर लाना है।

'वेनेजुएला का तेल खरीदेगा भारत', डोनाल्ड ट्रंप का बयान

बोले-समझौते की रूपरेखा तैयार

वॉशिंगटन, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। अमेरिकी की पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर लिए गए एक्शन के बाद वेनेजुएला की भारत से यह पहली वार्ता की। अब इस कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल खरीद पर भारत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही तेल खरीदने के लिए एक समझौता कर चुका है।

तेल खरीद पर भारत को लेकर ट्रंप का बयान

डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि भारत ईरान से कच्चा तेल खरीदने के बजाए वेनेजुएला से तेल आयात करेगा। फ्लोरिडा जाते समय एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाए वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वे आ रहे हैं, हमने पहले ही उस समझौते पर सहमति बना ली है, समझौते की अवधारणा तैयार कर ली है।' फिलहाल भारत की ओर से अभी ट्रंप की टिप्पकी पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत

उन्होंने आगे कहा, 'हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वह ईरान से तेल खरीदने के बजाए वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। हमने पहले ही समझौता कर लिया है। भारत इसमें शामिल हो रहा है और वे आ रहे हैं, हमने पहले ही उस समझौते पर सहमति बना ली है, समझौते की अवधारणा तैयार कर ली है।' फिलहाल भारत की ओर से अभी ट्रंप की टिप्पकी पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

चीन को भी डील के लिए बुलाया

इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला का तेल खरीदने के लिए चीन से भी तेल खरीदने की अपील की। उन्होंने कहा कि चीन का स्वागत है, वे आएं और तेल पर एक शानदार डील करें। हमने पहले ही एक डील (भारत से) कर ली है। बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने बताया था कि वेनेजुएला ने वॉशिंगटन को 52 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है, और उन्होंने उस सौदे पर सहमति जताई है।

ट्रंप के बयान पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

इधर, ट्रंप के भारत के वेनेजुएला से तेल खरीदने के बयान पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने केंद्र को घेरते हुए कहा कि अमेरिकी नेता हमारी अपनी सरकार ने जो किया है या करने वाली है, उसके बारे में जानकारी देना जारी रखे हुए हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर ट्रंप की टिप्पणियों का ऑडियो साझा किया और कहा, 'उन्होंने (ट्रंप ने) हमें बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया गया है। उन्होंने हमें बताया था कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। और अब यह।' रमेश ने एक्स पर कहा, राष्ट्रपति ट्रंप हमें लगातार इस बात की जानकारी दे रहे हैं कि हमारी अपनी सरकार ने क्या किया है या क्या करने वाली है।'

डेल्सी रोड्रिग्ज की पीएम मोदी से वार्ता

बता दें कि शुक्रवार (30 जनवरी) को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर वार्ता की। जिसमें दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी मजबूत करने पर चर्चा हुई। एक्स पोस्ट में पीएम मोदी ने बताया कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से बात हुई। हमने सभी क्षेत्रों में अपनी द्विपक्षीय साझेदारी को और गहरा करने व विस्तार देने पर सहमति जताई है, ताकि आने वाले वर्षों में भारत-वेनेजुएला संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके।

2025 में साढ़े 7 लाख से अधिक पाकिस्तानियों ने छोड़ा देश

इस्लामाबाद, 1 फरवरी (एजेंसियां)। 2025 में 7.6 लाख से अधिक पाकिस्तानियों ने रोजगार की तलाश में देश छोड़ दिया। यह आंकड़ा देश में बढ़ते आर्थिक दबाव और नौकरी के अवसरों की कमी को उजागर करता है। यह जानकारी पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय की मंथली इकोनॉमिक अपडेट एंड आउटलुक (जनवरी 2026) रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार एफडीआई और समग्र आर्थिक वृद्धि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रदर्शन कमजोर रहा। इसके विपरीत विदेश से आने वाला धन (रेमिटेंस) ही अर्थव्यवस्था का एकमात्र मजबूत सहारा बनकर उभरा है। बिज़नेस रिकॉर्डर की रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में रेमिटेंस बढ़कर 19.7 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.6 प्रतिशत अधिक है। यह राशि एफडीआई से 23 गुना अधिक रही और इसी अवधि में निर्यात आय से 4.2 अरब डॉलर ज्यादा थी।

ट्रंप के बदल गए तेवर, अब बोले- 'ईरान कर रहा है बातचीत, देखेंगे हम क्या कर सकते हैं'

वॉशिंगटन, 1 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान को बार-बार धमकी देने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। हाल ही में फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान हमसे बात कर रहा है।।। देखते हैं हम क्या कर सकते हैं, नहीं तो देखेंगे क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि ईरान नेगोशिएट कर रहा है और अमेरिका एक बड़ा फ्लीट भी भेज रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब पिछले कुछ हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर था, जिसमें सैन्य हमले की धमकियां और खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की भारी तैनाती शामिल थी। ट्रंप ने पहले ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं हुआ तो 'समय खत्म हो रहा है' और अगला हमला पिछले साल जून में हुए हमलों से कहीं ज्यादा विनाशकारी होगा। उन्होंने ईरान से 2 मुख्य मांगें रखी थीं पहली परमाणु हथियार कार्यक्रम को बंद करना और उसकी निगरानी दूसरी विरोध प्रदर्शनों में लोगों की हत्या बंद हो। ईरान में दिसंबर 2025 से शुरू हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों के दौरान हजारों मौतों की खबरें आई थीं, जिसके बाद ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया था। अमेरिका ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन को मध्य पूर्व में तैनात किया है। ईरान की ओर से भी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा है कि अगर नेगोशिएशन फेयर और इक्विटेबल हों तो ईरान तैयार है।

उन्होंने डिप्लोमेसी को ही रास्ता बताया, हालांकि ईरान ने अमेरिकी धमकियों के खिलाफ अपनी डिफेंसिव तैयारियां भी तेज की हैं।वैसे देखा जाए तो ट्रंप के तेवर में बदलाव कई वजहों से हो सकता है। एक ओर क्षेत्रीय देश जैसे तुर्की, मिस्र, पाकिस्तान और गल्फ राष्ट्र डिप्लोमेटिक प्रयास कर रहे हैं ताकि संघर्ष को टाला जा सके। दूसरी ओर, ईरान में आर्थिक संकट और विरोध प्रदर्शनों के दबाव ने तेहरान को मजबूर किया हो कि वह कुछ समझौते की तरफ बढ़े।

अमेरिका में इमिग्रेशन अधिकारियों को लगा झटका जज ने 5 साल के बच्चे को रिहा करने का आदेश दिया

वॉशिंगटन, 1 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इमिग्रेशन अधिकारियों ने पिता को पकड़ने के लिए उसके 5 साल के बेटे को चारे की तरह इस्तेमाल किया था। मामला कोर्ट में पहुंचा तो जज ने सख्त रुख दिखाते हुए आदेश दिया कि 5 साल के लड़के लियाम कोनेजो रामोस और उसके पिता एड्रियन कोनेजो एरियस को मंगलवार (3 फरवरी 2026) तक टेक्सास के डिले इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर से रिहा कर दिया जाए। कोर्ट का यह फैसला ट्रंप प्रशासन की इमिग्रेशन नीतियों के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

बांग्लादेश में सुबह-सुबह आया भूकंप 20 किमी गहराई में था केंद्र, कांप गई धरती

ढाका, 1 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में रविवार सुबह करीब 4 बजे भूकंप से धरती कांप गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप जमीन से 20 किलोमीटर की गहराई पर आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.0 थी। भूकंप का केंद्र 24.85 उत्तर अक्षांश और 92.07 पूर्व देशांतर पर था। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '3.0 तीव्रता का भूकंप, तारीखः 01/02/2026, समयः 04:02:32 आईएसटी, अक्षांशः 24.85 एन, देशांतरः 92.07 ई, गहराईः 20 किमी, जगहः बांग्लादेश।'

बता दें कि बांग्लादेश में भूकंप का खतरा बहुत ज्यादा है क्योंकि यह 3 सक्रिय टेक्टॉनिक प्लेट फॉल्ट्स के साथ जुड़ा हुआ है। विशेषज्ञों ने हाल ही में चेतावनी दी है कि यहां बड़े भूकंप आने का जोखिम है। बांग्लादेश 3 टेक्टॉनिक प्लेटों के बीच में है जिनमें भारतीय प्लेट, यूरेशियन प्लेट और बर्मा प्लेट शामिल हैं। भारतीय प्लेट हर साल करीब 6 सेंटीमीटर उत्तर-पूर्व की तरफ बढ़ती है, जबकि यूरेशियन प्लेट इसके ऊपर से 2 सेंटीमीटर उत्तर की तरफ जाती है। इस देश की स्थिति कई बड़े फॉल्ट लाइनों के पास है, जैसे बोगुरा फॉल्ट, त्रिपुरा फॉल्ट, शिलांग पठार, दौकी फॉल्ट और असम फॉल्ट।

बता दें कि बांग्लादेश की राजधानी ढाका दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले शहरों में से एक है, जहां प्रति वर्ग किलोमीटर 30 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। यह दुनिया के 20 सबसे भूकंप-संवेदनशील शहरों में शामिल है। इससे पहले, शनिवार को भारत के एक और पड़ोसी देश अफगानिस्तान में 4.0 की तीव्रता का भूकंप आया था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह भूकंप सुबह करीब 3:28 बजे आया और जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई पर था। हालांकि भूकंप की इन दोनों घटनाओं में किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

इंडोनेशिया में शादी से पहले संबंध बनाने पर 140 कोड़े की सजा

जकार्ता, 1 फरवरी (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के आचे प्रांत में शरिया कानून तोड़ने पर एक अविवाहित जोड़े को सबके सामने 140 कोड़े मारे गए। दोनों पर शादी से पहले संबंध बनाने और शराब पीने का आरोप था। रिपोर्ट के मुताबिक, सजा के दौरान युवती बेहोश हो गई। तीन महिला अधिकारियों ने बारी-बारी से उसे छड़ी से मारा। हालत बिगड़ने पर उसे एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। इस पब्लिक सजा में कुल 6 लोगों को कोड़े लगाए गए। कानून तोड़ने वालों में शरीया पुलिस का एक अधिकारी और उसकी महिला साथी भी शामिल थे। दोनों को प्राइवेट में साथ पाए जाने के आरोप में 23-23 कोड़े मारे गए। आचे की इस्लामिक पुलिस ने बताया कि अधिकारी को नौकरी से भी निकाला जाएगा। आचे इंडोनेशिया का इकलौता प्रांत है, जहां शरीया कानून लागू है। यहां अविवाहित संबंध पर 100 और शराब पीने पर 40 कोड़े का प्रावधान है। मानवाधिकार संगठन कोनत्रास ने इसे क्रूर बताते हुए नियमों में सुधार की मांग की है। अमेरिका में एक फेडरल कोर्ट ने 5 साल के बच्चे लियाम कोनेहो रामोस और उसके पिता एड्रियन को इमिग्रेशन डिटेंशन से रिहा करने का आदेश दिया है। दोनों को टेक्सास के साउथ टेक्सास फैमिली रेजिडेंशियल सेंटर में रखा गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जज ने आदेश दिया कि बच्चे और उसके पिता को जितनी जल्दी संभव हो रिहा किया जाए और किसी भी हाल में मंगलवार तक छोड़ दिया जाए। लियाम और उसके पिता को पिछले हफ्ते मिनेसोटा के मिनियापोलिस में उनके घर के बाहर से इमिग्रेशन एजेंट्स ने हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें करीब 1300 मील दूर टेक्सास के डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया।

चीन ने दिखाया दुनिया का पहला छठी पीढ़ी का फाइटर जेट, क्या यह अमेरिका के एफ-35 से ज्यादा खतरनाक?

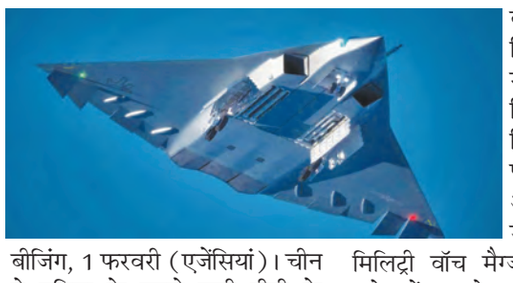

बीजिंग, 1 फरवरी (एजेंसियां)। चीन ने दुनिया के पहले छठी पीढ़ी के फाइटर जेट की तस्वीर सार्वजनिक कर दी है। यह जेट बेहद आधुनिक, बड़ा और ताकतवर माना जा रहा है। इसे चीन की कंपनी चेंगदू एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन विकसित कर रही है। जारी की गई तस्वीर में यह जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है। इस विमान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें तीन इंजन लगे हैं। बीच वाला इंजन बाकी दो इंजनों से बड़ा है, जिससे इसे ज्यादा ताकत, स्पीड और लंबी रेंज मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिजाइन दुनिया के किसी भी मौजूदा फाइटर जेट से अलग और बेहद उन्नत है।

मिलिट्री वॉच मैग्जीन के अनुसार, यूरोप में इस जेट को जे-36 या जे-एक्सएक्स कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि इसका कॉन्फिग्रेशन बेहद एडवांस होगा। इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे खतरनाक फाइटर जेट बताया जा रहा है। इसकी अनुमानित रेंज लगभग 8,000 किलोमीटर हो सकती है। यह बिना रीफ्यूलिंग के 4,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक टारगेट पर हमला कर सकता है। प्रशांत महासागर के ऊपर लंबी दूरी की मिशन उड़ानों के लिए यह बेहद उपयोगी हो सकता है। नई तस्वीर में इसमें ट्विन मेन लैंडिंग गियर (दो मुख्य पहिया सेट) दिख रहे हैं, जो इसके बड़े आकार और भारी वजन की ओर इशारा करते हैं।

यह विमान उन चार प्रोटोटाइप में से एक है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने उड़ान परीक्षण (फ्लाइट टेस्टिंग) शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह का एडवांस्ड एडेप्टिव इंजन पहले अमेरिका अपने एफ-35 फाइटर जेट को अपग्रेड करने के लिए बना रहा था, जिसे एडेप्टिव इंजन ट्रांजिशन प्रोग्राम (एईटीपी) कहा जाता था।

लेकिन लागत बहुत ज्यादा होने के कारण अमेरिका ने इसे रद्द कर दिया। चीन ने इसी तरह की तकनीक को अपनाकर अपने नए जेट में इस्तेमाल किया है। इसमें एडेप्टिव साइकिल इंजन होने की उम्मीद है, जो अलग-अलग उड़ान स्थितियों में ज्यादा कुशलता से काम करता है।

चीन ने नेपाल को दिया गच्चा, चुनाव नजदीक लेकिन संसद भवन ही नहीं तैयार, कहां से चलेगी सरकार

बीजिंग काठमांडू, 1 फरवरी (एजेंसियां)। 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव और उसके पखवाड़े भर में नतीजे आने की संभावना के बीच नेपाल पर अपने नए संसद भवन का निर्माण समय पर पूरा करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण के लिए भवन तैयार करना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, संविधान के तहत प्रतिनिधि सभा के चुनाव परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर संसद सत्र बुलाना अनिवार्य है। ऐसे में समय पर भवन उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। बीते एक दशक से संसद एक किराए के भवन में संचालित हो रही थी। इसके बाद सरकार ने 2019 में स्थायी संसद भवन और उससे जुड़ी सुविधाओं के निर्माण की शुरुआत की। उसी वर्ष सितंबर में 12 इमारतों की आधारशिला रखी गई थी और इसे तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, इस परियोजना का ठेका चीन की सेकेंड हार्बर इंजीनियरिंग कंपनी और नेपाल की टुंडी कंस्ट्रक्शन के संयुक्त उपक्रम को दिया गया था। हालांकि, पिछले तीन वर्षों में पांचवीं बार समय-सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। इससे पहले, 1959 के पहले आम चुनाव से लेकर 2006 में संसद की बहाली तक काठमांडू के सिंह दरबार परिसर स्थित गैलरी बैठक में ही संसद संचालित होती रही। दूसरे जन आंदोलन के बाद बहाल हुई संसद, जिसमें पहली बार माओवादी प्रतिनिधि भी शामिल हुए, ने भी इसी भवन से कामकाज किया। नेपाल का यह आंदोलन जन आंदोलन-आईआई के नाम से जाना जाता है, जो तत्कालीन राजा ज्ञानेंद्र के प्रत्यक्ष शासन के खिलाफ हुआ था। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों और माओवादी विद्रोहियों ने मिलकर संसद की बहाली और लोकतांत्रिक सुधारों की मांग की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि के सदस्यों की संख्या बढ़ने के बाद गैलरी बैठक में जगह कम पड़ने लगी।

पूर्वी कांगो में बहुत बड़ा हादसा

कोल्टन खदान ढहने से कम से कम 200 लोगों की मौत

कांगो, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्वी कांगो के उत्तरी किवू प्रांत में आज बहुत बड़ा और दिल दहला देने वाला हादसा हुआ है। यहां रुबाया कोल्टन (कोलंबाइट-टैंटलाइट) खनन क्षेत्र में भूस्खलन से कई खदानें ढह गईं, जिसमें कम से कम 200 लोग मारे गए। मरने वालों की संख्या अभी और अधिक बढ़ने की आशंका है। एम23 विद्रोही समूह द्वारा नियुक्त गवर्नर के प्रवक्ता लुमुम्बा कंबेरे मुयिसा ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि घटना बुधवार (28 जनवरी) को भारी बारिश के कारण हुई। मुयिसा ने कहा, "फिलहाल 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से कुछ अभी भी कीचड़ में फंसे हैं और निकाले नहीं जा सके।" पीड़ितों में खनन मजदूर, बच्चे और बाजार में काम करने वाली महिलाएं शामिल हैं। कुछ लोगों को समय पर बचाया गया, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हैं।

लगभग 20 घायलों का इलाज स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में चल रहा है, और रविवार को उन्हें एंबुलेंस से निकटतम शहर गोमा ले जाया जाएगा। एक गवर्नर सलाहकार ने नाम न छापने की शर्त पर मौतों की संख्या कम से कम 227 बताई। बता दें कि रुबाया खदानें एम23 विद्रोहियों के नियंत्रण में हैं, जो अप्रैल 2024 से इस क्षेत्र पर कब्जा जमाए हुए हैं। यह क्षेत्र विश्व के कोल्टन का लगभग 15% उत्पादन करता है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उन्नत तकनीक में इस्तेमाल होने वाले टैंटलम के लिए महत्वपूर्ण है। खदानें छोटे पैमाने की हैं, जहां मजदूर हाथ से खनन करते हैं और कुछ डॉलर रोजाना कमाते हैं।

एम23 द्वारा नियुक्त गवर्नर ने घटनास्थल पर छोटे पैमाने के खनन पर अस्थायी रोक लगा दी है और खदान के पास झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले निवासियों को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है कि पूर्वी कांगो दशकों से हिंसा का शिकार है, जहां सरकारी बलों, रवांडा समर्थित एम23 और अन्य सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष जारी है। क्षेत्र खनिज-समृद्ध है, लेकिन सुरक्षा की कमी और बारिश के मौसम में भूस्खलन जैसी आपदाएं आम हैं। यह त्रासदी मानवीय संकट को और गहरा करती है, जहां खनन मजदूरों की सुरक्षा उपेक्षित रहती है।

बांग्लादेश में महिलाओं का क्या हाल? चुनाव में कितनी महिला उम्मीदवार

ढाका, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में पहली बार 12 फरवरी को आम चुनाव है। जुलाई चार्टर पर रेफरेंडम भी उसी दिन होगा। चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार शुरू कर दिया है। चुनाव के दौरान अल्पसंख्यकों पर हमले और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस चुनाव में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों और निर्दलीय 1,981 उम्मीवार चुनावी मैदान में हैं, लेकिन, उनमें से सिर्फ 78 महिलाएं हैं। यदि प्रतिशत के हिसाब से देखें तो कुल महिला उम्मीदवार का प्रतिशत सिर्फ 3.93 हैं। इन 78 महिलाओं में से 61 महिलाओं को 30 राजनीतिक पार्टियों उतारा है, बाकी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। लेकिन, उनमें से कई महिलाएं राजनीतिक परिवारों से हैं। कुछ के परिवार राजनीति में हैं, लेकिन चुनाव इतनी कम महिला उम्मीदवार होने पर सवाल उठ रहे हैं। सिर्फ महिलाएं ही नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या भी बहुत ज्यादा नहीं है।

बांग्लादेश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। इस हिसाब से, चुनाव

लड़ने वालों की संख्या बहुत कम है। कई लोगों के मुताबिक, डेढ़ साल पहले भी, जिस देश में एक महिला प्रधानमंत्री (शेख हसीना) थीं, वहां राजनीति या चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चुनाव में जेंडर भेदभाव की तस्वीर साफ है। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि यह न केवल पुरुष-प्रधान है, बल्कि बांग्लादेशी राजनीति में परिवारवाद का असर भी काफी है। 61 महिला उम्मीदवारों में से एक-तिहाई राजनीतिक परिवारों से हैं। कई लोगों के मुताबिक, उनमें से कई महिला उम्मीदवार चुनावों में अच्छा कर सकती हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश के चुनाव आयोग की पूर्व सदस्य जैस्मीन टुली ने कहा, "राजनीतिक क्षेत्र में जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष तक लड़ने वाली महिलाओं की संख्या कम है। बांग्लादेश में मध्यम-वर्गीय परिवार महिलाओं को राजनीति में आने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

इन पार्टियों ने एक भी महिला को नहीं बनाया उम्मीदवार

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश इस्लामिक फ्रंट और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) समेत कई राजनीतिक पार्टियों ने कोई महिला उम्मीदवार नहीं दिया है। बीएनपी और बांग्लादेश समाजवादी दल (मार्क्सिस्ट) ने 10-10 महिला उम्मीदवार उतारे हैं। हालांकि, ये सभी 10 किसी बीएनपी नेता के परिवार की सदस्य हैं। जातीय पार्टी ने आने वाले चुनावों में छह महिला उम्मीदवार उतारे हैं। दूसरी ओर, बांग्लादेश चुनावों में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के कुल 80 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ बांग्लादेश (सीपीबी) ने पॉलिटिकल पार्टियों में सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक उम्मीदवार उतारे हैं।

चुनाव से पहले अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर चिंता

17 अल्पसंख्यक उम्मीदवार उनके सिंबल पर चुनाव लड़ रहे हैं। 80 अल्पसंख्यक उम्मीदवारों में से 10 महिलाएं हैं। हाल में बांग्लादेश में यूनुस सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मद्देनजर अल्पसंख्यक समुदाय ने आशंका जताई है कि जिस तरह से उनके खिलाफ बयानबाजी किये जा रहे हैं। उससे उनमें भय और डर पैदा हुआ है। ऐसे में वे लोग मतदान केंद्र तक जा पाएंगे या नहीं। इसे लेकर संदेह है। इसी तरह से अमेरिका ने भी बांग्लादेश में रहने वाले नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया है और आशंका जताई है कि चुनाव के दौरान हिंसा हो सकती है और कट्टरपंथी हमले कर सकते हैं। इस बाबत अमेरिका की ओर से एक गाइडलाइन भी जारी की गयी है।

क्या आप जानते हैं राम जी का पूरा नाम क्या है?

भगवान श्री राम को हम अनेक नामों से जानते हैं, लेकिन उनके 'पूरे नाम' और उनके नाम के पीछे छिपे अर्थ की गहराई को समझना वास्तव में भारतीय संस्कृति और दर्शन को समझना है. वाल्मीकि रामायण और अन्य पुराणों के अनुसार, उनके नाम की महिमा उनके व्यक्तित्व की तरह ही अनंत है. आइए जानते हैं इस बारे में और विस्तार से...

1. मुख्य नामः श्री रामचन्द्र-
भगवान राम का पूरा और औपचारिक नाम 'श्री रामचन्द्र' है.
'राम' शब्द की उत्पत्ति 'रमु क्रीडायाम्' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है "वह जो पूरी सृष्टि के कण-कण में रमता है" या "जिसमें योगी जन रमण करते हैं."
'चन्द्र' शब्द उनके मुख की सौम्यता और शीतलता को दर्शाता है. कहा जाता है कि जब उनका जन्म हुआ, तो उनका मुख चन्द्रमा के समान अत्यंत सुंदर और शांत था, इसलिए उनके नाम के पीछे 'चन्द्र' शब्द जुड़ गया.

2. उपनाम और वंश के आधार पर नाम-
प्राचीन परंपरा के अनुसार, व्यक्ति का नाम उसके कुल और वंश से भी जुड़ा होता है। इस दृष्टि से उनके कुछ अन्य 'पूरे नाम' इस प्रकार हैं-
राघव : राजा रघु के वंशज होने के कारण उन्हें 'राघव' कहा जाता है.
दाशरथिः महाराज दशरथ के पुत्र होने के नाते उन्हें 'दाशरथि राम' भी कहा जाता है.
रघुनन्दन : रघु कुल को आनंदित करने वाले.

3. 'श्री' का महत्व-
राम के नाम के आगे 'श्री' लगाना केवल सम्मान का प्रतीक नहीं है. 'श्री' का अर्थ होता है शक्ति और लक्ष्मी. माता सीता को साक्षात लक्ष्मी (श्री) का स्वरूप माना गया है. इसलिए जब हम 'श्री राम' कहते हैं, तो हम 'सीता-राम' दोनों का आवाहन एक साथ करते हैं. शक्ति के बिना शिव और श्री के बिना राम अधूरे माने जाते हैं.

4. मर्यादा पुरुषोत्तमः एक उपाधि-
राम का पूरा नाम अक्सर 'मर्यादा पुरुषोत्तम राम' के रूप में लिया जाता है. यह नाम नहीं, बल्कि एक उपाधि है जो उन्हें दुनिया का सबसे श्रेष्ठ पुरुष (पुरुषोत्तम) और नियमों व सीमाओं (मर्यादा) का पालन करने वाला बनाती है। उन्होंने अपने जीवन के हर चरण में एक आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति और आदर्श राजा की मर्यादा स्थापित की.

5. राम नाम का आध्यात्मिक रहस्य-
तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में कहा है कि राम का नाम स्वयं राम से भी बड़ा है.
'र' अक्षर अग्नि का बीज मंत्र है, जो कर्मों को जलाता है.
'आ' की मात्रा सूर्य का प्रतीक है, जो अज्ञान के अंधेरे को मिटाती है.
'म' अक्षर चन्द्रमा का प्रतीक है, जो शांति प्रदान करता है.

कुंडली मिलान के बाद भी क्यों बिगड़ जाता है वैवाहिक जीवन?

अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि जब शादी से पहले कुंडली अच्छे से मिलाई गई, गुण भी पूरे हुए और कोई बड़ा दोष नहीं था, तो फिर तलाक या अलगाव की स्थिति क्यों बन गई? ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, केवल गुण मिलान ही दांपत्य जीवन की गारंटी नहीं होता। विवाह के बाद चलने वाली ग्रह दशा, भावों की स्थिति और ग्रहों का आपसी संबंध भी रिश्ते पर गहरा प्रभाव डालता है।

ज्योतिष में तलाक योग का क्या अर्थ है?
तलाक योग का मतलब यह नहीं है कि विवाह का टूटना तय है।
इसका अर्थ केवल इतना है कि:
रिश्ते में तनाव की संभावना अधिक रहती है
मानसिक असंतोष और दूरी बन सकती है
सही समय पर समझदारी न दिखाई जाए तो हालात बिगड़ सकते हैं
शास्त्र यह मानते हैं कि ग्रह संकेत देते हैं, निर्णय इंसान के हाथ में होता है।

कुंडली के कौन से ग्रह तलाक योग बना सकते हैं?
लग्नेश, सप्तमेश और चंद्रमा की कमजोर स्थिति
लग्नेश व्यक्ति को, सप्तमेश जीवनसाथी को और चंद्रमा मन को दर्शाता है। अगर ये तीनों ग्रह आपस में कमजोर या विपरीत भावों में हों, तोः

विचारों में तालमेल नहीं रहता
छोटी-छोटी बातों पर तनाव बढ़ता है
भावनात्मक जुड़ाव कमजोर हो जाता है

सप्तम भाव का छठे या बारहवें भाव से संबंध
ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार, यदि सप्तम भाव या उसका स्वामी छठे भाव (झगड़ा, विवाद) या बारहवें भाव (दूरी, अलगाव) में चला जाए, तो वैवाहिक जीवन में संघर्ष, कोर्ट-कचहरी और अलगाव की स्थिति बन सकती है।

सातवें भाव में सूर्य, राहु या शनि
यदि कुंडली के सातवें भाव में सूर्य (अहंकार), राहु (भ्रम और गलतफहमी), शनि (कठोरता और दूरी) स्थित हों और शुक्र कमजोर हो, तो दांपत्य जीवन प्रभावित होता है। खासतौर पर जब शुक्र का संबंध बारहवें भाव से बनता है, तब भावनात्मक दूरी बढ़ती है।

सप्तमेश और बारहवें भाव का आपसी संबंध
जब सप्तम भाव का स्वामी और बारहवें भाव का स्वामी आपस में राशि या दृष्टि संबंध बनाते हैं, तो खर्च बढ़ता है, आपसी दूरी आती है, एक-दूसरे से अलग रहने की स्थिति बन सकती है। इसे भी तलाक योग का संकेत माना जाता है।

चतुर्थ भाव पर पाप ग्रहों का प्रभाव
चतुर्थ भाव घर, सुख और मानसिक शांति का कारक होता है। यदि इस भाव पर राहु, शनि या मंगल का प्रभाव हो, तो घर का माहौल अशांत रहता है, पति-पत्नी के बीच तनाव बना रहता है, वैवाहिक जीवन टूटने की कगार पर पहुंच सकता है।

शुक्र का कमजोर या पीड़ित होना
शुक्र प्रेम और वैवाहिक सुख का मुख्य ग्रह है। अगर शुक्र नीच राशि में हो छठे, आठवें या बारहवें भाव में पाप ग्रहों से पीड़ित हो तो रिश्तों में ठंडापन और अलगाव की स्थिति बन सकती है।

क्या तलाक होना निश्चित होता है?
नहीं, ज्योतिष शास्त्र यह नहीं कहता कि ग्रह सब कुछ तय कर देते हैं। वे केवल संभावनाएं बताते हैं। समय रहते अगर संवाद बनाए रखा जाए, अहंकार से बचा जाए, सही ज्योतिषीय और व्यवहारिक उपाय किए जाएं, तो कई रिश्ते टूटने से बच सकते हैं।
कुंडली मिलान के बाद भी तलाक होना इस बात का संकेत है कि विवाह के बाद की ग्रह दशाएं उतनी ही महत्वपूर्ण होती हैं। तलाक योग चेतावनी देता है, फैसला नहीं सुनाता। सही समझ, धैर्य और समय पर उठाए गए कदम दांपत्य जीवन को संभाल सकते हैं।

अब्राहम लिंकन ने अपने पूर्वजों के बारे में जानने पर कही ये बातें

अब्राहम लिंकन का पूरा जीवन प्रेरणादायक है। लिंकन को जीवन में कुछ भी आसानी से नहीं मिला है और उसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत भी की है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक किस्सा मिलता है, जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिए गए थे और फिर लोगों ने उनके पूर्वजों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया....

घटना तब की है जब अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर चुने गए थे। उनके इस सर्वोच्च पद पर आते ही लोगों ने उनके पूर्वजों तक के बारे में खंगालना आरंभ कर दिया था। जब यह बात लिंकन को पता चली तो उन्होंने सभी से करबद्ध निवेदन करते हुए कहा, 'यदि आप मेरे विगत जीवन को केवल इसलिए खंगालने का प्रयत्न कर रहे हैं कि मैं अब राष्ट्रपति हूं तो यह मूर्खता के अलावा कुछ नहीं है। राष्ट्रपति तो मैं अब बना हूं, इसलिए कृपया आप मेरे पुराने जीवन के प्रसंगों को खोज-खोजकर उनमें से महानता ढूंढने का प्रयास न करें।'

अपनी जिम्मेदारियों की ओर इशारा करते हुए लिंकन ने कहा, 'मेरा सारा ध्यान अब इस बात पर है कि मैं अपने पद पर रहते हुए ऐसा क्या खास करूं कि अमेरिका पूरे विश्व में एक महान और विकसित राष्ट्र के रूप में समृद्ध हो। यदि मैं अपने देश के लिए कल्याण के कार्य करुंगा तो किसी को भी मेरी महानता बताने के प्रयास नहीं करने पड़ेंगे। मैं चाहता हूं कि मुझे इन बातों से कतई न पहचाना जाए कि मैं गरीब था, मेहनती था, बल्कि इन बातों से पहचाना जाए कि मैंने अपने राष्ट्र के लिए ऐसे कार्य किए जिनसे एक नए युग का सूत्रपात हुआ। मैं चाहता हूं कि आप और हम मिलकर एक ऐसे देश का निर्माण करें जहां पर हर वर्ग समान हो, जहां पर किसी को व्यर्थ ही सताया न जाए।'

उनकी ऐसी बातों पर वहां उपस्थित लोग देर तक तालियां बजाते रहे। किसी व्यक्ति ने वहां ऊंचे स्वर में कहा, 'देखना, राष्ट्रपति महोदय की यही बातें एक दिन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध होंगी और प्रत्येक व्यक्ति के अंदर प्रेरणा भरेंगी।' उस व्यक्ति की बातें सत्य साबित हुईं। आज लिंकन के कार्य और शब्द प्रत्येक व्यक्ति को असफलता के क्षणों में नवजीवन प्रदान करते हैं।

गलत दिशा में सोना बन सकती है मुसीबत

अच्छी नींद के लिए अपनाएं ये वास्तु नियम

अगर रात में आपको ठीक से नींद नहीं आती, बार-बार नींद बीच में ही टूट जाती है, सोने के बाद सिर भारी लगता है या आलस्य बना रहता है, तो इसका एक कारण वास्तु दोष भी हो सकता है। कहा जाता है कि सही वास्तु नियमों के अनुसार यदि कमरा बनाया जाए और व्यक्ति सही दिशा में सिर रखकर सोए।

सोते समय सिर किस दिशा में रखें?
दक्षिण दिशाः वास्तु शास्त्र में सोने के लिए दक्षिण दिशा को सबसे उत्तम माना गया है। कहा जाता है कि इस दिशा में सिर रखकर सोने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और गहरी व अच्छी नींद आती है।
पूर्व दिशाः वास्तु शास्त्र में पूर्व दिशा को भी सिर रखकर सोने के लिए शुभ माना गया है। पूर्व सूर्य उदय की दिशा है, जो सकारात्मक ऊर्जा और ज्ञान का प्रतीक है। माना जाता है कि इस दिशा में सिर रखकर सोने से स्मरण शक्ति बढ़ती है, एकाग्रता में सुधार होता है और व्यक्ति खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करता है।

किन दिशाओं में सिर नहीं रखना चाहिए?
उत्तर दिशाः वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा की ओर सिर करके सोना अशुभ माना गया है। इससे नींद पर बुरा प्रभाव पड़ता है। माना जाता है कि इस दिशा में सोने से सिरदर्द, अनिद्रा और बुरे सपनों की समस्या हो सकती है।
पश्चिम दिशाः पश्चिम दिशा की ओर सिर रखकर सोना भी शुभ नहीं माना जाता। कहा जाता है कि इस दिशा में सोने से व्यक्ति को बेचैनी महसूस हो सकती है।

बेड कैसे रखें?
बेड को दीवार के पास इस तरह रखें कि बीच में थोड़ी जगह खाली रहे।ध्यान रखें कि जिस दिशा में आप सिर रखकर सोते हैं, उस ओर खिड़की न हो।

बेड के सामने आईना
बेड के सामने आईना नहीं लगाना चाहिए।सोते समय शरीर का प्रतिबिंब दिखाई देना शुभ नहीं माना जाता।बेड के सामने आईना होने से बुरे सपने आने की संभावना बढ़ जाती है।

साफ-सफाई
बेड के नीचे कबाड़ या जूते-चप्पल न रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रुकता है और नींद प्रभावित होती है।

जिसे आप चाहें, वह किसी और से प्रेम करे... प्रेमानंद महाराज क्या कहते हैं?

कई बार ऐसा होता है कि जिस इंसान से हम प्रेम करते हैं, वह इंसान हमें प्रेम नहीं करता। उसके मन में किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्यार होता है। यह जानने के बाद कई लोग बहुत दुखी हो जाते हैं और उसी इंसान से नफरत करने लगते हैं, जिससे उन्होंने कभी प्रेम किया था।प्रेमानंद महाराज इस विषय पर कहते हैं कि यदि आपने जिसे प्रेम किया, वह किसी और से प्रेम करे और यह जानने के बाद आप उससे नफरत करने लगें या उसे अपना दुश्मन मान लें, तो यह प्रेम नहीं है।

प्रेमानंद महाराज ने क्या कहा?
प्रेमानंद महाराज कहते हैं— मान लीजिए आप किसी से प्रेम करते हैं, लेकिन वह आपसे नहीं, किसी और से प्रेम करता है। तब आप क्या करेंगे? क्या आप उन्हें आशीर्वाद देंगे और उनके सुख की कामना करेंगे? यदि नहीं, तो यह सच्चा प्रेम नहीं है।

सच्चा प्रेम क्या होता है?
उनका कहना है कि यदि यह जानने के बाद आपका प्रेम बदल जाए और आप उस इंसान से द्वेष या नफरत करने लगें, जिससे आपने प्रेम किया था, तो वह प्रेम नहीं होता। वे कहते हैं कि सच्चा प्रेम वही है, जिसमें हर परिस्थिति में आप उस व्यक्ति की सुख-समृद्धि की कामना करें और उसे खुश देखना चाहें।

जिसे आप प्रेम करते हैं, यदि वह किसी और के साथ खुश है, तो उसे उसके पास जाने दें और उसके मंगल की कामना करें। उसकी खुशी में ही आप खुश रहें। प्रेमानंद महाराज कहते हैं कि यह करना सबके लिए संभव नहीं है, लेकिन जो इंसान भगवान में आस्था रखता है और उन पर विश्वास करता है, वही ऐसा कर पाता है।

आईने की ये गलतियां बढ़ा सकती हैं परिवार में तनाव

शीशा या आईना एक ऐसी चीज़ है, जो आमतौर पर हर व्यक्ति के घर में देखने को मिल जाता है। लोग आईने में देखकर सजते-संवरते हैं। दिन में एक बार ही सही, लेकिन लोग आईने में खुद को ज़रूर देखते हैं। जब आईना हमारे जीवन का एक ज़रूरी हिस्सा बन गया है, तो इससे जुड़े वास्तु नियमों के बारे में जानना हमारे लिए बेहद आवश्यक है। कहते हैं कि यदि आईने को सही दिशा और सही जगह पर रखा जाए, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और शांति बनी रहती है।

शीशे से जुड़े वास्तु नियम

आईना रखने की सही दिशा
वास्तु के अनुसार, उत्तर दिशा को आईना लगाने के लिए सबसे शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा को 'कुबेर' की दिशा कहा जाता है। ऐसे में इस दिशा में आईना लगाने से धन लाभ की संभावनाएं बढ़ती हैं।

प्रवेश द्वार के पास आईना
यदि आपके घर का प्रवेश द्वार संकरा है, तो आप पास की दीवार पर आईना लगा सकते हैं। इससे जगह बड़ी और अधिक स्वागतयोग्य लगती है।

मुख्य द्वार के सामने न लगाएं आईना
कभी भी शीशा इस तरह न लगाएं कि वह मुख्य दरवाज़े के ठीक सामने हो। इससे घर में प्रवेश करने वाली सकारात्मक ऊर्जा टकराकर वापस बाहर चली जाती है।

बेड के सामने न लगाएं शीशा
वास्तु के अनुसार, बेडरूम में शीशा इस तरह रखना चाहिए कि सोते समय शरीर का कोई भी हिस्सा आईने में दिखाई न दे। कहा जाता है कि रात में शीशे में खुद को देखने से डरावने सपने आ सकते हैं। यदि शीशा बेड के सामने लगा हो और उसे हटाना संभव न हो, तो रात में उसे कपड़े से ढक दें।

दो शीशों को आमने-सामने न रखें
वास्तु के अनुसार, दो आईनों को कभी भी एक-दूसरे के सामने नहीं लगाना चाहिए। इससे ऊर्जा फँसने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही घर के सदस्यों के बीच तनाव और मनभेद बढ़ने का खतरा रहता है।

साफ-सफाई
आईने को कभी भी गंदा नहीं रखना चाहिए। गंदा शीशा घर में नकारात्मक ऊर्जा को प्रवेश करने का कारण बन सकता है। इसलिए आईने को रोजाना नियमित रूप से साफ करना चाहिए।

फाल्गुन मास की धार्मिक मान्यता

शास्त्रों के अनुसार, फाल्गुन मास में मौसम और समय दोनों में परिवर्तन होता है। इसे आत्मिक शुद्धि और संयम का समय माना गया है।मान्यता है कि इस महीने किए गए पूजा-पाठ और दान का फल कई गुना बढ़ जाता है।

फाल्गुन माह में किन कामों से बचना चाहिए?
शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार, फाल्गुन मास में कुछ कार्यों को करने से बचना चाहिएः

होलाष्टक के दौरान विवाह और अन्य मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।
इस माह में तामसिक चीजों जैसे शराब, मांस, लहसुन और प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए।
किसी को नुकसान पहुंचाने की भावना रखना भी अशुभ माना गया है।
घर और पूजा स्थल को साफ रखें और नियमित स्नान करें।
महिलाओं, बड़ों और बुजुर्गों का अपमान करने से बचें।
इन नियमों का पालन करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

फाल्गुन मास में दान का विशेष महत्व
फाल्गुन माह को दान-पुण्य के लिए श्रेष्ठ माना गया है। मान्यता है कि इस माह में अन्न, वस्त्र, धन और जरूरतमंदों की सहायता करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।
फाल्गुन मास संयम, भक्ति और दान का महीना है। अगर इस दौरान शास्त्रों के अनुसार आचरण किया जाए और सेवा-भाव रखा जाए, तो यह महीना आध्यात्मिक और मानसिक रूप से बेहद लाभकारी साबित होता है।

तुलसी माला पहनने के नियम क्या हैं?

तुलसी माला पहनने के मुख्य नियम
तुलसी माला पहनते समय कुछ नियमों का पालन करना परंपरा और शास्त्रों में बताया गया है। इन नियमों का उद्देश्य व्यक्ति के विचार, व्यवहार और दिनचर्या को शुद्ध रखना माना जाता है।
सबसे पहला नियम है शुद्धता। तुलसी माला हमेशा साफ शरीर से पहननी चाहिए। सुबह स्नान करने के बाद माला धारण करना सबसे अच्छा माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे मन और तन दोनों पवित्र रहते हैं।
तुलसी माला पहनते समय भाव भी बहुत जरूरी होता है। इसे फैशन या दिखावे के लिए नहीं पहनना चाहिए। माला पहनते समय मन में भक्ति और श्रद्धा का भाव होना चाहिए। अगर इसे केवल सजावट के तौर पर पहना जाए तो इसका धार्मिक महत्व कम हो जाता है।

तुलसी माला कब पहननी चाहिए
तुलसी माला पहनने के लिए गुरुवार का दिन बहुत शुभ माना जाता है। इसके अलावा एकादशी, पूर्णिमा या किसी शुभ तिथि पर भी माला धारण की जा सकती है। कई लोग इसे रोज पहनते हैं और कई लोग विशेष पूजा पाठ के समय ही पहनते हैं।
अगर पहली बार तुलसी माला पहन रहे हैं तो सुबह के समय मंदिर या पूजा स्थान में बैठकर भगवान का स्मरण करते हुए पहनना अच्छा माना जाता है। इससे मन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

तुलसी माला पहनते समय क्या न करें
तुलसी माला पहनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि तुलसी माला पहनने वाले व्यक्ति को मांस मछली अंडा और शराब जैसी चीजों से दूरी बनानी चाहिए। इसे सात्विक जीवन से जोड़ा जाता है।
तुलसी माला पहनकर झूठ बोलना गलत व्यवहार करना या किसी का अपमान करना भी उचित नहीं माना जाता। इसका अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति पूरी तरह गलतियों से मुक्त हो जाए लेकिन कोशिश यही होनी चाहिए कि जीवन में संयम और सादगी बनी रहे।
तुलसी माला को कभी भी जमीन पर नहीं रखना चाहिए। अगर माला टूट जाए तो उसे साफ कपड़े में रखकर किसी पवित्र स्थान पर रख देना चाहिए या नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

तुलसी माला गले में पहननी चाहिए या हाथ में
अधिकतर लोग तुलसी माला गले में पहनते हैं। यह सबसे प्रचलित तरीका है। कुछ लोग इसे कलाई में भी पहनते हैं। दोनों ही तरीके मान्य माने जाते हैं। बस ध्यान यही रखना चाहिए कि माला का अपमान न हो और उसे सम्मान के साथ पहना जाए।

सोते समय तुलसी माला उतारनी चाहिए या नहीं इस पर अलग अलग मान्यताएं हैं। कई लोग सोते समय भी माला पहने रखते हैं और कई लोग उतार देते हैं। अगर आपको लगता है कि सोते समय माला टूट सकती है या असुविधा हो सकती है तो उतार देना बेहतर है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 2 फरवरी - 2026

विशेष पुनरीक्षण अभियान पर विरोधी भड़के

अशोक भाटिया

इस समय उत्तर प्रदेश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की सरगर्मी चल रही है। इसमें वोटरों से एसआईआर फार्म 6 जनवरी तक भरवाने थे। इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई थी। लेकिन इस लिस्ट में भी कुछ लोगों के नाम नहीं जुड़ पाए थे। कुछ ऐसे भी लोग थे जिनके नाम या दूसरी जानकारी सही नहीं प्रकाशित हुई। अब दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी से 6 फरवरी तक निर्धारित की गई है। जबकि, पहले ये तिथियां 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक थी। इसी तरह से अब 6 जनवरी से 27 फरवरी तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय, दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को किया जाएगा। पर अब मतदाता सूची से नाम कटवाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-7 को लेकर बड़ा विवाद छिड़ गया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस मुद्दे को उठाया है, जिसमें उन्होंने फॉर्म 7 के दुरुपयोग को बड़ा षड्यंत्र करार दिया। वहीं, कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग को पत्र लिखकर कई राज्यों में फॉर्म 7 के माध्यम से योग्य मतदाताओं के नाम हटाने की संगठित साजिश का आरोप लगाया है। ये विशेष रूप से एससी, एसटी, अल्पसंख्यक समुदायों और बुजुर्गों के नाम काटे जाने का आरोप लगा रहे हैं। अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा कि चुनाव आयोग, न्यायालय और मीडिया से इस महाघोटाले की जांच की मांग की जा रही है। फॉर्म 7 भारत के निर्वाचन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा वोटर लिस्ट में संशोधन के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

यह फॉर्म मुख्य रूप से किसी मतदाता के नाम को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए इस्तेमाल होता है। किसी मतदाता की मौत, डुप्लिकेट नाम, स्थानांतरण या कोई अन्य वैध आधार हो तो कोई दूसरा व्यक्ति इस फॉर्म को भरकर उसका नाम कटवा सकते हैं। कोई भी व्यक्ति फॉर्म 7 भरकर किसी अन्य मतदाता के नाम पर आपत्ति दर्ज करा सकता है, जिसके बाद चुनाव अधिकारी जांच कर नाम हटा सकते हैं। हालांकि, नियमों के मुताबिक फॉर्म में आपत्तिकर्ता का नाम, पता और हस्ताक्षर अनिवार्य हैं।

लेकिन हालिया आरोपों में कहा जा रहा है कि फॉर्म 7 को पहले से छपवाकर, फर्जी हस्ताक्षरों के साथ बड़े पैमाने पर जमा किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में कहा कि गांवों में ऐसे फॉर्म भेजे जा रहे हैं, जहां शिकायतकर्ता का कोई अता-पता नहीं है। इससे पीड़ित मतदाता को पता ही नहीं चलता कि उसका नाम काटा जा रहा है। कांग्रेस ने भी दावा किया कि कई मामलों में फर्जी नाम, गलत ईपीआईसी नंबर और अमान्य मोबाइल नंबर इस्तेमाल हो रहे हैं। कुछ आपत्तिकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्होंने कभी फॉर्म भरा ही नहीं। अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया कि यह साजिश विशेष रूप से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि फर्जी हस्ताक्षरों से विपक्ष के समर्थकों के नाम काटे जा रहे हैं।

यादव ने न्यायालय, निर्वाचन आयोग और पत्रकारों से इस षड्यंत्र का संज्ञान लेने की अपील की। साथ ही न्यूज चैनलों और अखबारों से इस महाघोटाले का पर्दाफाश करने की मांग की। उन्होंने स्थानीय यूट्यूबरों और लोकल न्यूज कर्मियों से भी लोकतंत्र की रक्षा के लिए भंडाफोड़ करने को कहा। उन्होंने वादा किया कि वह उन्हें देश-प्रदेश के सामने लाएंगे। ये आरोप ऐसे समय में आए हैं कई राज्यों चुनाव हो रहे हैं। अखिलेश का कहना है कि अल्पसंख्यक समुदायों के नाम बड़े स्तर पर काटे जा रहे हैं, जिससे विपक्ष की वोट बैंक प्रभावित हो सकती है।कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग को लिखी चिट्ठी में फॉर्म 7 के दुरुपयोग को संगठित तरीके से चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बताया है । पार्टी ने राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और केरल जैसे राज्यों से शिकायतें मिलने का जिक्र किया। असम को सबसे गंभीर बताया गया, जहां लाखों वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को विशेष रूप से टारगेट किया जा रहा है।पार्टी ने दावा किया कि इसमें भाजपा से जुड़े बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की भूमिका सामने आ रही है। क्लेम्स एंड ऑब्जेक्शंस के तहत लाखों फॉर्म जमा हो रहे हैं, लेकिन कई में आपत्तिकर्ता की पहचान साफ नहीं। कांग्रेस ने कहा कि अगर इसे नहीं रोका गया तो यह चुनावी लाभ के लिए मताधिकार छीनने की बड़ी साजिश है।

कांग्रेस ने अपनी चिट्ठी में रेप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट, 1950 का हवाला दिया, जिसमें फॉर्म 7 केवल मौत, डुप्लीकेशन या वैध कारणों के लिए है। गलत जानकारी देने पर सजा का प्रावधान है। पार्टी ने चुनाव आयोग से तुरंत जांच शुरू करने, दोषियों की पहचान, फॉर्म दुरुपयोग में शामिल लोगों पर कार्रवाई और गलत तरीके से हटाए गए नामों को बहाल करने की मांग की।

फॉर्म 7 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किया गया एक कानूनी आवेदन है। इसका मुख्य उद्देश्य पंजीकृत मतदाताओं को औपचारिक रूप से निम्नलिखित जानकारी देना है:मतदाता सूची में किसी अन्य व्यक्ति का नाम शामिल करने के प्रस्तावित प्रस्ताव पर आपत्ति जताएं। उनका नाम हटाने का अनुरोध करें(मृत्यु, स्थानांतरण या दोहराव जैसे विशिष्ट कारणों से किसी अन्य व्यक्ति का नाम हटाने का अनुरोध करें। दरअसल फॉर्म 7 का उपयोग तब किया जाना चाहिए जबःएक मतदाता को सूची में कोई गलती या पुरानी प्रविष्टि (जैसे किसी मृत व्यक्ति का नाम) दिखाई देती है।उस व्यक्ति ने अपना निवास स्थान बदल लिया है (स्थायी रूप से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित हो गया है)।इसमें डुप्लिकेट या त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियाँ मौजूद हैं, या किसी व्यक्ति का पंजीकरण गलत तरीके से किया गया है (उदाहरण के लिए, नाबालिग या नागरिक नहीं)।केवल निर्वाचन क्षेत्र के पंजीकृत मतदाता ही फॉर्म 7 दाखिल कर सकते हैं , और प्रत्येक आवेदन में नाम हटाने या आपत्ति का कारण स्पष्ट रूप से बताना आवश्यक हूं चाहिए ।आवेदन जमा करने के बाद, विवरणों का सत्यापन किया जाता है। मतदाता पंजीकरण अधिकारी मामले की समीक्षा करता है, सहायक दस्तावेज मांग सकता है या मौके पर सत्यापन कर सकता है, और फिर आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का निर्णय लेता है। आवेदक को पावती प्राप्त होती है और उसे परिणाम की जानकारी दी जाती है, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। निष्पक्ष चुनावों के लिए सटीक मतदाता सूचियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रपत्र 7 मतदाताओं को मतदाता सूची से त्रुटियों, पुरानी या फर्जी प्रविष्टियों को हटाकर निष्पक्षता बनाए रखने का अधिकार देता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि केवल योग्य मतदाता ही मतदान कर सकें, जिससे भारत का लोकतंत्र स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुदृढ़ बना रहता है। इसके लिए जो दिशा निर्देश है उसके अनुसार केवल पंजीकृत मतदाता ही फॉर्म 7 का उपयोग करके मतदाता सूची में किसी व्यक्ति के नाम जोड़े जाने पर आपत्ति जता सकते हैं या किसी का नाम (स्वयं का नाम सहित) हटा सकते हैं।अपना नाम, ईपीआईसी नंबर और मोबाइल नंबर (या किसी रिश्तेदार का) भरें।

बजट में चुनावी तोहफा!

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का नौवां बजट देखने से ही पता चलता है कि सरकार के लिए पांच राज्यों में होने वाला विधानसभा चुनाव कितना महत्वपूर्ण है। बीजेपी के नेतृत्व की एनडीए सरकार के लिए राजनीतिक रूप से पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी राज्य बेहद अहम हैं। इनमें से असम और पुडुचेरी में भाजपा की ही सरकार है, लेकिन पश्चिम बंगाल तमिलनाडु और केरल में भाजपा की सरकार नहीं है। इस बार इन तीनों राज्यों से भी बीजेपी को बहुत उम्मीदें हैं। केंद्रीय बजट में इसका असर भी दिख रहा है। इन सभी राज्यों के लिए बजट में कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल के दानकुनी से लेकर पश्चिम में सूरत तक नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की घोषणा की है। इसके अलावा देश में सात शहरों को हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से जोड़ने का भी एलान किया है, उनमें बंगाल का सिलीगुड़ी भी शामिल है। 7 शहरों के हाई स्पीड कॉरिडोर में वाराणसी-सिलीगुड़ी,मुंबई-पुणे,चेन्नई-बेंगलुरु,हैदराबाद-बेंगलुरु,पुणे-हैदराबाद,दिल्ली-वाराणसी शामिल हैं। चेन्नई तमिलनाडु की राजधानी है और वहां भी चुनाव होने वाले हैं। इसके अलावा अगले पांच वर्षों में 20 नए नेशनल वाटरवेज को चालू करने की घोषणा की गई है, जिससे कार्गो की ढुलाई सुगम और स्थायी और इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुंचे। इससे बंगाल को भी लाभ मिलने वाला है। चार राज्यों में डेडिकेटेड रेयर अर्थ कॉरिडोर स्थापित करने का प्रस्ताव भी है, जिनमें ओडिशा और आंध्र प्रदेश के अलावा केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिण के चुनावी राज्य भी शामिल हैं। बजट में इलेक्ट्रोनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम का आउटले 22,999 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 40,000 करोड़ करने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें आईएसएम 2.0, रेयर अर्थ कॉरिडोर और डेडेकेटेड केमिकल पार्क निर्माण की भी योजना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बार कांजीवरम सिल्क साड़ी पहनकर अपने गृहराज्य तमिलनाडु की प्राचीन बुनाई कला का सम्मान किया है। इस बार उन्होंने हाथ से बुनी हुई बैंगनी रंग की कढ़ाम कांजीवरम साड़ी पहनी, जिस पर हल्के सुनहरे भूरे रंग के चेक या कट्टम और कॉफी ब्राउन बॉर्डर पर धागे का काम किया हुआ है। इसके अलावा नारियल संवर्धन योजना की भी घोषणा की गई है, जिसका मकसद तमिलनाडु समेत नारियल उत्पादक राज्यों में इसका पैदावार और गुणवत्ता बढ़ाना है। अब गैर-उत्पादक नारियल के पेड़ों की जगह बेहतर गुणवत्ता और पैदावार वाले पेड़ लगाना है। काजू और कोको संबंधित कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं का लक्ष्य देश को काजू और नारियल उत्पादन और इनके प्रोसेसिंग में आत्मनिर्भर बनाना है और 2030 तक इन चीजों के निर्यात के लिए भारत को ग्लोबल ब्रांड बनाना है। केरल, कर्नाटक और ओडिशा के तटीय इलाकों में खास कछुआ मार्ग और तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में पुलिकट झील के किनारे-किनारे विशेष पक्षी मार्ग विकसित करने की घोषणा की गई है। केंद्र सरकार का मानना है कि भारत में ट्रेकिंग और हाइकिंग का अनुभव देने के लिए वर्ल्ड क्लास क्षमता और अवसर मौजूद है और इसलिए पर्यावरण अनुकूल क्षेत्र विकसित करना काफी लाभकारी साबित हो सकता है। इसके अलावा देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध स्थलों के विकास पर खास ध्यान दिया गया है। इसके तहत पूर्वोत्तर के 6 राज्यों में बौद्ध सर्किट के विकास की स्कीम लॉन्च की जाएगी। इनमें अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम,असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा शामिल हैं। इस योजना में मंदिरों और मठों के संरक्षण के साथ-साथ तीर्थयात्रा केंद्रों के विकास, उनकी कनेक्टिविटी और तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को शामिल किया जाएगा।

अमेरिका से भारत तक : कीमती धातुओं की चमक फीकी

आरके जैन

सोने और चांदी की कीमतों में आई हालिया तीखी गिरावट ने देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक वित्तीय बाजारों की धड़कन बढ़ा दी है। जिन कीमती धातुओं को अब तक आर्थिक संकट, युद्ध और मंदी के दौर में सबसे सुरक्षित आश्रय माना जाता था, वही अचानक कमजोरी का प्रतीक बनती दिखीं। निवेशक भ्रमित हैं, ज्वैलरी कारोबारियों की रणनीतियां गड़बड़ा गई हैं और आम उपभोक्ता असमंजस में है। यह गिरावट ऐसे समय पर सामने आई है जब भारत में बजट को लेकर अटकलें तेज हैं और विश्व अर्थव्यवस्था एक नए पुनर्संतुलन के दौर से गुजर रही है। असली सवाल सिर्फ कीमतों के गिरने का नहीं, बल्कि उस अदृश्य शक्ति का है जो बाजार की दिशा तय कर रही है और आने वाले समय की तस्वीर बना रही है।

कुछ ही सप्ताह पहले तक सोना और चांदी रिकॉर्ड स्तरों पर चमक रहे थे। लगातार बढ़ते भावों ने निवेशकों के मन में यह धारणा बना दी थी कि इन धातुओं की कीमतें अब पीछे मुड़कर देखने वाली नहीं हैं। हर हल्की गिरावट को खरीदारी का सुनहरा अवसर समझा जा रहा था। लेकिन बाजार की प्रकृति स्थिर नहीं होती। अचानक मुनाफावसूली का दबाव बढ़ा और तेजी की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। भाव इतनी तेजी से नीचे आए कि लंबे समय से बनी तेजी की कहानी एक झटके में कमजोर पड़ती नजर आई। यह गिरावट सामान्य सुधार नहीं, बल्कि बाजार के आत्ममंथन का संकेत बन गई।

वायदा बाजार में इस बदलाव की तस्वीर और भी स्पष्ट दिखाई दी। एमसीएक्स पर सोने और चांदी के अनुबंधों में जोरदार बिकवाली हुई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। अंतरराष्ट्रीय बाजार भी इस दबाव से अछूते नहीं रहे। कॉमेक्स पर सोना नीचे फिसला, जबकि चांदी ने अपेक्षाकृत कहीं ज्यादा कमजोरी दिखाई। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय से चली आ रही तेज तेजी ने बाजार को ओवरबॉट स्थिति में पहुंचा दिया था। जब कीमतें वास्तविक मांग और आपूर्ति से काफी आगे निकल जाती हैं, तब संतुलन बहाल होना तय होता है। इस बार यह संतुलन तेजी से और बड़े पैमाने पर आया। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका की नीतियों को सबसे प्रभावशाली कारक माना जा रहा है। वहां की मौद्रिक नीति से जुड़े संकेतों ने डॉलर को नई मजबूती दी, जिसने वैश्विक बाजारों की दिशा बदल दी। डॉलर जैसे ही मजबूत होता है, वैसे ही सोना और चांदी जैसी डॉलर आधारित संपत्तियों पर दबाव बढ़ने लगता है। विदेशी निवेशकों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं, जिससे मांग घटती है। इसके साथ ही अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने निवेशकों को जोखिम घटाने के लिए सुरक्षित निवेश से दूरी बनाने की शुरू कर दी और पूंजी का रुख दूसरी परिसंपत्तियों की ओर मोड़ दिया। अमेरिका के फैसले केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनकी गूंज सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुनाई देती है और भारत जैसे देशों तक असर पहुंचाती है।

वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं, लेकिन हालिया घटनाक्रम ने निवेशकों की प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। अब बाजार युद्ध और टकराव की आशंकाओं से ज्यादा ब्याज दरों की दिशा, डॉलर की मजबूती और प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर प्रतिक्रिया दे रहा है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में आई सुस्ती ने भी मांग की धार को कमजोर किया है। चीन और भारत जैसे बड़े उपभोक्ता देशों में भौतिक मांग अब भी मौजूद है, लेकिन लगातार ऊंचे भावों के बाद वहां भी सतर्कता का भाव बढ़ा है। वैश्विक कर्ज का बढ़ता बोझ और आर्थिक असंतुलन भले ही दीर्घकाल में सोने के पक्ष में खड़े हों, पर अल्पकाल में डॉलर की ताकत ने बाजार पर अपना दबदबा कायम कर लिया है।

भारत में इस गिरावट का असर अपेक्षाकृत अधिक तीव्र रहा, जिसका कारण आयात पर लगने वाले ऊंचे शुल्क और कर संरचना है। बजट से पहले यह बहस तेज हो गई है कि सरकार सोने और चांदी पर लगने वाले शुल्क में बदलाव कर सकती है। यदि शुल्क में कटौती होती है तो कीमतों में और नरमी आने की संभावना है, जिससे मांग को नई ऊर्जा मिल सकती है। इससे तस्करी पर अंकुश लगेगा और संगठित बाजार को मजबूती मिलेगी। इसके विपरीत, यदि राजस्व दबावों के चलते शुल्क बढ़ाया गया तो कीमतों पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है और उपभोक्ताओं की जेब पर असर और गहरा हो जाएगा। यह गिरावट किसी आकस्मिक घटना का परिणाम नहीं, बल्कि वैश्विक नीतिगत बदलावों और आर्थिक संकेतों का स्वाभाविक नतीजा प्रतीत होती है। पिछले वर्षों में जब अनिश्चितता, महामारी और भू-राजनीतिक तनाव चरम पर थे, तब सोना और चांदी निवेशकों की पहली पसंद बने। अब जैसे ही वैश्विक नीतियों का रुख धीरे-धीरे बदलता दिख रहा है, बाजार भी नई दिशा तलाश रहा है। भारत में रुपये की कमजोरी, बढ़ता व्यापार घाटा और सोने का बढ़ता आयात इस परिदृश्य को और जटिल बनाते हैं। सरकार के सामने चुनौती यह है कि वह आर्थिक विकास को गति देते हुए वित्तीय स्थिरता और बाहरी संतुलन को भी बनाए रखे।

निवेशकों के दृष्टिकोण से यह समय घबराहट का नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णय लेने का है। तेज गिरावट के बाद कीमतें ऐसे स्तरों के करीब पहुंच सकती हैं जो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माने जाते हैं। मुद्रास्फीति का दबाव, भू-राजनीतिक जोखिम और वैश्विक मुद्रा व्यवस्था में संभावित बदलाव जैसे कारक आने वाले वर्षों में फिर से सोने और चांदी को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव बना रहना तय है। ऐसे में जल्दबाजी के बजाय चरणबद्ध निवेश, संतुलित पोर्टफोलियो और जोखिम प्रबंधन की रणनीति अपनाना ही समझदारी भरा कदम माना जा रहा है।कुल मिलाकर सोने और चांदी में आई मौजूदा कमजोरी को किसी एक देश, एक नीति या एक घटना के दायरे में बांधकर देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। अमेरिका की मौद्रिक रणनीतियां, डॉलर की बढ़ती ताकत और बदलती वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां मिलकर इस पूरे परिदृश्य की रूपरेखा तय कर रही हैं। भारत के संदर्भ में आने वाला बजट इस दिशा में निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। यदि नीतिगत स्तर पर राहत और संतुलन का संकेत मिला तो बाजार को स्थिरता का सहारा मिलेगा, लेकिन यदि दबाव बरकरार रहा तो कमजोरी कुछ समय और खिंच सकती है। इतिहास यही सिखाता है कि कीमती धातुएं अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपनी चमक लौटाती हैं, शर्त सिर्फ इतनी है कि निवेशक धैर्य, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ निर्णय लें।

अमेरिका द्वारा ईरान का भया दोहन

संजीव ठाकुर

अमेरिका और ईरान के बीच गत कुछ महीनों में तनाव एक नए शिखर पर पहुँच गया है। जिसमें न केवल कूटनीतिक, वाणिज्यिक दबाव बल्कि विस्तृत सैन्य तैयारियों और खुले रूप से युद्ध की धमकियाँ भी शामिल हैं। पिछले कई महीनों की घटनाओं से यह स्पष्ट रूप नजरिया सामने आया है कि यह केवल रीजनल तनाव नहीं रहा बल्कि वैश्विक राजनीति का एक प्रमुख केन्द्र बन गया है। अमेरिका अभी भी आर्थिक,सामरिक एवं राजनीतिक तौर पर शक्तिशाली राष्ट्र है और आर्थिक रूप से अमेरिका ने ईरान पर बड़े प्रतिबंध लगाए हुए हैं, जिसमें तेल निर्यात और वित्तीय लेन-देन को रोकने के साथ-साथ ईरान के सहयोगी देशों और संस्थाओं पर भी अतिरिक्त टैक्स तथा दंडात्मक कार्रवाई शामिल है। जिससे एजेंसी डेटा बताते हैं कि ईरान की निर्यात-आय सीमित हो रही है, जिससे व्यापक आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह प्रतिबंध और दबाव ईरान के न्यूक्लियर कार्यक्रम और क्षेत्रीय समर्थित आतंकवाद को रोकने के उद्देश्य से हैं, लेकिन ईरानी नेतृत्व इसे अपने संप्रभुत अधिकारों पर आक्रमण मानता है।

सैन्य दृष्टि से, अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है और तैनात नौसेना बलों को बड़ा आकार दे दिया है। ट्रंप ने बयान दिया है कि यह बेड़ा उस से भी बड़ा है जो उसने वेनेज़ुएला पर उसकी कार्रवाई से पहले तैनात किया था, और यह बल अब्राहम लिंकन जैसे युद्धपोतों के साथ समुद्री और वायु समूहों को शामिल करता है। अमेरिका का यह बल 'निर्दिष्ट मिशन के लिये तैयार, इच्छुक और सक्षम' बताया जा रहा है और ट्रंप इसे ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के लिये दबाव का हिस्सा मानते हैं, यह कहते हुए कि "हम उम्मीद करते हैं कि ईरान सौदा करना चाहेगा"।

अमेरिका के सभी विकल्प खुले रहने की बात करने से यह संकेत भी मिलता है कि सैन्य हमले की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा रहा है।

ईरान ने जवाब में अपनी सैन्य तैयारियाँ तेज कर रखी हैं, जिसमें रिपोर्टें बताती हैं कि उसने हजारों बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात की हैं और अपनी क्षमता को बढ़ाया है, साथ ही यह कहा है कि किसी भी हमले का उत्तर 'तुरंत और अप्रत्याशित' रूप से दिया जाएगा। ईरानी नेतृत्व ने युद्ध नहीं चाहने का दावा किया है, लेकिन सजग चेतावनी दी है कि "हम देश को युद्ध की राह पर नहीं ले जाना चाहते" और आरोप लगाया है कि अमेरिका ईरान को 'निगल' जाना चाहता है, जो तनाव को भावनात्मक रूप से और बढ़ाता है। हालांकि कुछ विश्लेषक और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारी यह मानते हैं कि सैन्य हमले की संभावना "एक बार तय" जैसे दृष्टिकोण में पहुँच चुकी है और यह समय की बात है कि हमला कब होगा, न कि क्या होगा, जिससे युद्ध की तैयारी का माहौल और गहराता जा रहा है। इसी बीच ईरान के भीतर भी व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की मौत की खबरें आई हैं और यह स्थिति आंतरिक असंतोष तथा अमेरिका-के खिलाफ रुख को एक साथ बढ़ा रही कूटनीतिक रूप से, ताजा सूचनाओं के अनुसार ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वे अमेरिका के साथ एक 'न्यायसंगत' बातचीत के लिये तैयार हैं, बशर्ते यह धमकियों के साये में न हो।,शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने संकेत दिया है कि बातचीत के आयोजन के लिये प्रगति हो रही है। यह दर्शाता है कि खुले युद्ध के साथ-साथ कूटनीतिक प्रयास भी चल रहे हैं। अरब देश, तुर्की और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों भी संघर्ष को रोकने के लिये सक्रिय मध्यस्थता कर रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि किसी भी बड़े खुला युद्ध का प्रभाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा।

यदि हम अमेरिका के सैन्य तैनाती और आर्थिक दबाव की तुलना वेनेज़ुएला से करें, तो स्पष्ट रूप से अमेरिका ने पहले वेनेज़ुएला के खिलाफ ऑपरेशन सदर्न स्पियर जैसे अभियान में नौसेना तथा सैन्य बल का इस्तेमाल किया था, जिसमें राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने और शासन को बदलने की कोशिश की गई थी, जिसमें कूटनीतिक विवाद और अंतरराष्ट्रीय आलोचना भी उत्पन्न हुई थी। ट्रंप के बयान के अनुसार, ईरान के लिये जो सैन्य समूह भेजा जा रहा है वह उससे भी बड़ा है, जो संकेत देता है कि अमेरिकी प्रशासन इसे वेनेज़ुएला की तरह एक सीमित राजनैतिक,सैन्य ऑपरेशन से भी आगे देख रहा है। लेकिन यह भी ध्यान देने योग्य है कि ट्रंप ने खुले तौर पर कहा है कि वे चाहते हैं ईरान बातचीत करे और यह कि "हम युद्ध नहीं चाहते", जैसा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों ने उद्धृत किया है।

ट्रंप की इस दोहरे रणनीति को कुछ विश्लेषक 'ब्रिंकमैनशिप' नीति कह रहे हैं, जहाँ खुला युद्ध अंतिम विकल्प रखा जाता है पर बातचीत को भी कायम रखा जाता है। यहाँ यह समझना जरूरी है कि ईरान जैसे क्षेत्रीय शक्ति पर अमेरिका का दबाव केवल सीधा सैन्य संघर्ष नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक प्रतिबंध, वैश्विक कठोर राजनैतिक दबाव तथा सैन्य रणनीतिक तैयारियों का संयोजन है। ईरान भी केवल कूटनीतिक रूप से नहीं बल्कि सामरिक रूप से भी तैयार दिख रहा है। मिसाइल कार्यक्रम, बलों की तैनाती, और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया रूस और चीन जैसे देशों द्वारा कभी-कभी समर्थन का संकेत -यह संकेत देते हैं कि- यानी बातचीत को युद्ध की कगार पर ले जाकर समझौता करने की ईरान अकेला नहीं है, और एक सीधा युद्ध बहुत खतरनाक और व्यापक बन सकता है।

श्रोताओं का भरोसा ही तो झूठ का प्राणवायु है

डॉ महादेव राव

एक निर्धारित समय में हम अपनी जिंदगी में घटी बातों पर नियंत्रण खो देते हैं, उसके बाद वह सारा नियंत्रण भाग्य के हाथों में चला जाता है और हम मुंह बाए देखते रहने के अलावा कुछ नहीं कर सकते यह उत्तर संसार में सबसे बड़े असत्य के रूप में एक बालक के प्रश्न के उत्तर में एक बड़े व्यक्ति के जवाब सा इसे बताते हैं।

महाभारत युद्ध में पांडव सेना पर विजली की तरह टूट पड रहे द्रोणाचार्य को रोकने के लिए कृष्ण ने युधिष्ठिर से कहलवाया – अश्वत्थामा हतः..कुंजरः (अश्वत्थामा मारा गया...(जो हाथी था)। जब युधिष्ठिर ने और कुंजरः जब कह रहे थे जोरों से नगाड़े और दुंदुभियां बजाई गईं ताकि द्रोण केवल अश्वत्थामा हतः सुनें। फिलहाल महंगाई रोकने में सरकार की विफलता के प्रति जनता में बढ़ते जा रहे विरोध की लहर को राज्यों की ओर मोड़ने का प्रयास है शायद कि अब तक सत्तासीन देशों से सर्वोच्च सम्मान पाने वाले हमारे प्रधान सेवक विश्व में प्रथम हैं, जो कि एक विश्व कीर्तिमान है।

हमारे पुराणों में कहा गया है कि प्राण, वित्त, मानहानि जैसे आपात संदर्भों में असत्य कहना अपराध नहीं है। इसे प्रमाण के रूप में लेकर अगर मंत्री जी ने असत्य कह दिया तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ा? फिर विपक्ष क्यों मंत्री महोदय पर इस तरह के टूट पड़ रहा है। इसलिए जिनके परिजन, आत्मीय और बंधुजन आक्सीजन की कमी से गुजर गए, बाधितों ने जो मीडिया में कहा, जो बातें सामने आईं हैं, सारा कुछ मंत्री जी के और केंद्र सरकार के अनुसार काल्पनिक कथाएं हैं, मीडिया द्वारा बनाई गई घटनाएं हैं। जब सत्य को सह नहीं पाते, तब असत्य का आश्रय ही आपातकालीन राजनीति है शायद। राज्यों के द्वारा भेजे गए समाचार में ऑक्सीजन की कमी से हुई मृत्युओं का कोई जिक्र नहीं है, यह कहना है केंद्र सरकार का। जबकि ऐसा कोई विवरण केंद्र द्वारा मांगा ही नहीं गया – यह कथन है राज्य सरकारों का। कुछ एक भगवा राज्य केंद्र के कथन का हां में हां मिलाकर समर्थन कर रहे हैं। कोई कुछ भी कहे लेकिन किसी ने यह कोशिश नहीं की कि मंत्री जी को सच्चाई का आईना दिखाया जाए, वस्तुस्थिति पर जोर दे कर सच्ची बातों से उन्हें अवगत कराया जाए।धनी वर्ग के नागरिक अस्पताल के कमरों में डेरा डालकर आवश्यकता न रहने पर भी ऑक्सीजन लगाकर सांसे बढ़ाते रहे। एक सिलेंडर की आस में लोग कितने कष्ट झेलते रहे, क्या किसी से छिपा है? चूंकि राज्यों ने नहीं बताया इसलिए मांडवी महोदय को यह सारे तथ्य सत्य प्रतीत नहीं हुए या कृष्ण के कथनानुसार आपात स्थिति में असत्य कहना अनर्थ या अपराध नहीं है - ऐसा उन्होंने मान लिया होगा। जब हम झूठ बोलते हैं तो दिमाग में ऐसी व्यवस्था होती है कि उसे गलत कह कर आप को चेतावनी देती है। बार-बार झूठ बोलते हुए, अगर उस दिमाग की चेतावनी को नजरअंदाज कर दें नजरअंदाज कर दें और लगातार बेहिचक झूठ बोलने की आदत हो जाए तो वे दिमागी चेतावनियाँ भी काम करना बंद कर देती हैं – ऐसा शोधकर्ताओं ने कहा। शायद इसी तरह का कष्ट हमारे मंत्री महोदय का भी बढ़ गया होगा। इन सब बातों को ध्यान में रखें बिना आलोचना के अस्त्र लेकर मंत्री महोदय पर पिल पड़े तो वे भी क्या कर सकते हैं? इसलिए पूरी ईमानदारी के साथ उन्होंने झूठ को राज्यों पर थोप दिया है।सच्चाई कहने के लिए साहस की आवश्यकता है कहने वालों से मैं यही कहूंगा झूठ बोलने के लिए भी निर्लज्जता भरा धैर्य चाहिए।

दो-एक्कम-दो, दो-दूनी-चार

डॉ. सुरेश कुमार

कहानी उस रहस्यमयी वस्तु से शुरू होती है, जिसका आकार किसी आतंकी संगठन के गुप्त दस्तावेज से छोटा, मगर प्रभाव हिरोशिमा के धमाके से ज्यादा था। वह कोई बम नहीं था, मगर उसे देखते ही सतर प्रतिशत बच्चों का हाजमा खराब हो जाता था। वह एक ऐसी 'पहाड़े' की किताब थी जिसके लिए कभी 'गाइड' नहीं बनी, क्योंकि मौत के लिए कोई मैनुअल नहीं आता। जैसे ही एक अबोध बालक अंकों की दुनिया का वीजा लेकर पहली से दूसरी कक्षा के इमिग्रेशन काउंटर पर पहुँचता, उसके झोले में यह अदृश्य डायन चुपके से डाल दी जाती। वह वजन में महज दस पन्नों की थी, पर उसकी हस्ती सामाजिक विज्ञान और भारी-भरकम विज्ञान की किताबों को वैसे ही बौना कर देती थी जैसे किसी बाहुबली के सामने एक छोटा सा 'डेथ वारंट'। सवाल यह था कि इसे बनाया किसने? किसने उस स्याही में बच्चों के आँसू मिलाए थे? घर में नई किताबों का शोर मचता, तो माँ-बाप सब खरीद लाते, पर उस 'महाग्रंथ' के नाम पर वही पुरानी, कोनों से मुड़ी हुई, बड़े भाई की थूक से सनी और शल्यावस्था में पहुँची लाश थमा दी जाती। तर्क यह दिया जाता कि गणित के नियम तो शाश्वत हैं, वे किसी फैशन की तरह नहीं बदलते। कहते- काईं रे छोरा, ई पुरानी पोथी ने देखर रोवै क्यूं है? अक्कल चराबा गई है काई? बापू की है, फेर थारे भाई की हुई, अब थारी है! ज्ञान कदे ई जुणो कोनी होवे, अर गणित तो वै ई रैवेली जो म्हारे टेम ही! यह कहकर वह दस पैसे वाली तबाही आपके सुपुर्द कर दी जाती और यहीं से उस सस्पेंस की नींव पड़ती कि क्या आप तीसरी कक्षा का सूरज देख पाएंगे या इस 'दो-दूनी-चार' के चक्कर में ही शहीद हो जाएंगे? उस फटी हुई किताब की गंध आज भी नाकों में वैसी ही है जैसे किसी पुराने गुनाह की याद। उस किताब का असली आतंक तब शुरू होता जब 'एक का पहाड़ा' (जो सबको मुफ्त के ज्ञान की तरह आता था) खत्म होकर 'दो के पहाड़े' की दहलीज पर दम तोड़ता। मास्टर साहब एक ऐसी विशेष रागिनी में शुरू करते जो न तो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में थी, न ही कर्नाटक संगीत में। वह 'टेबल्स' का नहीं, 'टैबल्स' का मातम था। दो-एकम-दो, दो-दूनी-चार... की वो लय ऐसी थी कि अगर आप उसे किसी संगीत सभा में गा दें तो गायक आत्मदाह कर ले। अचरज यह कि आखिर इस राग में ऐसा क्या जादू था जिसने भारतीय शास्त्रीय रागों की कतार में खुद को स्थापित कर दिया? अगर आप सुर बदल दें, तो पहाड़ा वहीं कोमा में चला जाता। शायद इसीलिए इसे 'कंठस्थ' करना कहा गया, क्योंकि इसे दिमाग पर 'चढ़ाना' (शायद इसीलिए गणित के इसे 'बोझिल पहाड़' पर चढ़ने-चढ़ाने की प्रक्रिया को 'पहाड़ा' कहा जाता है। उस पहाड़े को रटने में जितना किसी गधे को एवरेस्ट फतह करवाना। मास्टर साहब जब हाथ में बेंत लेकर उस राग को छेड़ते, तो अच्छे-अच्छे 'वेदांतियों' का पसीना छूट जाता। इसीलिए भलमानुस कहते- अरे भाई, या तो वो राग गा सको है, या पहाड़ा याद कर सको है, दोन्यां काम सागे नी होवे! ज़रा सो ई सुर चूक्यो नी, और मास्टर की लाठी थारी पीठ पर तबला बजाई नी! चुपचाप गा, नीं तो कुत्ता ई कूवा कर चूंना! इस सुरमयी प्रताड़ना के बीच सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि आखिर 'नौ' का पहाड़ा आते-आते सबकी आवाज़ 'बेस' से 'ट्रेबल' क्यों हो जाती थी? वह राग आपके बचपन के 'वाइब' को पूरी तरह खत्म कर देता था और आप बस एक ऐसी मशीन बन जाते थे जो बिना सोचे-समझे बस चिल्लाते रहते थे। वह चिल्लाना पहाड़ा नहीं था, वह एक मासूम आत्मा की पुकार थी जो उस दस पन्नों की कैद से आज़ाद होना चाहती थी। हर क्लास में एक ऐसी 'मास वार्निंग' दी जाती थी जो किसी युद्ध के अल्टीमेटम से कम नहीं थी- जब तक बीस तक पहाड़े (बीस-बीसां चार सौ) कंठस्थ नहीं होंगे, अगली क्लास का मुँह नहीं देखोगे!

डिजिटल दौर में फोटोग्राफरों की मांग

पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों में लोग अपने विवाह समारोह के पलों को फिल्मों के फोटो में कैद करना चाहते हैं। इससे कैमरे पर तस्वीरें खींचने वाले फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है। डिजिटल के मुकाबले फिल्म पर शूट की गई फोटो सॉफ्ट होती है।

यह धीमी और अधिक एनालॉग प्रक्रिया कई जोड़ों को पुराने जमाने के मीडियम की ओर आकर्षित कर रही है। अब कई जोड़ों को अपने विवाह के फोटो तत्काल की बजाय कुछ दिन बाद मिलते हैं। एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में स्थित वेडिंग फोटोग्राफर अन्ना अर्बन का कहना है, पिछले एक वर्ष से फिल्म फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है।

वैसे,वे अब भी डिजिटल कैमरे इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने सितंबर 2022 में बढ़ती मांग के कारण अपने क्लाइंट्स को फिल्म फोटोग्राफी ऑफर करना शुरू किया है। वे एक फिल्म रोल के लिए लगभग दस हजार रुपए लेती हैं। उनके पांच फीसदी वेडिंग क्लाइंट अपने पैकेज में फिल्म फोटोग्राफी शामिल करते हैं। वे बताती हैं, लोग कुछ अलग करना चाहते हैं। लंदन की फोटोग्राफर केट हेंपसन ने मई 2022 में सभी शादियों की तस्वीरें फिल्म पर खींचना शुरू किया है। उन्होंने अपने करिअर के शुरुआती वर्षों में डिजिटल फोटोग्राफी की है। वे डिजिटल फोटो के नतीजों से खुश नहीं हैं। बैकअप के तौर पर डिजिटल कैमरा साथ रखती हैं।

सैनफ्रांसिस्को की वेडिंग फोटोग्राफर जिलियन मिशेल न्यूयॉर्क और लॉसएंजिलिस में ज्यादा काम करती हैं। उन्होंने अधिकतर शादियों को फिल्म पर शूट किया है। 2009 में वेडिंग फोटोग्राफर के रूप में काम शुरू करने वाली मिशेल सभी फोटो डिजिटल कैमरे से खींचती थीं।

लेकिन, वे जल्द ही फिल्म की तरफ मुड़ गईं। वैसे, मिशेल कम रोशनी वाले फोटो डिजिटल कैमरे से लेती हैं। उनका कहना है, डिजिटल इमेज की तुलना में फिल्म की फोटो ज्यादा खूबसूरत लगती है। कुछ फोटोग्राफर फिल्म फोटो का लुक डिजिटल फार्मेट जैसा बनाना चाहते हैं।

आर्टिस्टिक तस्वीरें

एक फोटोग्राफर कहती हैं, फिल्म के फोटो डिजिटल से बेहतर नजर आते हैं। वे फिल्म पर फोटो उतारने की तुलना आयल पेंटिंग से करती हैं। फिल्म से अच्छी आर्टिस्टिक तस्वीरें बनती हैं।

नौकरी मिलने की उम्मीद बढ़ाएं ये टिप्स

नौकरी पाने की जल्दी में अक्सर लोग रिजेक्ट हो जाते हैं। ये उपाय जॉब मिलने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देंगे।

ड्रीम जॉब नहीं होता

यदि आपका मैनेजर वैसा नहीं है, जैसा आप चाहते थे, साथ देने वाले और प्रोत्साहित करने वाले कुलीग्स नहीं हैं या ऑफिस का वर्क-कल्चर आपकी उम्मीद से

जुदा है, तो ऐसी जगह पर काम करके आप खुश और संतुष्ट नहीं रहेंगे। जिसे ड्रीम जॉब मान रहे हैं, वो सबसे खराब भी साबित हो सकता है।

हर बात को सही ना मानें

कई बार नौकरी के लिए दिए गए जॉब डिस्क्रिप्शन बेहद खराब तरीके से लिखे होते हैं। अक्सर इन्हें पांच से दस साल में अपडेट किया जाता है। इस दौरान जो बदलाव होते हैं, उनकी जानकारी नहीं दी जाती है। किसी भी नौकरी के विवरण पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। केवल गाइड की तरह ही देखना चाहिए।

उपलब्धि हाईलाइट करें

अमूमन कोई भी रिक्रूटर एक एप्लिकेशन पर लगभग सात सेकंड या उससे भी कम समय के लिए रुकता है। इसके बाद वो उसे या तो फेंक देता है या संभाल कर रख लेता है। अपना रिज्यूमे सबसे अलग दिखाना चाहते हैं तो इसे कंपनी और अपने नेचर ऑफ जॉब के अनुसार तैयार करें। खास उपलब्धियों को हाईलाइट करें।

कवर लेटर जरूरी है

कवर लेटर ऐसा होना चाहिए, जो बताता हो कि कैसे आपकी स्किल्स की कंपनी को जरूरत है। कवर लेटर पर आपके किए गए किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के नतीजों का पूरा विवरण भी होना चाहिए। इस संस्थान में आपकी रुचि किसलिए पैदा हुई, इसकी वजह भी कवर लेटर पर स्पष्ट रूप से लिखी जा सकती है।

ओवरसाइज्ड कपड़ों की हैं शौकीन? इन तरीकों से करें स्टाइल

कपड़ों को स्टाइल करने के लिए आपको सबसे पहले लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को जानना जरूरी होता है। इसके अलावा अपनी बॉडी टाइप को समझना बेहद जरूरी होता है।

स्टाइलिश दिखना हम सभी को बेहद पसंद होता है और इसके लिए हम बड़े-बड़े बॉलीवुड स्टार्स को फॉलो भी करते हैं। बदलते दौर में आज इन्टरनेट पर इससे जुड़े कई ट्रेंड्स और वीडियोज देखने को मिल जाएंगे, लेकिन जरूरी नहीं है कि यह लुक आप पर भी उतने ही जचें।

आजकल की बात करें तो चलन में ओवरसाइज कपड़ों को काफी पसंद किया जा रहा है, लेकिन इसकी स्टाइलिंग में कमी रहने के कारण कई बार हम अपना लुक बिगाड़ लेते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ आसान टिप्स जिनकी मदद से आप आसानी से ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल कर पाएंगी और अपने लुक में चार चांद लगा पाएंगी।

ओवरसाइज कुर्ती स्टाइल ड्रेस को स्टाइल कैसे करें?

ओवरसाइज कुर्ती स्टाइल ड्रेस को आप कई तरीके से स्टाइल कर सकती हैं। हालांकि यह लुक कम्फ़र्टेबल दिखने और महसूस करने के लिए ज्यादातर पसंद किया जाता है, लेकिन इसे भी आप स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। कुर्ती स्टाइल ड्रेस की बात करें तो इसकी लेंथ लगभग घुटने के आस-पास होती है तो इसके साथ आप बालों के लिए सिंपल मेसी स्टाइल बन हेयर स्टाइल बना सकती हैं। साथ ही चाहे तो गले में लॉन्ग चैन वाला नेक पीस स्टाइल कर सकती हैं।

वेस्टर्न स्टाइल ओवरसाइज ड्रेस को कैसे स्टाइल करें?

यह लुक ज्यादातर बीच पार्टी में कैरी किया जाता है और इस लुक को इजी-ब्रीजी लुक भी कहा जा सकता है। ज्यादातर इस तरह के लुक में हम फ्लोरल या प्रिंटेड स्टाइल की ड्रेस को चुनते हैं तो हमें इसकी स्टाइलिंग भी उसी प्रकार करनी चाहिए। इसके साथ आप शेड्स को स्टाइल कर सकती हैं और पैरों में सिंपल स्लीपर्स को पहन सकती हैं। वहीं हील्स को आप अवॉयड ही करें।

ट्रेडिशनल ओवरसाइज सूट को कैसे

करें स्टाइल?

आजकल लूज डिजाइन के सूट को काफी पसंद किया जाने लगा है। इस तरह के पैटर्न के साथ आप बालों को ओपन और नेचुरल टेक्सचर का ही रखें। वहीं मेकअप के लिए मिनिमल कलर पैलेट को चुनें। इसके अलावा आप इसे प्लाजो से लेकर सलवार या पैन्ट्स तक के साथ पहन सकती हैं। ज्वेलरी के लिए आप हैवी इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

अगर आपको ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल करने के ये आसान टिप्स हों, तो इस आर्टिकल को शेयर करना न भूलें। साथ ही, इस आर्टिकल पर अपनी राय हमें ऊपर दिए गए कमेंट सेक्शन में जरूर बताएं। ऐसे अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।

ऑफिस जाने वाले लोगों को हो सकती हैं ये स्किन प्रॉब्लम्स

गर्मी के मौसम में हम सभी घर से बाहर कदम रखने से कतराते हैं। हालांकि, ना चाहते हुए भी हमें बाहर निकलना ही पड़ता है। हर दिन ऑफिस जाना होता है और ऐसे में अपनी स्किन के साथ-साथ सेहत का ख्याल रखना भी उतना ही जरूरी होता है। ऐसा देखने में आता है कि सूरज की तेज रोशनी तो कभी अचानक आने वाली बारिश स्किन को परेशान कर सकती है। ऐसे में आपको स्किन में रूखापन, इरिटेशन, सनबर्न, टैनिंग आदि

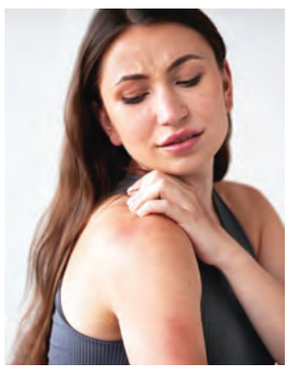

की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। लंबे समय तक ऐसा होने से स्किन को बहुत अधिक नुकसान पहुंच सकता है।इसलिए, किसी भी स्किन प्रॉब्लम से निपटने से पहले आपको यह अवश्य जानना चाहिए कि आपको कौन-कौन सी समस्याएं अपना निशाना बना सकती हैं।

स्किन इरिटेशन की समस्या

अगर आपका ऑफिस दूर है और आपको लगातार घर से बाहर

रहने की जरूरत पड़ती है। तो ऐसे में स्किन में इरिटेशन या रूखेपन की समस्या आपको परेशान कर सकती है। दरअसल, जब आप धूप में रहते हैं तो इससे आपकी स्किन की नमी कहीं खो जाती है। जिसके कारण आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व इरिटेटिड महसूस होती है।

इतना ही नहीं, अगर आप बारिश के संपर्क में आते हैं तो उसके पानी के कारण भी स्किन में इरिटेशन हो सकता है। इसलिए, ऑफिस जाने से पहले अपनी स्किन पर नॉन-ऑयली व लाइटवेट मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें।

सन टैनिंग की समस्या

ऑफिस गोइंग पर्सन में स्किन सन टैनिंग की समस्या बेहद आम है। यह एक ऐसी स्किन प्रॉब्लम है, जिसका सामना हर मौसम में करना पड़ता है। जब आप घर से ऑफिस जा रही हैं तो ऐसे में आपकी स्किन धूप के संपर्क में आती है और फिर सन टैन होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप घर से बाहर निकलने से पहले अपनी स्किन पर सनस्क्रीन अवश्य लगाएं, जिससे सूरज की धूप के कारण आपकी स्किन डैमेज ना हो। इसके अलावा, खुद को मैक्सिमम कवर करने की कोशिश करें। सन टैनिंग को दूर करने के लिए हर 15 दिन से बॉडी को एक्सफोलिएट भी अवश्य करें।

ऑयली स्किन की समस्या

जब मौसम का तापमान बढ़ता है तो इसके कारण आपको ना केवल अत्यधिक पसीना बल्कि स्किन में ऑयलीनेस की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। खासतौर से, जिनकी स्किन ऑयली होती है, उनकी स्किन में अधिक ऑयल प्रोडक्शन होता है। जिसके कारण ना केवल आपकी स्किन अधिक गंदी व ऑयली नजर आती है, बल्कि ऑयल के कारण आपके पोर्स क्लॉग हो जाते हैं और ब्रेकआउट्स व एक्ने की समस्या भी हो सकती है।

कई बार हम इस गंदगी व ऑयल को दूर करने के लिए ऑफिस में भी अपनी स्किन को वॉश करते हैं। हालांकि, बार-बार स्किन क्लीनिंग के कारण भी सीबम उत्पादन अधिक होता है और आपकी स्किन अधिक ऑयली बनती है। इसलिए, अपनी स्किन को ब्लोटिंग पेपर से साफ करें। सुबह फेस क्लीन करने के बाद स्किन पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें।

हीट रैशेज

अगर आप एक ऑफिस गोइंग पर्सन हैं तो आपको समर सीजन में हीट रैशेज की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, बहुत लंबे समय तक घर से बाहर रहने के कारण आपकी स्किन पर छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं, जिसमें खुजली व चुभन का अहसास होता है।

यह दाने आपकी पूरी स्किन पर हो सकते हैं। इसलिए, अगर आप ऐसी स्किन प्रॉब्लम से बचना चाहती हैं तो अपने कपड़ों पर विशेष रूप से ध्यान दें। कोशिश करें कि आप लाइटवेट, लूज फिटिंग के कॉटन क्लॉथ्स को ही प्राथमिकता दें। इसके अलावा, इस सीजन में एंटी-बैक्टीरियल सोप से खुद को क्लीन करें।

नवउद्यमों से कंपनी सेक्रेटरी के लिए अवसर बढ़े

कंपनी सचिव (सीएस) किसी कंपनी का केंद्र बिंदु होता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के लागू होने के बाद सीएस के लिए अवसर खूब बढ़ गए। 'मेक इन इंडिया अभियान के आने और नवउद्यमों के दौर ने इस पद के लिए नए अवसर गढ़े हैं। इस लेख में जानेंगे कि भारत में कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) बनने के लिए किन योग्यताओं की जरूरत है, कौन-कौन सी परीक्षाएं पास करनी होती हैं और एक कंपनी सचिव को सालाना कितना वेतन मिलता है।

क्या होता है काम

किसी कंपनी की प्रशासनिक और कानूनी जिम्मेदारियों को संभालने का कार्य मुख्य रूप से कंपनी सचिव का ही होता है। यह एक बहुत ही जिम्मेदारी भरा पद है। कंपनी सचिवों पर परिणाम देने का लगातार दबाव रहता है। कंपनी के सभी वैधानिक वेतन और कानूनी काम वही करता है। कंपनी के सभी कानूनी दस्तावेजों पर सीएस ही हस्ताक्षर करता है। निजी कंपनियों में तो यह एक बहुत ही सम्मानजनक पद होता है। कंपनी के बोर्ड आफ डायरेक्टर और कंपनी के मध्य तालमेल बिठाना, कंपनी और उसके शेयर धारकों के बीच समन्वय स्थापित करना कंपनी सचिव का मुख्य कार्य है। कंपनी सचिव वार्षिक रिटर्न के

लिए भी जिम्मेदार होता है। सीएस का कार्य व्यवसाय और कंपनी कानूनों पर सलाह देना होता है। उसे वित्तीय, वाणिज्यिक और कानून की समझ होना बेहद जरूरी है।

कोर्स पूरा करने वाले छात्रों के लिए संबंधित संस्थान हर साल प्लेसमेंट का कार्यक्रम आयोजित करता है। हाल के दिनों में किसी कंपनी में सीएस का वेतन शुरुआत में ही एक लाख रुपए प्रतिमाह से ज्यादा होता है। योग्यता और अनुभव के आधार पर पांच से 12 लाख प्रतिमाह तक मिल जाते हैं।

क्या हैं पात्रता की शर्तें

यह सरकार द्वारा बहुत कम खर्च का दूरस्थ प्रणाली के जरिए एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम है, जिसमें शानदार आय है। इसे 12वीं के बाद कर सकते हैं, या फिर स्नातक के बाद प्रवेश ले सकते हैं। जिन्होंने कामर्स विषय के साथ बारहवीं किया हुआ है, उनको सीएस का कोर्स बहुत लाभ देगा। उसके बाद नौकरी करते हुए एमबीए की उपाधि लेकर आप अपने लिए वेतन के शानदार मानक बना सकते हैं। इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया (आइसीएसआइ) की तरफ से प्रस्तावित कंपनी सचिव कोर्स तीन भागों में विभाजित है।

फाउंडेशन

इसमें चार विषय शामिल हैं। इनमें अंग्रेजी और बिजनेस कम्युनिकेशन, अर्थशास्त्र व सांख्यिकी, फाइनेंशियल अकाउंटिंग तथा बिजनेस ला व मैनेजमेंट एलिमेंट जैसी चीजों के बारे में बताया जाता है।

एग्जिक्यूटिव

इसमें छह विषय शामिल हैं। इनमें जनरल और कमर्शियल ला, कंपनी अकाउंट्स, कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, टैक्स ला आदि के बारे में बताया जाता है। कंपनी ला, आर्थिक और श्रम कानून, सुरक्षा से जुड़े कानून के बारे में बताया जाता है।

एग्जिक्यूटिव और प्रोफेशनल परीक्षा पास करने के बाद छात्र को व्यावहारिक एवं प्रबंधन प्रशिक्षण के लिए जाना पड़ता है। इसके बाद ही उसे कंपनी सचिव की योग्यता प्रदान की जाती है। परीक्षा पूरी करने के बाद छात्र को 15 माह किसी कंपनी के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है। इस दौरान उसे कंपनी द्वारा मानदेय भत्ता भी दिया जाता है। ये सभी चीजें पूरा करने के बाद छात्र इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरी आफ इंडिया (आइसीएसआइ) की सदस्यता हासिल कर सकता है।

प्रोफेशनल

इसमें आठ विषय शामिल हैं, एडवांस्ड कंपनी ला, एडवांस्ड कार्पोरेट अकाउंटिंग, एडवांस्ड कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, एडवांस्ड टेक्सेशन, एडवांस्ड टेक्सेशन ला, एडवांस्ड इंडस्ट्रियल ला, सिक्योरिटी ला एंड कम्पलाइंस, कार्पोरेट गवर्नेंस एंड डायरेक्टर्स लायबिलिटी।

रेलवे में ग्रुप-डी के 22195 पदों पर भर्ती, 10वीं और आईटीआई पास आज से करें आवेदन

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने ग्रुप डी के 22195 पदों के लिए भर्ती 2026 निकाली है। आईटीआई और 10वीं पास उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया आज से शुरू होगी। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट rrbchennai.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 2 मार्च, 2026 है। इस भर्ती के तहत कुल 21,997 पदों को भरा जाएगा।

आवेदन के लिए जरूरी योग्यता

इस भर्ती के लिए उम्मीदवार का 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके अलावा आईटीआई, समकक्ष योग्यता या एनसीवीटी से राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र (NAC) रखने वाले अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा की बात करें तो उम्मीदवार की उम्र 01 जनवरी 2026 तक 18 से 33 वर्ष के बीच होनी चाहिए। नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट भी दी जाएगी।

कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

आवेदन शुल्क सामान्य/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी-एनसीएल वर्ग के लिए 500 रुपये रखा गया है, जिसमें से 400 रुपये सीबीटी परीक्षा में उपस्थित होने पर वापस कर दिए जाएंगे। वहीं एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी/महिला / पूव सैनिक/ट्रांसजेंडर/अल्पसंख्यक/ईबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए शुल्क 250 रुपये है, जो सीबीटी में शामिल होने पर पूरी तरह वापसी योग्य होगा।

कैसे होता है चयन?

रेलवे के लेवल-1 पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT), शारीरिक दक्षता परीक्षण (PET), दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण के आधार पर किया जाता है।

पहले चरण में उम्मीदवारों को CBT परीक्षा में बैठना होता है, जिसमें उनके ज्ञान और योग्यता का मूल्यांकन किया जाता है। इसके सफल होने पर PET आयोजित किया जाता है, जिसमें शारीरिक क्षमता का परीक्षण किया जाता है। इसके बाद उम्मीदवारों के दस्तावेज और मेडिकल परीक्षण के आधार पर अंतिम चयन तय होता है।

कितना मिलेगा वेतन?

विभिन्न लेवल-1 पदों पर चयनित उम्मीदवारों को 7वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के वेतन मैट्रिक्स के लेवल-1 में रखा जाएगा, जिसमें प्रारंभिक वेतन 18,000 प्रति माह होगा। इसके अलावा, उम्मीदवारों को केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार अन्य भत्ते और सुविधाएं भी प्राप्त होंगी, जैसे कि हाउस रेंट अलाउंस, महंगाई भत्ता और अन्य लाभ।

10वीं पास उम्मीदवारों के लिए ग्रामीण डाक सेवक बनने का मौका

भारतीय डाक विभाग ने ग्रामीण डाक सेवक (GDS) के पदों के लिए भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 से शुरू गई है। रजिस्ट्रेशन 31 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक रहेगी, जबकि आवेदन फॉर्म 2 फरवरी से 16 फरवरी 2026 के बीच सब्मिट करना होगा।

फॉर्म में सुधार की सुविधा 18 से 19 फरवरी 2026 के बीच उपलब्ध होगी। इस भर्ती में 10वीं पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार indiapostgdsonline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क जमा करने की आखिरी तारीख 16 फरवरी 2026 है और पहली मेरिट लिस्ट 28 फरवरी 2026 को जारी की जा सकती है।

आवेदन के लिए योग्यता

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को 10वीं कक्षा पास होना अनिवार्य है, जिसमें मैथ्स और अंग्रेजी शामिल हों। इसके अलावा जिस सर्किल के लिए आवेदन कर रहे हैं, वहां की स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिए। उम्मीदवारों को कंप्यूटर का ज्ञान होना जरूरी है और साइकिल चलाना भी आना चाहिए।आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है। हालांकि, आरक्षित वर्गों को आयु में छूट दी गई है — अनुसूचित जाति (SC) को 5 साल और ओबीसी वर्ग को 3 साल की छूट मिलेगी।

वेतनमान और चयन प्रक्रिया

पद के अनुसार वेतनमान अलग-अलग है। बीपीएम के लिए 12,000 रुपये से 29,380 रुपये और एबीपीएम/डाक सेवक के लिए 10,000 रुपये से 24,470 रुपये है। चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन जमा आवेदनों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को डिविजनल हेड के पास जाकर दस्तावेज़ सत्यापन कराना होगा।

मैंने शराब और पार्टियों को कहा अलविदा : निधि अग्रवाल

मुझे थोड़ी एंग्जायटी फील होने लगी थी। मैं उसे एंजॉय नहीं करती थी। मैं पैनिक फील करने लगी थी तो मैंने सोचा मैं इसे पसंद नहीं कर रही हूं। मेरी बॉडी इसे स्वीकार नहीं कर रही है। तो उसके बाद नो पार्टी, नो क्लबिंग ।

साऊथ और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली निधि अग्रवाल अपनी फिल्मों को लेकर छाई रहती है। हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आई निधि अपनी प्रोफैशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रही है। फैंस उसके रे में जानने के लिए हमेशा एक्साइटेड रहते हैं।

निधि ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई खुलासे किए। उसने बताया कि उसके दोस्त उसे स्टार नहीं मानते हैं।

वे सब एक- दूसरे से बहुत ही नॉर्मल बात करते हैं। साथ ही बताया कि उसने छह साल पहले शराब और पार्टी लाइफ छोड़ दी थी। इसके पीछे की उसने वजह भी बताई।

निधि ने कहा, मेरे दोस्त मुझे बहुत ही नॉर्मली ट्रीट करते हैं। मेरे दोस्तों के दो ग्रुप हैं। एक फन ग्रुप जो मस्ती करते हैं, बाहर जाते हैं। मैंने पिछले 6 सालों से शराब नहीं पी है । मेरी जिंदगी का वह हिस्सा लगभग खत्म हो 'चुका' है। दूसरे कुछ ऐसे दोस्त हैं जो मेरे साथ 20- 22 साल से हैं। हम जब मिलते हैं तो कॉफी के लिए जाते हैं, ग्रीन टी पीते हैं । हम बात करते हैं, सम्पर्क में हैं लेकिन हम अपने काम के बारे में ज्यादा बात नहीं करते हैं। मुझे नहीं पता मैंने शराब पीना क्यों छोड़ दिया मगर एक वक्त ऐसा आया जब मुझे अच्छा नहीं लगता, था अगर मैं शराब पी लेती थी ।

निधि ने आगे कहा, "मुझे थोड़ी एंग्जायटी फील होने लगी थी। मैं उसे एंजॉय नहीं करती थी । मैं पैनिक फील करने लगी थी तो मैंने सोचा मैं इसे पसंद नहीं कर रही हूं। मेरी बॉडी इसे स्वीकार नहीं कर रही है । तो उसके बाद नो पार्टी, नो क्लबिंग । मैं लोगों के साथ बाहर जाती हूं लेकिन शराब नहीं पीती ।

भीड़ ने की थी बदसलूकी

फिल्म 'द राजा साब' के प्रचार के दौरान एक इवैंट भीड़ ने उसे बुरी तरह से घेर लिया था । निधि ने इस हादसे को लेकर बात करते हुए कहा, " आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पूरे भारत से ज्यादा थिएटर हैं । फिल्में वहां के कल्चर का हिस्सा हैं। लोग हर वीकेंड पर फिल्में देखते हैं। स्टार्स को फैमिली की तरह सैलिब्रेट करते हैं। यह प्यार बहुत खूबसूरत है लेकिन अति किसी भी चीज की बुरी होती है ।

निधि ने इस मुद्दे को संवेदनशील बताते हुए कहा कि उसके पास इस मुद्दे पर बोलने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन वह इस पर सोच-समझकर और सही प्लेटफॉर्म पर बात करना चाहती है । उसका मानना है कि इस तरह के मामलों में जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए। चाहे वह पर्सनल रिश्ता हो या फिर किसी आर्टिस्ट और फैंस के बीच का रिश्ता, बहुत ज्यादा प्यार कभी पसंद नहीं किया जाता। प्यार में सम्मान भी शामिल है। सम्मान का मतलब है स्पेस ।

नैगेटिव प्रचार भी होता है

निधि ने यह खुलासा भी किया कि उसे भी नैगेटिव प्रचार का सामना करना पड़ा था । उसने कहा, "इतना 'नैगेटिव पी.आर.' होता है। बहुत सारे तरीकों से हमले होते हैं। यहां तक कि 'बुक माय शो' और 'आई.एम.डी.बी.' रेटिंग्स जैसी चीजों में भी गड़बड़ होती है। पेड रिव्यूज का खास वर्ग भी है। लोग दूसरों को नीचा दिखाने के लिए बहुत पैसा खर्च करते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि लोग खुद को ऊपर उठाने से ज्यादा पैसा दूसरों को नीचे गिराने में लगाते हैं। 'हाल ही में मुझ पर भी एक - दो नैगेटिव अभियान शुरू हुए थे, लेकिन हमने उन्हें तुरंत रोक दिया क्योंकि मैंने सोचा - यार मैं तो खुद को अच्छे तरीके से आगे बढ़ाऊंगी, लेकिन अगर तुम कुछ नकारात्मक करोगे, तो मैं भी तुम्हें वैसा ही जवाब दूंगी।

असली तंदुरुस्ती मन से शुरू होती है : 'कुब्रा सैत'

आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में लोग जिम, डाइट प्लान और टूटे हुए हाथ को ठीक होने में मुझे अढ़ाई साल लगे। दूसरी ओर डिसिप्लिन,सोशल मीडिया फिटनेस ट्रैंड्स में इतने उलझ गए हैं कि वे यह भूल गए हैं कि असली स्वास्थ्य का आधार क्या है। इस कड़ी में कुब्रा सैत ने अपने विचार साझा किए हैं। अभिनेत्री, टैलीविजन होस्ट और मॉडल कुब्रा 42 साल की उम्र में भी एक मजबूत और फिट बॉडी बनाए हुए है। अपने बेबाक आत्मविश्वास, बॉडी इमेज और मैंटल हैल्थ पर खुलकर बात करने के लिए जानी जाने वाली कुब्रा का मानना है कि सच्ची फिटनैस सिर्फ दिखावे से कहीं ज्यादा है ।

उसने कहा कि फिटनैस का असली मतलब केवल वजन कम करना या मसल्स बनाना नहीं होता, बल्कि मानसिक मजबूती और आत्म- रूकता भी बहुत अहम हैं।कुब्रा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, "समय के साथ फिटनैस और स्वास्थ्य को लेकर मेरी सोच पूरी तरह बदल गई। पहले मैं केवल सुंदरता और शरीर की शेप को लेकर चिंतित रहती थी, लेकिन अब मेरा फोकस मानसिक स्वास्थ्य पर है। असली तंदुरुस्ती मन से शुरू होती है।

'आज के दौर में सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि लोग दिखावे और बाहरी रूप पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हम सभी फिटनेस टिप्स, हैक्स और ट्रैंड्स से घिरे हुए हैं, लेकिन हम भूल जाते हैं कि हर शरीर अलग होता है। कोविड-19 महामारी के दौरान फिटनैस जर्नी में आए मोड़ को लेकर ब्रा ने बताया कि उस वक्त एहसास हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य, हार्मोन और शरीर के कामकाज का आपस में कितना गहरा रिश्ता है। उसने कहा, कोविड के समय मुझे यह समझ में आया कि हमारा शरीर किस तरह से डोपामिन, सेरोटोनिन, एस्ट्रोजन और टैस्टोस्टेरोन जैसे रसायनों से जुड़ा होता है, जिन्हें हमारा दिमाग नियंत्रित करता है । अगर मानसिक रूप से संतुलन न हो, तो शरीर पर इसका असर तुरंत दिखता है ।

कुब्रा ने कहा, " अच्छी फिटनैस न उम्र से तय होती है, न शरीर के आकार से और न ही समाज की अपेक्षाओं से । असली फिटनैस का मतलब भीतर की

मजबूती और मानसिक संतुलन है। जब मन का ख्याल रखा जाता है, तो शरीर अपने आप साथ देता है ।

उसने कहा, 21वीं सदी में, अगर हम अपने दिमाग पर फोकस करें और दिमाग और शरीर दोनों के साथ डिसिप्लिन में रहें, तो यही परफैक्ट बैलेंस है। हमारे आस-पास सब कुछ स्ट्रैसफुल है- काम, माहौल, प्रदूषण और बुरे दिन । अगर आपका दिमाग मजबूत नहीं है, तो सबसे पहले यह आपके शरीर पर असर डालता है।

कैसा वर्कआऊट पसंद है ?

क्या वह किसी खास वर्कआऊट स्टाइल, स्ट्रैंथ ट्रेनिंग, योग, पिलेट्स, या फंक्शनल फिटनैस को फॉलो करती है या अपने शैड्यूल के हिसाब से इसे मिक्स करती है, पर उसने कहा, "मैं इसे मिक्स करती हूं। अनुशासन जरूरी है तभी आपको नतीजे दिखेंगे जब आप कोई चीज लगातार करेंगे। ट्रैंड्स को आंख बंद करके फॉलो करने के बजाय, कुछ ऐसा करना ज्यादा जरूरी है जिसका आप आनंद लें।

यूं हुई 'बॉर्डर 2' में 'इशिका' की एंट्री

फिल्म 'दंगल' से मशहूर हुई इशिका गगनेजा इन दिनों फिल्म 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ की बहन सुखमिंदर का किरदार निभाने को लेकर चर्चा में है। 'द ब्रोकन न्यूज सीजन 2', 'साइलेंस 2' जैसी वैब सीरीज और 'धड़क' जैसी फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभा चुकी इशिका ने बताया कि उसे 'बॉर्डर 2' कैसे मिली।

उसने कहा, बॉर्डर के लिए मुझे मुकेश छाबड़ा कास्टिंग कंपनी से ऑडिशन के लिए ऑफर आया था। उसके बाद मेरे 3 राऊंड ऑडिशन हुए और फिर मैं फिल्म के डायरैक्टर अनुराग सिंह से मिली । उन्होंने मुझे बताया कि जब आपका पहला ऑडिशन देखा, तभी हमें सुखमिंदर मिल गई थी। उसके बाद मेरा लुक टैस्ट हुआ था।

इस फिल्म को लेकर अपने माता-पिता के रिएक्शन के बारे में

उसने बताया, वे बहुत खुश थे। वे मुझे बताते थे 'बॉर्डर' देखने के लिए लोग ट्रक भरकर जाते थे । वह कितनी बड़ी फिल्म थी। उस वक्त मेरा तो जन्म ही नहीं हुआ था । बचपन से सुनते आ रहे हैं, गाने सुनते आ रहे हैं। जब मैंने पेरैंट्स को बताया कि मैं इस पार्ट के लिए सिलैक्ट हो गई हूं तो वे बहुत उत्साहित हो गए। इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना बड़ी बात है। उन्होंने मुझे कहा कि बस अपने किरदार के साथ न्याय करना ।

फिल्म की रिलीज से पहले वरुण धवन की ट्रोलिंग पर उसने कहा, "बहुत ही बेतुका था। मुझे तो बहुत बुरा लगा क्योंकि तब तक तो फिल्म के छोटे-छोटे पार्ट्स आए थे, फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई थी। मुझे यह बहुत बेतुका लगा। मुझे बुरा लगा कि बेवजह ट्रोलिंग हो रही है।

'बॉर्डर 2' से अपनी अपेक्षाओं के बारे में उसने कहा, "मैं चाहती हूं कि इस फिल्म का जो मैसेज है, जो मकसद है हमारी सेना को सम्मान देना और दर्शकों को प्रेरित करना, वह अगर सफल हो जाएगा तो बाकी बॉक्स ऑफिस पर यह अपने आप ही ब्लॉकबस्टर हो जाएगी। जब दर्शकों को फिल्म पसंद आती है तो वे उसे देखने बार-बार जाते हैं ।

100 गरीबों का घर चलाते हैं, जन्मदिन पर पढ़ें जैकी श्रॉफ से जुड़े रोचक किस्से

जैकी श्रॉफ बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक हैं, जो जमीन से उठ कर आए हैं। मशहूर एक्टर बनने से पहले जैकी श्रॉफ झुग्गी में रहे। उन्होंने जिंदगी गुजारने के लिए कई छोटो-मोटे काम किए। बॉलीवुड की 250 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता आज अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने राम लखन, खलनायक, रंगीला, और हलचल जैसी बेहतरीन फिल्मों में अभिनय किया है। 1 फरवरी 1957 को जन्मे जैकी श्रॉफ के बारे में जानें उनसे जुड़े कुछ अनसुने किस्से।

देव आनंद ने दिया फिल्म में मौका

अभिनेता देव आनंद ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने जैकी श्रॉफ को सबसे पहले फिल्मों में आने का मौका दिया। देव आनंद ने जैकी श्रॉफ की मॉडलिंग की कुछ तस्वीरें देखी थीं। उन्होंने तय कर लिया था कि जैकी श्रॉफ को फिल्म में रोल देंगे। फिल्म 'स्वामी दादा (1982)' में उन्होंने जैकी श्रॉफ को एक छोटा रोल दिया। इस फिल्म के बाद जैकी श्रॉफ को कई फिल्में मिलीं।

कुत्ते की वजह से मिली फिल्म

जैकी श्रॉफ को जिस तरह से बतौर लीड एक्टर पहली फिल्म मिली थी वह किस्सा बहुत रोचक है। बताया जाता है कि सुभाष घई अपनी फिल्म 'हीरो' (1983) के लिए एक नया चेहरा चाहते थे। ऐसे में उन्होंने जैकी श्रॉफ को अपने कुत्ते के साथ टहलते हुए देखा। जैकी श्रॉफ के रफ-टफ

लुक और कुत्ते के प्रति उनके लगाव ने सुभाष घई को काफी प्रभावित किया। इसके बाद सुभाष घई ने जैकी श्रॉफ को फिल्म में लीड रोल के लिए लिया।

फिल्म को लेकर बदला नाम

फिल्म 'हीरो' के लिए निर्देशक सुभाष घई ने जैकी श्रॉफ का नाम बदल दिया था। जैकी श्रॉफ का पूरा नाम 'जयकिशन काकूभाई श्रॉफ' है। उन्होंने उनका नाम 'जैकी' कर दिया। 'हीरो' की शूटिंग से पहले जैकी श्रॉफ का बाइक से एक्सीडेंट हो गया था। इस दुर्घटना में उनके आगे के दो दांत टूट गए थे। चोट के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और फिल्म की शूटिंग की।

कर्ज चुकाने के लिए बेचना पड़ा फर्नीचर

साल 2003 में फिल्म 'बूम' रिलीज हुई थी। यह फिल्म के फ्लॉप होने और पायरेसी की वजह से जैकी श्रॉफ कर्ज में डूब गए थे। बताया जाता है कि जैकी श्रॉफ को कर्ज देने के लिए घर का फर्नीचर तक बेचना पड़ गया था। फिल्म की निर्माता जैकी श्रॉफ की पत्नी आयशा श्रॉफ थीं। इसमें अमिताभ बच्चन और कट्रीना कैफ जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था।

मशहूर होने से पहले बेची मूंगफली

अभिनेता जैकी श्रॉफ का संघर्ष किसी फिल्म की कहानी की तरह है। वह ऐसे सितारे हैं जिन्होंने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। इंडस्ट्री में आने से पहले जैकी श्रॉफ ने कई छोटे-मोटे काम किए। एक वक्त ऐसा था जब उन्होंने सिनेमाघरों और बस स्टैंड पर मूंगफली बेची। बताया जाता है कि जैकी श्रॉफ ने एक्स्ट्रा इनकम के लिए फिल्मों के पोस्टर भी चिपकाए हैं।

शेफ बनना चाहते थे जैकी

स्टार बनने से पहले जैकी श्रॉफ ने संघर्ष की जिंदगी गुजारी है। उन्होंने जिंदगी गुजारने लिए कई काम किए। करियर के शुरुआत में जैकी श्रॉफ मुंबई के मशहूर ताज होटल में शेफ बनना चाहते थे। चूंकि उनके पास योग्यता, डिग्री और अनुभव की कमी थी इसलिए उन्हें शेफ बनने का मौका नहीं मिला।

झुग्गी में रहे जैकी श्रॉफ

आज बड़े स्टार बन चुके जैकी श्रॉफ का बचपन मुंबई के तीन बत्ती इलाके में चॉल (झुग्गी) में बीता। वह 33 वर्षों तक एक छोटे कमरे में रहे। उन्हें शौचालय के लिए लंबी लाइन लगानी पड़ी। जैकी श्रॉफ मशहूर होने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहे।

100 गरीबों का चलाते हैं घर

जैकी श्रॉफ मशहूर होने के बावजूद अपने अतीत को नहीं भूले, इसी वजह से वह गरीबों की मदद करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह मुंबई में रहने वाले 100 गरीब परिवारों की मदद करते हैं। उनका खर्चा चलाते हैं और उनका इलाज भी कराते हैं। गरीबों की मदद और उनकी देखभाल के लिए उन्हें जग्गू दादा के नाम से बुलाया जाता है।

प्रेमिका से की शादी

जैकी श्रॉफ ने अपनी प्रेमिका आयशा दत्त से 5 जून 1987 में शादी की थी। आयशा एक मॉडल और फिल्म निर्माता हैं। दोनों का एक बेटा और एक बेटी है। बेटा टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के अभिनेता हैं। बेटी कृष्णा श्रॉफ कारोबारी और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर हैं।

क्या कपिल शर्मा के शो में एआर रहमान ने अपने बयान का किया बचाव?

संगीतकार एआर रहमान हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलने पर दिए गए अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। पिछले महीने उन्होंने यह कहकर सबका ध्यान खींचा था कि हाल के दिनों में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री 'सांप्रदायिक' हो गई लगती है। बाद में उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरह से लिया गया। अब उन्होंने कहा कि कोई भी संदेश आगे बढ़ने पर बदल सकते हैं।

एआर रहमान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नए एपिसोड में नजर आए। यहां उन्होंने कहा 'यह देखना दिलचस्प है कि जानकारी कैसे गलत समझी जाती है। अलग राज्य और अलग संस्कृति का असर पड़ता है। दुनिया के साथ यह दिक्कत है कि कोई भी संदेश बीच में ही खराब हो जाता है।'

'गांधी टॉक्स' पर बोले रहमान

एआर रहमान शो में अपनी नई फिल्म 'गांधी टॉक्स' के बारे में बात करने के लिए आए थे। इस फिल्म का निर्देशन किशोर बेलेकर ने किया है। इसमें विजय सेतुपति और अदिति राव हैदरी ने अहम किरदार निभाया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए संगीतकार ने कहा कि बिना डायलॉग वाली फिल्म में काम करने में आजादी

भी थी और दबाव भी था। उन्होंने कहा 'अगर किसी फिल्म में आवाज नहीं है तो यह संगीत के लिए जश्न है। आपके पास संगीत बनाने के लिए बहुत मौका है। हालांकि यह परेशान करने वाला भी है कि लोग आपको जज करेंगे।'

क्या बोले ये रहमान?

एआर रहमान ने हाल ही में बताया था कि पिछले आठ वर्षों में उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कम काम मिला है। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा 'शायद पिछले आठ वर्षों में पावर शिफ्ट हुआ है। अब पावर उन लोगों के पास है जो क्रिएटिव नहीं हैं। यह कोई सांप्रदायिक बात भी हो सकती है... लेकिन यह मेरे साथ नहीं हुआ।' उनके इस बयान पर कई सेलेब्स ने प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद रहमान ने सफाई दी थी।

'किसी के साथ 2-3 से ज्यादा फिल्में करते तो', गोविंदा के साथ रोमांस की अफवाहों पर नीलम कोठारी ने रखी राय

अभिनेता गोविंदा कई वजहों से अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। अब वह अभिनेत्री नीलम कोठारी के बयान के बाद चर्चा में आ गए हैं। 1980 और 1990 के दशक में गोविंदा ने नीलम कोठारी के साथ कई फिल्मों में काम किया। दोनों ने अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता। अक्सर उनके रोमांस की अफवाहें उड़ीं। गोविंदा ने यह माना कि वह नीलम की तरफ आकर्षित थे। उन्होंने उनसे शादी करने के बारे में सोचा था। हालांकि, नीलम ने अब इस तरह की बातों को पूरी तरह से खारिज किया है।

नीलम कोठारी ने इल्जामों को खारिज किया

उषा काकडे प्रोडक्शन के साथ बातचीत में नीलम कोठारी से गोविंदा के साथ रोमांस के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा

'यह किसने कहा? गोविंदा जी बहुत ही अच्छे इंसान हैं, मगर यह जो सवाल है, यह सच नहीं है। हमने कई हिट फिल्में की हैं। हमारे बीच कुछ नहीं था।'

साथ में फिल्में करने पर लगता था इल्जाम

एक्ट्रेस ने 90 के दशक में अपनी केमिस्ट्री को लेकर मीडिया में मचे बवाल के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि उस वक्त लिंक-अप्स पर कोई सफाई देने वाला नहीं था। उन्हें जो मन करता था, वे छाप देते थे। मुझे लगता है कि उन दिनों हम प्रेस से डरते थे। अगर आप किसी के साथ लगातार 2-3 से ज्यादा फिल्में करते थे, तो यह मान लिया जाता था कि... आप दोनों साथ हैं।'

नीलम के साथ गोविंदा की फिल्में

1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में, गोविंदा और नीलम कोठारी ने लगभग एक दर्जन फिल्मों में काम किया। इसमें 'इल्जाम', 'खुदगर्ज', सिंदूर, फर्ज की जंग, बिल्लू बादशाह, ताकतवर और घराना जैसी फिल्में शामिल हैं।

पत्नी से अनबन को लेकर सुर्खियों में गोविंदा

गोविंदा कुछ दिनों से अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के साथ कथित अनबन को लेकर सुर्खियों में हैं। इस मामले पर उन्होंने कहा कि 'शोहरत और दौलत के साथ साजिशें मुफ्त आती हैं। लोग मेरी चुप्पी को मेरी कमजोरी या गलती मान रहे थे, इसलिए अब जवाब देना जरूरी हो गया है।' उन्होंने बताया था कि उनके साथ कुछ लोग साजिश कर रहे हैं इसलिए उनकी पत्नी ने बहकावे में आकर उन पर गलत इल्जाम लगाए।

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय बजट 2026-27 को देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे भविष्य की नींव रखता है और आर्थिक विकास के साथ-साथ हर वर्ग के कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भवन में प्रस्तुत यह पहला बजट है, जिसमें रोजगार सृजन, जन अपेक्षाओं की पूर्ति और सबका साथ-सबका विकास की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, मध्यम वर्ग और श्रमिकों के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस बजट का सीधा फायदा छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को मिलेगा और राज्य के विकास को नई गति मिलेगी।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं। आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ाने की योजना बनाई गई है। पशुपालन और डेयरी सेक्टर को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत स्थानीय उद्योग और हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

युवाओं के लिए बजट को उम्मीदों से भरा बताते हुए

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और युवाओं को अपने ही क्षेत्रों में काम के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा और विदेशों में शिक्षा पहले की तुलना में अधिक सुलभ होगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने बजट को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि बायोफार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे कैंसर, डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों की दवाइयां सस्ती होंगी। जिला अस्पतालों के उन्नयन, हर जिले में इमरजेंसी और ट्रॉमा सेंटर की स्थापना, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के प्रावधान किए गए हैं। साथ ही मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए राज्यों में पांच क्षेत्रीय हब बनाए जाएंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं के साथ रोजगार भी बढ़ेगा।

महिला सशक्तिकरण को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि लखपति दीदी योजना के विस्तार से महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ा जाएगा। क्रेडिट-लिंक्ड सहायता के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जाएगा। इसके अलावा हर जिले में बालिकाओं के लिए छात्रावास निर्माण की घोषणा से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें बड़ी सुविधा मिलेगी।

उद्योग, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में बजट को दूरदर्शी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, नए जलमार्ग, टेक्सटाइल पार्क और खनिज कॉरिडोर की घोषणाएं आर्थिक मजबूती को बढ़ावा देंगी। सेमीकंडक्टर मिशन के लिए बड़े निवेश से औद्योगिक विकास और रोजगार को नई दिशा मिलेगी। खेलो इंडिया मिशन और शिक्षा सुधारों से बच्चों और युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

बजट को पूर्व सीएम बघेल ने बताया निराशाजनक

छत्तीसगढ़ को विशेष लाभ नहीं, अडानी के भरोसे छोड़ा

दुर्ग, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार के बजट को बेहद निराशाजनक करार देते हुए कहा है कि इसमें सभी क्षेत्रों के लोगों को निराशा ही हाथ लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट का असर प्रतिगामी नजर आ रहा है और कृषि, उद्योग, रोजगार व शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किए गए हैं।

आम जनता और मिडिल क्लास को राहत नहीं- बघेल

बघेल ने कहा कि बजट में आम जनता, विशेषकर मिडिल क्लास के लिए कुछ भी नया नहीं है। टैक्स स्लैब पहले जैसा ही रखा गया है, जिससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद टूट गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस बजट में शराब महंगी हो गई है और मछली सस्ती, लेकिन देश के विकास को लेकर कोई ठोस दिशा दिखाई नहीं देती। उनके मुताबिक, बजट पेश होने के बाद शेयर मार्केट का नीचे गिरना भी इसकी निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ को विशेष लाभ नहीं, अडानी के भरोसे छोड़ा- पूर्व सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने किसी भी राज्य को विशेष लाभ नहीं दिया और छत्तीसगढ़ को अडानी के भरोसे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जब भी छत्तीसगढ़ आते हैं, तो अडानी के लिए योजनाएं बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। शराब के मुद्दे पर बघेल ने कहा कि प्रदेश में अवैध शराब की बिक्री और निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं, धान खरीदी को लेकर उन्होंने डबल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार समय पर खरीदी नहीं कर पाई, तारीख निकल गई और किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए। भाजपा के नेता भी धान नहीं बेच पाए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छोटे किसानों से जबरन समर्पण कराया गया, जबकि बड़े किसानों को टोकन तक नहीं मिल पाए।

अब बीच में नहीं छूटेगी पढ़ाई! छत्तीसगढ़ की छात्राओं को विशेष लाभ, मिलेंगे बेहतर अवसर

रायपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026 के बजट में छात्राओं की उच्च शिक्षा को सुगम बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। इसके तहत, देश के हर जिले में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे, जिसका छत्तीसगढ़ राज्य के लिए विशेष महत्व है। यह पहल राज्य की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में बड़ी राहत प्रदान करेगी।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में मेडिकल, इंजीनियरिंग और साइंस जैसे महत्वपूर्ण कॉलेज तो मौजूद हैं, परंतु छात्राओं के लिए सुरक्षित और आरामदायक आवास की भारी कमी है। विशेष रूप से रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर जैसे शिक्षा केंद्रों में, दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आने वाली लड़कियों को हॉस्टल न मिल

पाने की स्थिति में अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती है।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में इस बात पर जोर दिया कि एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) संस्थानों में लंबे क्लास घंटे और प्रयोगशालाओं का काम लड़कियों के लिए अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में, प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल की स्थापना से छत्तीसगढ़ की छात्राओं को एस्ट्रोफिजिक्स, एस्ट्रोनॉमी, मेडिसिन और इंजीनियरिंग जैसे जटिल क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे।

जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा

यह योजना राज्य के आदिवासी बहुल जिलों जैसे बस्तर, कांकेर, कोरिया, सुकमा और नारायणपुर के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी साबित हो सकती है। इन क्षेत्रों की छात्राएं अब जिला स्तर पर ही सुरक्षित आवास की सुविधा प्राप्त कर उच्च शिक्षा से जुड़ सकेंगी, जिससे शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ेगी।

शिक्षा विशेषज्ञों की राय

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस योजना से छत्तीसगढ़ में बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की दर कम होगी। साथ ही, यह बेटियों की उच्च शिक्षा में भागीदारी को बढ़ाने और भविष्य में महिला वैज्ञानिकों तथा शोधकर्ताओं की संख्या में वृद्धि करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह पहल छात्राओं को सशक्त बनाने और राज्य के शैक्षणिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखती है।

रांची में बनेगा 500 बेड का मेंटल हॉस्पिटल

'हमने एम्स मांगा था, मिला पागलखाना', बोले स्वास्थ्य मंत्री इरफान

रांची, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट 2026-27 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा झारखंड में दो नए मेंटल हॉस्पिटल खोलने की घोषणा के बाद राज्य में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नई उम्मीद जगी है। इस फैसले से झारखंड के साथ-साथ बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के मरीजों को भी लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। रांची पहले से ही मानसिक रोगों के इलाज का प्रमुख केंद्र माना जाता है और अब इसकी भूमिका और मजबूत होने वाली है।

इस संबंध ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने कहा कि केंद्र सरकार से हमने एम्स मांगा था, लेकिन मुझे पागलखाना मिला। भाजपा वाले

झारखंड के लोगों को पागल समझ रहे हैं। यहां पर मेंटल हॉस्पिटल पहले से ही है। केंद्रीय बजट ने झारखंड को ठगने का काम किया है। बीजेपी कहती है कि यह अमृतकाल का बजट है, लेकिन यह अमृत नहीं जहर वाला बजट है। यह लोगों को मारने वाला बजट है। इस बजट ने सभी वर्गों को निराश किया है।

कांके रोड स्थित मानसिक रोग केंद्र के निदेशक डॉ. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि कांके स्थित सीआईपी परिसर में बेंगलुरु के निम्हांस की तर्ज पर 500 बेड का अत्याधुनिक मेंटल हॉस्पिटल बनाया जाएगा। यह परियोजना करीब दो वर्षों में पूरी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए रांची आते हैं, जिससे मौजूदा संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कई बार जगह की कमी के कारण मरीजों को परेशानी होती है।

डॉ. चौधरी ने कहा कि नए अस्पताल के निर्माण से इलाज की सुविधाओं में उल्लेखनीय विस्तार होगा। बेड की संख्या बढ़ने के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इससे मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल नए पदों का सृजन नहीं हुआ है, लेकिन बहुत जल्द इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

वहीं, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मंत्री प्रेम मित्तल ने कहा कि केंद्रीय बजट में बुजुर्गों और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। रांची का अनुकूल मौसम और स्वास्थ्य सुविधाएं इसे मानसिक रोगों के इलाज के लिए उपयुक्त बनाती हैं। दो नए मेंटल हॉस्पिटल खुलने से झारखंड को स्वास्थ्य के साथ-साथ रोजगार के क्षेत्र में भी बड़ा लाभ मिलेगा।

ई-व्हीकल एजेंसी दिलाने के नाम पर 42.50 लाख रुपये की ठगी

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी

रायपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के बूढ़ापारा क्षेत्र में ई-व्हीकल एजेंसी दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी से लाखों रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि एजेंसी दिलाने के नाम पर कारोबारी से करीब 42.50 लाख रुपये वसूल लिए गए।

पुलिस को दी गई शिकायत में रूपेश कुमार सोनी ने बताया कि वह वर्ष 2023 में इलेक्ट्रिक वाहन के व्यवसाय में कदम रखना चाहता था। इसी दौरान उसके पड़ोसी पंकज कुमार जैन ने उसे भरोसा दिलाया कि वह ई-व्हीकल की एजेंसी दिला सकता है। इसके बाद पंकज ने उसकी मुलाकात सागर प्रकाश शिल्के से कराई, जिसने खुद को एक ई-व्हीकल कंपनी का डिस्ट्रीब्यूटर बताते हुए एजेंसी देने का आश्वासन दिया।

आरोप है कि दोनों ने मिलकर 22 मई 2023 से 12 अक्टूबर 2023 के बीच अलग-अलग तारीखों में चेक के माध्यम से रूपेश से कुल 42 लाख 50 हजार रुपये ले लिए। रकम लेने के बाद आरोपियों ने जल्द ही एजेंसी मिलने की बात कहकर शोरूम की तैयारी करने को कहा। उनके कहने पर पीड़ित ने संतोषीनगर स्थित पुराने धमतरी रोड पर किराए पर दुकान ली और वहां इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम तैयार कराया। इस पूरी प्रक्रिया में शोरूम साज-सज्जा और अन्य व्यवस्थाओं पर अलग से लाखों रुपये खर्च किए गए।

काफी समय बीत जाने के बावजूद जब एजेंसी नहीं मिली तो पीड़ित ने आरोपियों पर दबाव बनाया। इसके बाद करीब दो साल के अंतराल में आरोपियों ने किश्तों में केवल 14.50 लाख रुपये वापस किए और शेष राशि वाहन प्रमोशन में खर्च होने की बात कही। इसके बावजूद न तो एजेंसी दी गई और न ही किसी तरह की वाहन सप्लाई शुरू की गई।

जब पीड़ित को ठगी का शक हुआ तो उसने सागर द्वारा बताए गए पते पर जाकर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह पता फर्जी निकला। इसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े दस्तावेजों और लेन-देन के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैफिक पुलिस का बुलडोजर एक्शन!

250 मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न चकनाचूर

रांची, 1 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने एक सख्त और प्रतीकात्मक कार्रवाई की। न्यू पुलिस केंद्र, रांची परिसर में आयोजित इस कार्रवाई के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने 250 मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न को बुलडोजर से नष्ट कर दिया। यह सभी उपकरण ट्रैफिक चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से जब्त किए गए थे। इस कदम के जरिए ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों को कड़ा संदेश दिया गया है।

ट्रैफिक पुलिस लंबे समय से मोडिफाइड साइलेंसर और तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न के खिलाफ विशेष अभियान चला रही थी। इसी अभियान के तहत जब्त किए गए उपकरणों को सार्वजनिक रूप से नष्ट किया गया, ताकि वाहन चालकों में नियमों के पालन को लेकर जागरूकता बढ़े और सख्त संदेश जाए।

मौके पर मौजूद ट्रैफिक एसपी राकेश कुमार ने कहा कि तेज ध्वनि वाले हॉर्न और साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, जिसका सबसे अधिक असर बीमार व्यक्तियों, बुजुर्गों, छोटे बच्चों और अस्पतालों में इलाजरत मरीजों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है और इसे किसी भी कीमत पर बढ़ने नहीं दिया जाएगा।

ट्रैफिक एसपी ने वाहन चालकों से अपील की कि वे अपने वाहनों में केवल मानक साइलेंसर और हॉर्न का ही उपयोग करें। नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस की यह कार्रवाई सराहनीय है। उन्होंने कहा कि फ्री लाइट, प्रेशर हॉर्न और मोडिफाइड साइलेंसर जैसे उपकरण न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण भी बनते हैं।

पुलिस-वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई

8 एकड़ में लगी अफीम-पोस्ता की फसल को किया गया नष्ट

रांची, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पलामू जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पांकी थाना क्षेत्र में पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध अफीम और पोस्ता की खेती के खिलाफ सघन अभियान चलाकर करीब 8 एकड़ में लगी फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

इन क्षेत्रों में हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई पांकी थाना क्षेत्र के ग्राम आबून और बनरचुआं के सुदूर एवं जंगली वन क्षेत्रों में की गई। बताया गया कि लंबे समय से इन इलाकों में अवैध रूप से अफीम और पोस्ता की खेती किए जाने की गुप्त सूचना पुलिस प्रशासन को मिल रही थी। सूचना के सत्यापन के बाद योजनाबद्ध तरीके से संयुक्त टीम का गठन किया गया और अभियान चलाया गया। अभियान में पांकी थाना

पुलिस, ताल पिकेट के पदाधिकारी एवं जवानों के साथ-साथ वन विभाग के अधिकारी और कर्मी शामिल थे। टीम ने दुर्गम पहाड़ी और घने जंगलों में फैली अवैध फसलों की पहचान कर उन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

पुलिस ने जारी किया बयान

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध अफीम और पोस्ता की खेती न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि समाज और युवाओं के भविष्य के लिए भी घातक है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि इस तरह की गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खेती में संलिप्त लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ वन अधिनियम एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने स्थानीय ग्रामीणों से भी अपील की है कि वे नशे से जुड़े किसी भी अवैध कार्य की सूचना तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि पलामू जिले को नशामुक्त और सुरक्षित बनाया जा सके।

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अवैध हुक्का सामग्री जब्त

रायपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के राजीव नगर में स्थित एक मकान से अवैध रूप से संग्रहित हुक्का और प्रतिबंधित हुक्का सामग्री का जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से लाखों रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई।

पुलिस अधिकारियों ने नशे के अवैध कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश पहले ही जारी कर रखे हैं। इसी के तहत सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सतर्क रहते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के दौरान मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और लगातार निगरानी व सूचना संकलन किया जा रहा था।

इसी क्रम में 31 जनवरी 2026 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली कि खम्हारडीह इलाके के राजीव नगर में एक

व्यक्ति अपने मकान में हुक्का और उससे जुड़ी प्रतिबंधित सामग्री का अवैध भंडारण कर रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर, पुलिस उपायुक्त क्राइम एंड साइबर स्मृतिक राजनाला और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन आकाश मरकाम के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना खम्हारडीह पुलिस की संयुक्त टीम ने बताए गए पते पर दबिश दी। तलाशी के दौरान मकान में मौजूद व्यक्ति ने अपना नाम अशोक मदनी बताया। जांच के दौरान घर से हुक्का पॉट, हुक्का फ्लेवर, गोगो पेपर, रोलिंग पेपर सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई।

पुलिस ने आरोपी से सामग्री के वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन वह कोई भी कागजात नहीं दिखा सका। पूछताछ के दौरान आरोपी पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। इसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और उसके कब्जे से करीब एक लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित हुक्का सामग्री जब्त की गई।

इस मामले में थाना खम्हारडीह में अपराध क्रमांक 31/25 के तहत कोटपा एक्ट की धारा 4(क) में केस दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी अशोक मदनी, पिता स्वर्गीय बालू कुमार, उम्र 59 वर्ष, राजीव नगर, थाना खम्हारडीह का निवासी बताया गया है। पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा।

खादगढ़ा बस स्टैंड में लगी भीषण आग

6 बस जलकर राख

रांची, 1 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची के खादगढ़ा बस स्टैंड में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक साथ 6 बसों में आग लग गई. इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते सभी बसें आग में जलकर स्वाहा हो गईं. दमकल के वाहन मौके पर पहुंचे जिसके बाद घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. बस मालिकों ने इस आग लगी के पीछे एक बड़ी साजिश का अंदेशा जताया है. खादगढ़ा बस स्टैंड में कई बसों में रविवार की दोपहर अचानक आग लग गई. इस भीषण आग लगी में छह बसें जलकर स्वाहा हो गईं, सबसे पहले एक बस में आग लगी. स्थानीय लोग और बस मालिक कुछ समझ पाते तब तक उन्होंने देखा कि कुछ ही दूर पर खड़ी बाकी बसें भी आग की चपेट में आ गईं. एक साथ छह बसों में आग लगने की वजह से पूरे खादगढ़ा बस स्टैंड में भगदड़ मच गई. बस के ड्राइवर और खलासी अपने-अपने बसों को लेकर इधर-उधर भागने लगे. किसी तरह से आग लगी बसों के पास खड़ी दूसरी बसों को वहां से निकाला गया.

एक साथ छह बसों में आग लगने की घटना को एक बड़ी साजिश के रूप में देखा जा रहा है. बस

एजेंट मोहम्मद सरफराज ने बताया कि भारी नुकसान हुआ है. बस मालिकों ने कई बार प्रशासन से अनुरोध भी किया था कि स्थाई तौर पर दमकल के वाहनों को बस स्टैंड में रखा जाए, लेकिन उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया गया.

बस मालिको को ऐसा लगता है कि किसी ने जानबूझकर बसों को आग के हवाले किया है. सबसे हैरानी की बात तो यह है कि जिन बसों में आग लगी उनमें से कोई भी एसी बस नहीं थी. एसी बसों में आमतौर पर शॉर्ट सर्किट की वजह से कई बार आग लगी है, लेकिन खादगढ़ा बस स्टैंड में जिन 6 बसों में आग लगी उनमें से कोई भी एसी बस नहीं थी. दमकल के पांच वाहनों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर तो काबू पा लिया लेकिन आग कैसे लगी, इसका खुलासा पुलिस को करना है. लोवर बाजार थाना प्रभारी रणविजय शर्मा ने बताया कि आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है. बस स्टैंड में लगी सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है. अगर सीसीटीवी फुटेज में कोई भी शख्स आग लगाता हुआ दिखाई दिया तो उसके ऊपर कार्रवाई की जाएगी.

खादगढ़ा बस स्टैंड में भीषण आग लगी कि यह पहली घटना नहीं है. बस स्टैंड में कई बार भीषण आग लग चुकी है, जिसमें एक बार तो ड्राइवर और खलासी दोनों की मौत भी हो गई थी. साल 2023 में जून महीने में भी 9 बसों में आग लगी थी. जून महीने में 5 घंटे के अंतराल में खादगढ़ा बस स्टैंड में दो बार भीषण आग लगी थी, इस आग लगी में 8 बसें जलकर पूरी तरह से खाक हो गईं थी, जबकि एक बस को अग्निशमन विभाग के द्वारा बचा लिया गया था. 9वें बस में आंशिक रूप से नुकसान हुआ था, लेकिन बाकी आठ बसें तो पूरी तरह से जल कर राख हो गईं थीं.

बजट 2026-27: कानून मंत्रालय के ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट को 1200 करोड़ रुपये

डिजिटल न्यायपालिका की ओर बड़ा कदम

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के बजट में कानून मंत्रालय के महत्वाकांक्षी ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट के तीसरे चरण के लिए 1,200 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह योजना देश की सभी अधीनस्थ अदालतों को डिजिटलीकरण के माध्यम से आधुनिक बनाने का उद्देश्य रखती है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाया जा सके।

ई-कोर्ट्स फेज- III का उद्देश्य और वित्तीय आवंटन

केंद्रीय बजट के मुताबिक, ई-कोर्ट्स फेज- III के लिए आवंटित 1200 करोड़ रुपये का बजट पिछले साल के 1,500 करोड़ रुपये से कम है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य भारतीय न्यायपालिका में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुधार लाना है, जिससे न्यायपालिका को पूरी तरह से डिजिटल बनाया जा सके। 2023 में केंद्रीय कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट के तीसरे चरण को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में मंजूरी दी थी, जिसमें 7,210 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। यह योजना चार वर्षों में लागू की जाएगी और इसके तहत सबोर्डिनेट अदालतों को डिजिटल किया जाएगा।

ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट की पृष्ठभूमि और महत्व

ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट की शुरुआत 2007 में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना के तहत हुई थी। यह योजना भारतीय न्यायपालिका को आईसीटीः सक्षम करने का प्रयास है, ताकि अदालतों में विलंबित मुकदमे की समस्याओं को कम किया जा सके और मामलों की सुनवाई को तेज किया जा सके। प्रोजेक्ट के फेज- II का समापन 2023 में हुआ था और अब तीसरे चरण का उद्घाटन होने जा रहा है। इसके तहत, अदालतों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा, जहां केस की सुनवाई और अन्य दस्तावेजों का आदान-प्रदान ऑनलाइन होगा।

डिजिटल न्यायपालिका की दिशा में अहम कदम

इस कदम से भारत की न्यायपालिका को पूरी तरह से डिजिटल और स्वचालित बनाने में मदद मिलेगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अदालतों के दस्तावेज, न्यायिक रिकॉर्ड, और फाइलों का प्रबंधन किया जाएगा, जिससे समय की बचत होगी और मामलों में पारदर्शिता बढ़ेगी। इसके अलावा, यह प्रोजेक्ट न्यायालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में सहायक होगा, क्योंकि सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन ट्रैक की जा सकेंगी। इसके साथ ही, न्यायिक अधिकारियों और कानूनी कार्यकर्ताओं के लिए यह एक आदर्श उदाहरण बनेगा, जो डिजिटल तकनीकी का उपयोग कर अपनी कार्यकुशलता को बढ़ा सकते हैं।

सीतारमण के नाम है सबसे लंबा बजट भाषण देने का रिकॉर्ड

देश का सबसे लंबा बजट भाषण देने का रिकॉर्ड वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर दर्ज है। उन्होंने 2020 में सबसे लंबा 2 घंटे 42 मिनट का बजट भाषण दिया था। उसके बाद उनका भाषण औसत तौर पर डेढ़ घंटे का रहा है। निर्मला सीतारमण ने 2019 में वित्त मंत्री बनने के बाद 2 घंटे 17 मिनट, 2020 में सबसे लंबा 2 घंटे 42 मिनट, 2021 में 1 घंटे 40 मिनट, 2022 में 1 घंटे 31 मिनट, 2023 में 1 घंटे 27 मिनट, 2024 में (अंतरिम बजट) 56 मिनट, 2024 में (पूर्ण बजट) 1 घंटे 25 , 2025 में 1 घंटे 17 मिनट और 2026 में 1 घंटे और 25 मिनट का भाषण दिया है।

सेंसेक्स धड़ामः 1546 अंक गिरकर 80,722 पर बंद

निफ्टी भी 495 अंक टूटा; वजह– फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स बढ़ाया

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। बजट के बाद आज यानी 1 फरवरी (रविवार) को शेयर बाजार गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 1546 अंक यानी करीब 2% गिरकर 80,722 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 495 अंक टूटा, ये 24,825 के स्तर पर बंद हुआ।

सरकार ने फ्यूचर्स पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया। ऑप्शंस प्रीमियम और एक्सरसाइज पर भी एसटीटी को बढ़ाकर 0.15% किया है। इस वजह से ही बाजार में यह गिरावट आई है। बीते सात साल में बजट के दिन की यह सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले 2020-21 बजट के दिन सेंसेक्स 987 अंक और निफ्टी 300 अंक गिरकर बंद हुआ था।

सरकारी बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 6% की गिरावट

आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट और सिर्फ 3 में तेजी रही। बीईएल, एसबीआई और अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 6% तक की गिरावट रही। सरकारी बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 6% तक की गिरावट देखने को मिली। मेटल, मीडिया, एफएमसीजी, मीडिया, फार्मा, फाइनेंशियल सर्विसेज और रियल्टी सेक्टर में भी गिरावट रही।

बजट के दिन ऐसी रही बाजार की चाल

बजट भाषण के बादः कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2,370 अंक गिरकर अपने दिन के निचले स्तर 79,899 पर आ गया था। वहीं निफ्टी भी 750 अंक गिरकर 24,571 के निचले स्तर पर आ गया था। बजट भाषण के दौरानः सेंसेक्स 1,600 अंक यानी 2% गिरकर 80,600 पर आ गया। वहीं निफ्टी भी करीब 550 अंक गिरकर 24,800 के स्तर पर आ गया। बजट से पहलेः सुबह 9:15 बजे सेंसेक्स 100 अंक की गिरावट के साथ 82,156 के स्तर पर खुला था। निफ्टी भी करीब 50 अंक गिरकर 25,275 के स्तर पर ओपन हुआ था।

फ्यूचर्स पर एसटीटी को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% किया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि फ्यूचर्स पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स को 0.02% से बढ़ाकर 0.05% कर दिया गया है।

ऑप्शंस प्रीमियम और एक्सरसाइज पर भी टैक्स बढ़ाया

सरकार ने एसटीटी यानी वह टैक्स जो शेयर बाजार में लेन-देन पर लगता है, उसे बढ़ा दिया है... 1. ऑप्शंस प्रीमियम पर टैक्सः जब आप कोई ऑप्शन खरीदते या बेचते हैं, तो आप जो कीमत (प्रीमियम) चुकाते हैं, उस पर लगने वाला टैक्स अब बढ़ गया है। इसे 0.1% से बढ़ाकर 0.15% कर दिया गया है। 2. ऑप्शंस एक्सरसाइज पर टैक्सः जब आप अपने ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट का इस्तेमाल (एक्सरसाइज) करके डिलीवरी लेते या देते हैं, तब उस पर लगने वाला टैक्स भी बढ़ा दिया गया है। इसे 0.125% से बढ़ाकर 0.15% कर दिया गया है।

इसका निवेशकों पर क्या असर होगा?

ट्रेडिंग महंगी होगीः एसटीटी बढ़ने से अब ऑप्शंस में ट्रेड करना थोड़ा महंगा हो जाएगा, क्योंकि आपको सरकार को पहले के मुकाबले ज्यादा टैक्स देना होगा। **मुनाफे पर असरः** टैक्स बढ़ने की वजह से आपके शुद्ध मुनाफे यानी नेट प्रॉफिट में थोड़ी कमी आएगी और अगर घाटा होता है, तो टैक्स की वजह से वह थोड़ा और बढ़ जाएगा।

एसटीटी क्या है?

एसटीटी यानी सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स एक तरह का डायरेक्ट टैक्स है जो शेयर बाजार में होने वाली हर खरीद-बिक्री पर लगता है। यह टैक्स आपको तब भी देना पड़ता है जब आपको घाटा हो रहा हो। यह सीधे आपके ट्रांजैक्शन वैल्यू पर कटता है और स्टॉक एक्सचेंज इसे सरकार के पास जमा कर देता है।

चांदी दो दिन में 1.36 लाख सस्ती, 2.65 लाख पर आई

सोना 31 हजार सस्ता होकर 1.38 लाख पर आया, प्रॉफिट बुकिंग से गिरे दाम

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार दूसरे दिन गिरावट है। आज यानी 1 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी करीब 25 हजार रुपए (9%) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 2.65 लाख रुपए पर आ गया। सोने में भी करीब 12 हजार रुपए (8%) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.38 लाख रुपए पर आ गया है।

सर्राफा बाजार बंद रहा, 30 जनवरी को चांदी 40 हजार गिरी थी

सर्राफा बाजार आज बंद है। इससे पहले 30 जनवरी को चांदी 40,638 रुपए और सोना 9,545 रुपए सस्ता हुआ था। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 3,39,350 रुपए किलो पर आ गई है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,65,795 रुपए पर आ गया है।

दो दिन में सोना 31 हजार और चांदी 1.36 लाख सस्ती

वायादा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम में दो दिन में 31 हजार रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 1.69 लाख रुपए पर पहुंच गया था, जो आज 1.38 लाख रुपए पर ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत में 1.36 लाख रुपए की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 4.01 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी, जो आज 2.65 लाख रुपए पर ट्रेड कर रही है।

सोने-चांदी में गिरावट की 2 वजह

प्रॉफिट बुकिंगः सोने-चांदी की कीमत हाल के दिनों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुक किया। **फिजिकल डिमांड में कमीः** ऑल टाइम हाई के बाद फिजिकल डिमांड कमजोर हुई, साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर चिंताएं भी बढ़ीं।

मार्जिन बढ़ने से सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव

सेबी रजिस्टर्ड कमोडिटी एक्सपर्ट अनुज गुप्ता ने कहा कि शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज ने कॉपर के बाद अब सोने और चांदी पर भी मार्जिन मनी बढ़ा दी है। सोने पर मार्जिन 6% से बढ़ाकर 8% कर दिया है। वहीं चांदी पर इसे 11% से बढ़ाकर 15% कर दिया गया है।

भारत ने बजट में किस देश को क्या दिया?

बांग्लादेश के लिए सहायता कम हुई, चाबहार बंदरगाह पर आवंटन गायब

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के लिए बजट का एलान कर दिया है। इसमें भारत के पड़ोसी और अन्य सहयोगी देशों के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की गई है। भूटान से लेकर श्रीलंका और बांग्लादेश से लेकर अफ्रीकी देशों तक की मदद के लिए राशि का एलान किया गया है। हालांकि, इस बजट में एक चौंकाने वाली बात यह रही कि चाबहार बंदरगाह के लिए सहयोग राशि वाली पंक्ति को 2026-27 के लिए खाली छोड़ा दिया गया। ऐसे में चाबहार बंदरगाह परियोजना में भारत की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आइये जानते हैं भारत ने किस देश को कितनी राशि दी और यह पिछली बार के मुकाबले कितनी है...

किन देशों की मदद पिछले साल के मुकाबले बढ़ाई गई?

मंगोलिया के बजट में सबसे बड़ी उछाल (5 गुना वृद्धि) देखी गई है।

लातिन अमेरिकी देशों के लिए आवंटन को सीधे दोगुना कर दिया गया है। सरकार इसके जरिए दक्षिण अमेरिका में अपने संबंधों को प्रगाढ़ करने पर जोर दे रही है।

भूटान को मिलने वाली सहायता राशि में मूल्य के मामले में सबसे बड़ी वृद्धि (138.56 करोड़) हुई है, हालांकि प्रतिशत के लिहाज से यह 6.44% है।

अफ्रीकी देशों (225 करोड़) और सेशेल्स (19 करोड़) के बजट में कोई बदलाव नहीं किया गया है, यानी यह पिछले वर्ष के बराबर पर ही स्थिर है।

बजट में किन देशों की मदद घटाई गई?

बांग्लादेशः प्रतिशत के मामले में सबसे बड़ी कटौती बांग्लादेश की सहायता राशि में की गई है, जिसे आधा (50%) कर दिया गया है।

मालदीव और म्यांमारः इन दोनों देशों के बजट में 50-50 करोड़ की कमी की गई है।

चाबहार बंदरगाह के लिए राशि आवंटन गायब

बीते दिनों में कई हलकों में यह भी चर्चा हुई कि भारत आने वाले समय में अमेरिका के दबाव में चाबहार बंदरगाह योजना से बाहर भी हो सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय पहले ही धमकी दी थी कि ईरान में जारी प्रदर्शनों के बीच धमकी दी थी कि उससे व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी के अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया जाएगा।

भारत पर पहले ही अमेरिका की तरफ से कुल 50 फीसद टैरिफ लगाया जा चुका है। इसमें 25 फीसदी आयात शुल्क व्यापार के मसले पर, जबकि अतिरिक्त 25 फीसदी रूस से तेल खरीद को लेकर लागू है। ऐसे में जब ट्रंप प्रशासन की तरफ से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर टैरिफ का एलान किया गया तो मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस तक ने कहा कि भारत ने ट्रंप के दबाव में ईरान के चाबहार बंदरगाह पर नियंत्रण छोड़ दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने चाबहार पर जनता के करीब 1100 करोड़ रुपये लगाए थे, जो कि अब बर्बाद हो चुके हैं। तब भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह चाबहार बंदरगाह को लेकर अमेरिकी अधिकारियों से बात कर रहा है।

सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स बढ़ाकर सट्टेबाजी पर लगाम

छोटे निवेशकों को नुकसान से बचाना मकसद; वित्त मंत्री बोलीं– देश की आर्थिक नींव बहुत मजबूत

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यानी 1 फरवरी को संसद में आम बजट 2026 पेश किया। इस बजट में कैंसर दवाओं पर ड्यूटी खत्म करने से लेकर शेयर बाजार में सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स बढ़ाने जैसे ऐलान किए गए। बजट भाषण के बाद निर्मला सीतारमण ने प्रेस कांफ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बजट से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए। यहां हम आपको कॉन्फ्रेंस के 10 बड़े सवाल और उनके जवाब बता रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि किस बदलाव की बात की जा रही है क्योंकि देश की आर्थिक नींव बहुत मजबूत है। न्होंने बताया कि बजट में छोटे और मध्यम उद्योगों , लेदर, टेक्सटाइल और जूता उद्योग के लिए विशेष योजनाएं लाई गई हैं। वैश्विक अस्थिरता से किसानों और महिला उद्यमियों को बचाने के लिए कदम उठाए गए हैं ताकि बाहरी उतार-चढ़ाव का असर उन पर न पड़े। वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि बजट बनाते समय वैश्विक स्थिति हमेशा दिमाग में रहती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी एक विशेष कदम के लिए सिर्फ वैश्विक अनिश्चितता को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने भी इकोनॉमिक सर्वे में बताया है कि मजबूत बुनियादी ढांचे के बावजूद हमें एक अनिश्चित दुनिया का सामना करना पड़ रहा है, और बजट उसी के अनुसार संतुलन बनाने की कोशिश करता है। वित्त मंत्री ने कहा कि एआई कभी भी इंसानी मेहनत की जगह नहीं ले सकता। हमें एआई का इस्तेमाल बिना सोचे-समझे नहीं करना है। भारत में एआई का लक्ष्य युवाओं के लिए काम के नए और आकर्षक अवसर पैदा करना होना चाहिए। भारतीय स्टार्टअप्स पहले से ही एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमें सिर्फ बड़े भाषा मॉडल ही नहीं, बल्कि छोटे और मध्यम स्तर के मॉडल्स की भी जरूरत है जो हमारी इकोनॉमी की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। 'रेयर अर्थ कॉरिडोर' क्या हैं और ये भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं? यह बजट का एक बड़ा कदम है। रेयर अर्थ वो खनिज हैं जिनका इस्तेमाल मोबाइल, चिप और बैटरी बनाने में होता है। ये कॉरिडोर ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में बनाए जाएंगे। भारत में इन खनिजों का भंडार है, लेकिन प्रोसेसिंग की कमी है। इन कॉरिडोर के जरिए हम खुद इन खनिजों को प्रोसेस करेंगे, जिससे हमारी दूसरे देशों (जैसे चीन) पर निर्भरता कम होगी। रक्षा कॉरिडोर की सफलता की तरह, ये कॉरिडोर भी अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएंगे। 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए दो बड़ी घोषणाएं की गई हैंः सेमीकंडक्टर मिशनः इस से भारत के अपने 'इंडिया स्टैक' और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मामलों में सुधार होगा। इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के निर्माण के लिए 40,000 करोड़ रुपए की योजना शुरू की गई है। इसका मकसद भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है । सरकार देश में 5 यूनिवर्सिटी हब बनाने जा रही है। मकसद यह है कि जो छात्र विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, उन्हें उसी स्तर की शिक्षा भारत में ही मिले। इससे छात्रों को विदेश जाने के लिए भारी कर्ज लेने या वीजा के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं होगी।

जनवरी में जीएसटी कलेक्शन 6.2% बढ़कर 1.93 लाख करोड़ पार , नेट रेवेन्यू 7.6% बढ़कर 1.70 लाख करोड़ हुआ, इम्पोर्ट से 10% बढ़ी कमाई

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। जनवरी 2026 में जीएसटी कलेक्शन 6.2% बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया है। 1 फरवरी को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2025 में यह आंकड़ा 1.82 लाख करोड़ था। सितंबर में घटाई गईं टैक्स दरों के बाद कलेक्शन तीन महीने से लगातार बढ़ रहा है। डोमेस्टिक डिमांड में मजबूती और इम्पोर्ट एक्टिविटी में तेजी की वजह से टैक्स कलेक्शन में यह बढ़त देखने को मिली है। हालांकि, सेस कलेक्शन और रिफंड के मोर्चे पर थोड़ी सुस्ती रही है। वहीं, इम्पोर्ट से कुल 52,253 करोड़ का टैक्स मिला, जो पिछले साल से 10.1% ज्यादा है।

अप्रैल से जनवरी तक कुल कलेक्शन 18.43 लाख करोड़ हुआ

वित्त वर्ष 2025-26 के शुरुआती 10 महीनों (अप्रैल से जनवरी) का कुल ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन अब 18.43 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले इसमें 8.3% की बढ़त दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि टैक्स नियमों के बेहतर पालन (कंप्लायंस) और देश में बढ़ती खपत की वजह से यह आंकड़ा लगातार मजबूत बना हुआ है। जनवरी महीने में रिफंड एडजस्ट करने के बाद सरकार का नेट जीएसटी रेवेन्यू 1,70,719 करोड़ रहा, जिसमें 7.6% की सालाना ग्रोथ हुई। वहीं रिफंड की बात करें तो इसमें 3.1% की गिरावट आई है और यह 22,665 करोड़ रहा। घरेलू रिफंड में 7.1% की कमी आई, जबकि एक्सपोर्ट से जुड़े रिफंड में 2.9% की मामूली बढ़त देखी गई।

हरियाणा में 27% की बढ़त, छत्तीसगढ़ में 23% गिरावट

टैक्स कलेक्शन के मामले में अलग-अलग राज्यों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। मैन्युफैक्चरिंग हब माने जाने वाले राज्यों में अच्छी बढ़त दिखी। हरियाणा के जीएसटी कलेक्शन में सबसे ज्यादा 27% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, कुछ राज्यों के कलेक्शन में बड़ी गिरावट भी आई है। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 23% की कमी देखी गई।

केंद्र शासित प्रदेशों में भी उतार-चढ़ाव बना रहा। चंडीगढ़ में जीएसटी कलेक्शन 15% और पुडुचेरी में 11% बढ़ा। इसके विपरीत, लक्षद्वीप और लद्दाख जैसे छोटे क्षेत्रों के कलेक्शन में 30% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, देश के बड़े राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश (2%), दिल्ली (3%) और पश्चिम बंगाल (1%) में ग्रोथ काफी धीमी रही।

कॉम्पन्सेशन सेस 55% से ज्यादा गिरा

जनवरी में कॉम्पन्सेशन सेस कलेक्शन में भारी कमी आई है। यह 55.6% गिरकर 5,768 करोड़ रह गया। विशेषज्ञों के अनुसार, ट्रांजिशनल मैकेनिज्म (जीएसटी लागू होने के शुरुआती सालों में राज्यों को होने वाले नुकसान की भरपाई की व्यवस्था) के धीरे-धीरे खत्म होने के कारण यह गिरावट आई है।

सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन अप्रैल 2025 में रहा

सरकार ने अप्रैल 2025 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से 2.37 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। सालाना आधार पर इसमें 12.6% की बढ़ोतरी हुई थी। यह जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड है। इससे पहले हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड अप्रैल 2024 में बना था। तब सरकार ने 2.10 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर...	05-39 बजे
चंद्र	कर्क	मे	कुंभ....	07-30 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-08 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	10-44 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	12-29 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	14-29 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	16-41 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह----	18-54 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-00 बजे
			तुला-----	23-05 बजे
			वृश्चिक..	01-16 बजे
			धनु.....	03-29 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551 सूर्योदय 06-52
कलियुग अवधि - 432000 सूर्यास्त. 18-07
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष सोमवार 02 February 2026
तिथि - प्रतिपदा 01-52 रात तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - आश्लेषा 22-47 रात तक उपरान्त मघा
योग - आयुष्मान 07-20 तक उप. सौभाग्य
करण - बालव 14-42 तक कौलव

शुक्रोदय रात मे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 08-14 से 09-40 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-52 - 08-14	शुभ	चंचल	18-07 - 19-46	शुभ
काल	08-14 - 09-40	अशुभ	रोग	19-46 - 21-20	अशुभ
शुभ	09-40 - 11-05	शुभ	काल	21-20 - 22-55	अशुभ
रोग	11-05 - 12-30	अशुभ	लाभ	22-55 - 00-30	शुभ
उत्पात	12-30 - 13-55	अशुभ	उत्पात	00-30 - 02-05	अशुभ
चंचल	13-55 - 15-20	शुभ	शुभ	02-05 - 03-39	शुभ
लाभ	15-20 - 16-46	शुभ	अमृत	03-39 - 05-14	शुभ
अमृत	16-46 - 18-07	शुभ	चंचल	05-14 - 06-53	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका आत्मविश्वास बहुत अधिक है, और आप अपने काम या पढ़ाई में कार्रवाई करने के लिए तैयार महसूस करते हैं। स्पष्ट संचार आपको नए अवसरों को पहचानने और उन्हें प्राप्त करने में मदद करता है। बहुत जल्दी कार्य करने से सावधान रहें, क्योंकि धैर्य आपको चीजों को सुचारू रखने में मदद करेगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
रचनात्मक चिंगारी आपके कार्यों के प्रति दृष्टिकोण को निखारती है, जिससे नियमित कार्य भी प्रेरणादायी लगते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको उन सूक्ष्म समाधानों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरों से छूट सकते हैं। महत्वाकांक्षा प्रभावशाली सफलताओं का कारण बन सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, और आपका समर्पण जल्द ही पहचान दिला सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, और आपका समर्पण जल्द ही पहचान दिला सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
दिन की संवेदनशील ऊर्जा आपको अपने प्रियजनों के प्रति सुरक्षात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। जल्दी से अनुकूल होने की प्रकृति एक दोहरी प्रकृति का मूड लाती है, जिससे आप असंगत महसूस करते हैं। संबंधों पर ध्यान दें और अतिभोग से बचें। हालाँकि, रोमांटिक हितों में अहंकार का तनाव सामने आ सकता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपका अंतर्ज्ञान मजबूत है, जो आपको आंतरिक आत्मविश्वास के साथ कार्यों और निर्णयों को नेविगेट करने में मदद करता है। संचार बिखरा हुआ लग सकता है, इसलिए स्पष्ट और केंद्रित होने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। रचनात्मक विचार स्वाभाविक रूप से आते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका आत्मविश्वास आपको काम पर चमकने में मदद करता है, जबकि जिज्ञासा आपको नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। रचनात्मक ऊर्जा प्रवाहित होती है, नए दृष्टिकोणों को प्रेरित करती है। कुछ रिश्ते तनाव सतह पर आ सकते हैं, लेकिन खुला, ईमानदार संचार इसे मजबूत साझेदारी में बदल सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप अपने दिन की शुरुआत सूक्ष्म तीव्रता के साथ करते हैं, जिससे आप संसाधन संपन्न तो महसूस करते हैं, लेकिन साथ ही खुद पर थोड़ा दया भी करते हैं। भावनात्मक जोखिम से बचते हुए, रिटायर होने की इच्छा होगी। आप जल्दी से अनुकूलनशील हो जाएंगे, एक दोहरी प्रकृति वाली मानसिकता के साथ जो दृष्टिकोण को बदलती रहती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका कार्य जीवन ऊर्जा को पोषित करने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने और आपके पेशेवर संबंधों में सहानुभूति द्वारा निर्देशित होता है। निर्णय लेने में अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें। प्रमुख मोड़ आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन चोट या तीव्र, कुंद आदान-प्रदान जैसे जोखिमों से सावधान रहें जो उपलब्धि के लिए आपकी इच्छा के साथ उत्पन्न हो सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बजट में राजस्थान को मिली बड़ी सौगात

इन 41 जिलों में बनेंगे गर्ल्स हॉस्टल

जयपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज अपने 9वें केंद्रीय बजट में राजस्थान को लेकर बड़ा एलान किया। लोकसभा में बजट घोषणा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं और छात्राओं के हित में फैसला लेते हुए हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा की। ऐसे में अब देश के 800 जिलों में एक-एक गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़े एलान करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देशभर में 15000 सेकेंडरी स्कूल और 500 कॉलेज खोले जाएंगे। साथ ही देशभर में हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोले जाएंगे। ऐसे में राजस्थान के भी हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनेगा।

'विकसित राजस्थान' का आधार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल वित्तीय विवरण नहीं, बल्कि भविष्य के भारत का खाका है। उन्होंने ट्वीट किया कि यह बजट बुनियादी ढांचे से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), और ग्रामीण समृद्धि से लेकर पर्यटन तक हर उस क्षेत्र को छूता है जो राजस्थान के विकास के लिए अनिवार्य है। सीएम ने बजट के तीन मुख्य कर्तव्यों—निवेश व रोजगार, नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, और सबका साथ-सबका विकास—पर विशेष जोर दिया।

राजस्थान में वर्तमान में 41 जिले है। जिनमें राजधानी जयपुर सहित अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, डूंगरपुर, धौलपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर, टोंक और उदयपुर पुराने जिले है। वहीं, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, दूदू, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़ और फलौदी नए जिले है। वित्त मंत्री की घोषणा के अनुसार अब इन सभी जिलों में एक-एक गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। केंद्र सरकार ने छात्राओं की शिक्षा और सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश के हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार चाहती है कि ग्रामीण क्षेत्रों की लड़कियों को सुरक्षित आवास सुविधा उपलब्ध मिले। इसके अलावा उच्च शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर मिले। ऐसे में महिला सशक्तिकरण के हित में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है।

दौसा जिले के ग्रामीण क्षेत्र से आकर जयपुर में पढ़ाई कर रही मीशा यादव ने कहा कि अब तक पढ़ाई के लिए बाहर जाना बहुत मुश्किल था। किराए का कमरा, सुरक्षा की चिंता और खर्च—सब कुछ परिवार पर बोझ था। अब दौसा जिले में गर्ल्स हॉस्टल खुलेगा तो हमें बड़ा फायदा होगा।

बेटियों के हित में लिया बड़ा फैसला

कॉलेज स्टूडेंट नेहा जैमिनी ने बताया कि सरकारी गर्ल्स हॉस्टल खुलने से लड़कियों को सुरक्षित और रहने के लिए सस्ती सुविधा मिलेगी। कोचिंग और कॉलेज के पास रहने से पढ़ाई पर फोकस बढ़ेगा। ये फैसला बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बहुत बड़ा कदम है।

'राजस्थान के लिए बजट रहा ऊंची दुकान-फीका पकवान'

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कसा तंज

जयपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश कर दिया है। वे 85 मिनट बोलीं। इस बार टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक AIIMS जैसी नई बातें कही गई हैं।

वित्त मंत्री के भाषण में कोई सीधा चुनावी एलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं।

इसी कड़ी में राजस्थान के पूर्व सीए अशोक गहलोत ने वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट में अपनी प्रतिक्रिया दी है। गहलोत ने कहा कि देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का केंद्रीय बजट भाषण में नाम तक न लिया जाना प्रदेश के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार को साफ तौर पर उजागर करता है।

वर्षों से लंबित ईआरसीपी जैसे अहम प्रोजेक्ट पर बजट में कोई उल्लेख नहीं किया गया। इसी तरह राजस्थान के लिए न तो किसी नई रेलवे परियोजना की घोषणा हुई और न ही मेट्रो विस्तार को लेकर कोई ठोस एलान सामने आया।

राज्य में गरीबों, श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र की बड़ी आबादी को देखते हुए भी बजट में कोई बड़ी राहत देने वाला कदम नहीं दिखा। कुल मिलाकर 'डबल इंजन सरकार' के दावों के बावजूद यह बजट राजस्थान के लिए यानी ऊंची दुकान–फीका पकवान साबित हुआ है।

डोटासरा ने भी कसा तंज

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट 2026-27 को लेकर राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बजट को सिर्फ घोषणाओं का पिटारा और बेहद निराशाजनक बताते हुए कहा कि इससे राजस्थान के युवाओं, किसानों और मध्यम वर्ग की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बीते दो वर्षों में 60 से अधिक बार दिल्ली गए, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं ला सके। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बजट में राजस्थान को कोई अतिरिक्त लाभ नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने केवल चुनावी राज्यों पर फोकस किया है और राजस्थान को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। डोटासरा ने आरोप लगाया कि ईआरसीपी को अब तक राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा नहीं मिला, वहीं मानगढ़ धाम के लिए भी किसी विशेष फंड की घोषणा नहीं की गई।

बजट के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट को उन्होंने जनता के भरोसे में कमी का संकेत बताया। साथ ही बांसवाड़ा रेल परियोजना को लेकर कोई घोषणा न होने पर भी नाराजगी जाहिर की। भाजपा के 'विकसित भारत 2047' नारे पर तंज कसते हुए डोटासरा ने कहा कि आज देश के लोगों को रोजगार और महंगाई से राहत चाहिए, लेकिन बजट में इन ज्वलंत मुद्दों पर कोई ठोस समाधान नजर नहीं आता।

पंचायत चुनाव से पहले भाजपा में अंतर्कलह

जनप्रतिनिधियों के इस्तीफों से बढ़ी टेंशन

अलवर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। खेरली-कठूमर क्षेत्र में भाजपा में अंतर्कलह खुलकर सामने आने लगी है। संगम चौधरी को कठूमर पंचायत समिति प्रधान का कार्यभार न सौंपे जाने के बाद उठा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार भाजपा की सदस्यता से जनप्रतिनिधि इस्तीफा दे रहे हैं।

जिला परिषद के वार्ड 30 से पार्षद राजेश खटीक व पंचायत समिति सदस्य फूलन देवी ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दोनों ने अपने इस्तीफे भाजपा जिलाध्यक्ष भाजपा अशोक गुप्ता को भेजे हैं। अपने इस्तीफे में विधायक रमेश खींची पर कई आरोप लगाए हैं।

चुनाव में पार्टी को भुगतान पड़ सकता है खामियाजा

राजनीति के जानकारों का कहना है कि भाजपा में चल रही इस खींचतान के चलते पंचायत चुनाव में पार्टी को खामियाजा भुगतान पड़ सकता है। हालांकि भाजपा जिलाध्यक्ष कह रहे हैं कि इस मामले को बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, विधायक रमेश खींची ने सभी आरोप बेबुनियाद बताए हैं।

पहले भी तीन सदस्यों ने दिया था इस्तीफा

इससे पूर्व शुक्रवार को भी तीन पंचायत समिति सदस्यों ने भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। इनका कहना था कि पार्टी में महिलाओं का सम्मान नहीं हो रहा है। विधायक इस मामले में बाधा बने हुए हैं। इसी तरह पंचायत समिति सदस्य फूलन देवी ने जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता को भेजे इस्तीफे में कहा है कि उन्हें आज तक न भाजपा की स्थानीय बैठक में बुलाया गया और न ही इसकी सूचना दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कठूमर में भाजपा केवल एक व्यक्ति की पार्टी बनकर रह गई है। विधायक प्रधान को कार्यभार ग्रहण नहीं कराने दे रहे हैं।

कल फिर धरना देंगी संगम चौधरी

इस मामले में बीडीओ कठूमर को प्रधान को कार्यभार कराने के आदेश जारी हुए थे, लेकिन उसकी पालना नहीं की गई। आदेश स्पष्ट नहीं बताए गए। बताया जा रहा है कि उच्चाधिकारी बीडीओ पर एक्शन ले सकते हैं। वहीं, प्रधान संगम चौधरी का कहना है कि वह संघर्ष करती रहेंगी। सोमवार को फिर धरना देंगी।

जनप्रतिनिधि इस्तीफा दे रहे, स्थिति संभालें

कठूमर के भाजपा नेता बाबूलाल मैनेजर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि प्रधान संगम चौधरी को प्रधान पद पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने दिया जा रहा है, जिससे परेशान होकर कई जनप्रतिनिधियों ने इस्तीफा दे दिया है।

इस प्रकरण को जल्द से जल्द रोका जाए, नहीं तो स्थिति गंभीर होगी। पार्टी के हित में यही है कि व्यक्ति विशेष का ध्यान न रखकर पूरे कार्यकर्ताओं का ध्यान रखा जाए। साथ ही प्रधान संगम चौधरी को कार्यभार भी दिलाया जाए।

केंद्र सरकार सब्सिडी और मदद में करे इजाफा

सचिन पायलट बोले- लगातार बढ़ रही है महंगाई

उदयपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, भाव बढ़ रहे हैं, महंगाई बढ़ रही है। शादी ब्याह का समय है, लोगों की पहुंच से सारी चीजें बाहर जा रहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस देश में बहुत सारा विकास हो रहा है। पर बहुत बड़ा तबका हमारा ऐसा है जो इस विकास से वंचित रहा है। करोड़ों ऐसे लोग है जो सरकार की योजनाओं पर निर्भर रहते हैं और सरकार की मदद पर। तो मुझे लगता है कि सरकार सब्सिडी और मदद में इजाफा करे। महंगाई पर सरकार को आइना दिखाते हुए कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि सरकार महंगाई कम करने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठा पा रही।

सरकार को सिर्फ थपथपानी है अपनी पीठ

केंद्रीय बजट से पूर्व वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर महंगा करने के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि अभी तो बहुत कुछ बढ़ सकता है।

महंगाई अनकंट्रोलेबल है। सरकार ने लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। उन्हें सिर्फ भाषण देने है, प्रचार करना है। होर्डिंग बैनर और सोशल मीडिया पर अपनी पीठ थपथपानी है।

मदद को आगे नहीं आ रही है सरकार

सचिन पायलट ने आगे कहा कि जो लोग आज गरीब, परेशान, फटेहाल और परेशान है उनकी मदद को सरकार आगे नहीं आ रही है। अजित पवार के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ी दुखद घटना थी। वे देश के बड़े नेता थे। हम सभी को बड़ा सदमा लगा। अब दोनों दल क्या करेंगे, यह उनका अंदरुनी मामला है। सचिन पायलट ने टिप्पणी न करते हुए कहाकि जो भी किया जाए वो देश व प्रदेश हित में किया जाए।

10वीं की छात्रा से छेड़छाड़ पर गणित के सरकारी शिक्षक को 5 साल जेल

अलवर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो संख्या 2 की न्यायाधीश शिल्पा समीर ने एक छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में सरकारी स्कूल के शिक्षक को 5 साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 70 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक पंकज यादव ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 23 सितंबर 2023 को राजगढ़ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी सरकारी स्कूल में दसवीं कक्षा की छात्रा है।

उसकी कक्षा का गणित का अध्यापक उसके साथ छेड़छाड़ कर उसके परेशान करता है। प्रकरण की जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया था। जिस पर न्यायालय ने प्रसंज्ञान लेकर आरोपी शिक्षक के खिलाफ ट्रायल शुरू किया। इस दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 8 गवाह और 17 दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित कराए। जिनके आधार पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ दोषसिद्ध होने पर उसे सजा सुनाई गई है। साथ ही पीड़िता को प्रतिकर योजना के तहत प्रतिकर दिलाए जाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव से अनुशंषा की गई है।

फैसले के दौरान न्यायाधीश शिल्पा समीर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अध्यापक समाज का पथ प्रदर्शक माना जाता है, वह छात्र-छात्राओं का आदर्श होता है और बच्चों के भविष्य निर्माण करने में उसकी अहम भूमिका होती है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता भी होता है। शिक्षक ने छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर शिक्षक व विद्यार्थी के रिश्ते को कलंकित किया है। उसकी सजा में नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

पंचायत चुनाव की तैयारी तेज, सरकारी टीचरों की ड्यूटी लगना शुरू, बोर्ड परीक्षाओं पर पड़ेगा असर

अलवर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पंचायती राज चुनाव की निर्वाचन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगना शुरू हो गई है। दूसरी ओर 12 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं शुरू होनी हैं। ऐसे में चुनावी ड्यूटी के कारण बोर्ड परीक्षाओं शिक्षकों का टोटा हो सकता है।

निर्वाचन अधिकारी ने शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों का विस्तृत डाटा जुटाने के लिए एक सहायक और दो शिक्षकों की फिलहाल ड्यूटी लगाई है। इसी सूची के आधार पर पंचायती राज चुनाव में शिक्षकों की चुनावी ड्यूटी लगाई जा सकेगी। गौरतलब है कि कोर्ट ने चुनाव संपन्न कराने के लिए सरकार को अप्रेल तक का समय दिया है।

निर्वाचन विभाग की ओर से मतदान से पहले मतदान दलों की सूची तैयार करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत दलों के गठन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है। साथ ही मतदान दलों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पहले प्रशिक्षण में पंचायत वृत्त के लिए नियुक्त रिटर्निंग अधिकारी के साथ अतिरिक्त मतदान अधिकारी एवं सहायक मतदान अधिकारी प्रथम को शामिल किया जाएगा। वहीं, दूसरा प्रशिक्षण मतदान दलों की रवानगी के दिन दल के सभी सदस्यों को दिया जाएगा।

इसके अलावा यदि जिला निर्वाचन अधिकारी को अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस होती है या प्रथम प्रशिक्षण में अतिरिक्त सहायक मतदान अधिकारियों को शामिल करना जरूरी होता है, तो आयोग की अनुमति से ऐसा किया जा सकेगा। बताया गया है कि फरवरी के प्रथम सप्ताह में सभी उपखंड अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

पुलिस का मेगा एक्शन, ऑपरेशन एरिया डोमिनेशन में 210 अपराधी गिरफ्तार

नशा तस्करों पर कड़ा शिकंजा

कोटा, 1 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की कोटा पुलिस ने सक्रिय और आदतन अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 210 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई "ऑपरेशन एरिया डोमिनेशन" के तहत की गई। पकड़े गए अपराधियों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े आरोपी भी शामिल हैं। इस अभियान के तहत पुलिस की 74 टीमों ने शहर के 163 स्थानों पर एक साथ दबिश दी।

राजस्थान की कोटा पुलिस ने सक्रिय और आदतन अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 210 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई "ऑपरेशन एरिया डोमिनेशन" के तहत की गई। पकड़े गए अपराधियों में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े आरोपी भी शामिल हैं। इस अभियान के तहत पुलिस की 74 टीमों ने शहर के 163 स्थानों पर एक साथ दबिश दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि कोटा शहर के सभी थाना क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन के तहत यह विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान 74 टीमों का गठन किया गया, जिनमें 350 से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान कुल 210 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

एएसपी दिलीप सैनी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए अपराधियों में से 140 अपराधियों को 170 बीएनएस के तहत पकड़ा गया है। वहीं 78 सक्रिय और आदतन अपराधियों की राउंड शीट भी खोली गई है, ताकि उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा सके।

पाइपलाइन के लिए खोदे 25 फीट गड्ढे में गिरी कार

2 की मौके पर मौत

जालोर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले के लोणद-अंदोरी क्षेत्र में 25 फीट गहरे गड्ढे में कार गिरने से जालोर जिले के भंवरानी निवासी जीवन सिंह सहित दो लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद युवक का शव एम्बुलेंस से भंवरानी लाया गया, जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान लोणद-अंदोरी क्षेत्र में निर्माणाधीन 4 लेन हाईवे के पास अंडरग्राउंड पाइपलाइन डालने के लिए करीब 25 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था। इसी गड्ढे में उनकी कार अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में कार में सवार पांच दोस्तों में से जालोर निवासी जीवन सिंह (22) पुत्र गोपाल सिंह मंडलावत और रोहित (33) पुत्र बालू टोपले की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार गड्ढे में गिरते ही जीवन सिंह का सिर कार की छत से जा टकराया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ड्रग्स माफियाओं पर पुलिस का कहर

55 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

दौसा, 1 फरवरी (एजेंसियां)। दौसा पुलिस ने मादक पदार्थों के बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए 55 करोड़ रुपये मूल्य के ड्रग्स जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सागर राणा के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई, जिसमें पिछले साल की तुलना में जब्ती में 50 गुना वृद्धि हुई। इस अभियान ने नशे के बड़े नेटवर्क को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जिले में नशे के काले कारोबार के खिलाफ दौसा पुलिस ने एक मिसाल पेश की है, जिसकी गूंज पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि इस अभियान में रिकॉर्ड स्तर की जब्ती और कानून का भय पैदा करने वाली कार्रवाई ने न केवल छोटे पेडलर, बल्कि बड़े सप्लायरों को भी भूमिगत कर दिया। वर्ष 2024 में पुलिस ने लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा उछलकर 55 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। इस सफलता का सीधा अर्थ है कि पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के बड़े नेटवर्क और उनके अंतरराज्यीय कनेक्शन को सफलतापूर्वक नष्ट किया। एसपी सागर राणा ने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालना पुलिस की प्राथमिकता है।

इस बड़ी सफलता के पीछे केवल पुलिस की सख्ती ही नहीं, बल्कि आमजन का अटूट विश्वास और सहयोग भी शामिल है। जिले के लोगों ने निडर होकर नशे के अवैध अड्डों और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस के साथ साझा की। इसी जन-सहयोग के चलते पुलिस ने बड़े सप्लायरों तक अपनी पहुँच बनाई। मुकदमों की संख्या में हुई वृद्धि यह साबित करती है कि अब जिले में नशे के कारोबारियों के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं बची है।

हिंदू सम्मेलन से पहले बदमाशों ने तोड़ डाली शिवलिंग, गांव में मचा बवाल

हनुमानगढ़, 1 फरवरी (एजेंसियां)। गोलूवाला के समीपवर्ती गांव हांसलिया में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शिवलिंग की स्थापना की गई थी, लेकिन स्थापना के कुछ ही घंटों बाद रात के समय अज्ञात असामाजिक तत्वों ने शिवलिंग को खंडित कर दिया। घटना सामने आते ही गांव और आसपास के इलाकों में तनाव का माहौल बन गया और हिंदू समाज में भारी आक्रोश फैल गया।

रविवार सुबह होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध जताने लगे। लोगों का कहना है कि यह कृत्य जानबूझकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने की नीयत से किया गया है। ग्रामीणों ने घटनास्थल पर धरना भी शुरू कर दिया और चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

घटना ऐसे समय में हुई है, जब गोलूवाला में रविवार को हिंदू सम्मेलन आयोजित होना है। ऐसे में इस घटना ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए।

फैक्टरी में धमाका, ऑक्सीजन सिलेंडर में विस्फोट से दो लोगों की मौत

जयपुर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में एक भीषण हादसा हो गया। विश्वकर्मा थाना क्षेत्र के करणी विहार कॉलोनी, रोड नंबर 17 स्थित 'विल्सन क्रायो गैसेज' (सुपर गैस) फैक्टरी में ऑक्सीजन सिलेंडर भरने के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, जब फैक्टरी में ऑक्सीजन सिलेंडरों की फिलिंग की जा रही थी। इसी दौरान अचानक एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्टरी की टिनशेड की छत हवा में उड़ गई और एक दीवार पूरी तरह ढह गई। विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में झारखंड निवासी मुन्ना राय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उनके शरीर के चीथड़े उड़ गए। गंभीर रूप से घायल फैक्टरी मैनेजर विनोद गुप्ता और कर्मचारी शिबू को तुरंत एंबुलेंस से एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान विनोद गुप्ता ने भी दम तोड़ दिया।

विस्फोट का असर आसपास के इलाके तक देखने को मिला। फैक्टरी का मलबा करीब 30 मीटर दूर जाकर गिरा। पास की दुकानों के शटर टूट गए और कई घरों की दीवारों में दरारें आ गईं।

स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद, विश्वकर्मा थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया गया और क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फैक्टरी में सुरक्षा मानकों, तकनीकी खामियों और लापरवाही के एंगल से जांच शुरू कर दी है। विश्वकर्मा पुलिस थाने के एसएचओ रविंद्र नारुका ने बताया कि हमें ऑक्सीजन फिलिंग प्लांट में धमाके की जानकारी रात करीब 7.50 बजे मिली। सूचना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

करदाताओं के लिए राहत अपेक्षाकृत कम

सी.ए. डॉ. मधुसूदन अग्रवाल

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चार्टर्ड अकाउंटेंट डॉ. मधुसूदन अग्रवाल ने केंद्रीय बजट को खट्टा–मीठा बताते हुए कहा कि इसमें सकारात्मक पहल तो हैं, लेकिन आम करदाताओं के लिए राहत अपेक्षाकृत कम है। यह बजट मुख्य रूप से विदेशी कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों,अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जारी उतार-चढ़ाव और अमेरिका के साथ लंबित टैरिफ समझौते को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया गया है। विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए कई तरह की रियायतें दी गई हैं। इसका स्पष्ट उद्देश्य भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की कमी को दूर करना है। उन्होंने कहा कि बजट में आम नागरिकों के लिए अवसर सृजित करने का प्रयास किया गया है, जिनके परिणाम आगामी वर्षों में सामने आएंगे। न्यू इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के तहत आयकर प्रक्रियाओं में किए गए बदलावों का उन्होंने स्वागत किया। न्यूनतम वैकल्पिक कर (मैट) की दरों में संशोधन किया गया है और टीडीएस से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। अब कम या शून्य टीडीएस कटौती प्रमाणपत्र के लिए करदाताओं को आयकर अधिकारी के पास जाने की आवश्यकता नहीं होगी। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कुछ वस्तुओं पर सीमा शुल्क (कस्टम ड्यूटी) कम की गई है, जिससे आयात को बढ़ावा मिलेगा और उपभोक्ताओं को वस्तुएं उचित कीमत पर मिल सकेंगी। हालांकि उन्होंने कहा कि सोने और चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद इन पर ड्यूटी, जीएसटी या अन्य करों में कोई राहत नहीं दी गई, जिससे बाजार निराश हुआ है। उन्होंने शेयर बाजार को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि न केवल किसी तरह की रियायत दी गई, बल्कि एसटीटी कर में बढ़ोतरी कर दी गई, जिससे बाजार में गिरावट देखी गई। पहले ही विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से दूरी बना रहे हैं, ऐसे में कैपिटल गेन टैक्स और एसटीटी में राहत न देना निराशाजनक है। डॉ. अग्रवाल के अनुसार बजट में प्रत्यक्ष कर संरचना में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। केवल टीडीएस और टीसीएस की दरों में कुछ संशोधन किए गए हैं।

मार्च में किए गए बदलावों के तहत शिक्षा और मेडिकल टूरिज्म के लिए टीसीएस में कमी की गई है। एनआरआई के लिए राहत देते हुए संपत्ति खरीद पर अब टैन नंबर की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है और वे केवल पैन नंबर के आधार पर टीडीएस जमा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हाउसिंग लोन को लेकर आयकर में कोई नई राहत नहीं दी गई है।

हालांकि संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि दिसंबर से बढ़ाकर मार्च कर दी गई है। सामान्य करदाताओं के लिए कोई नई छूट नहीं दी गई है, लेकिन आयकर आकलन प्रक्रियाओं में बदलाव किए गए हैं, जिनसे करदाताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा में भी बदलाव किया गया है। फॉर्म-1 और फॉर्म-3 के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई रखी गई है, जबकि बिना ऑडिट वाले मामलों के लिए 31 अगस्त, ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की तिथि 30 सितंबर और रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तय की गई है।

केंद्रीय बजट में तेलंगाना की उपेक्षा, राज्य को फिर लगा झटका

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय बजट 2026-27 में तेलंगाना की प्रमुख मांगों को नजरअंदाज किए जाने से राज्य को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। बजट में तेलंगाना के लिए किसी भी बड़ी परियोजना या विशेष आवंटन का उल्लेख न होने से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की राज्य के प्रति उदासीनता उजागर हुई है। राज्य से आठ सांसद होने के बावजूद बजट में तेलंगाना को ठोस लाभ नहीं मिल सका। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बताए गए 'बड़े भाई–छोटे भाई' के रिश्ते भी राज्य के हितों को सुरक्षित करने में नाकाम साबित हुए हैं।

कई महीनों से राज्य सरकार को उम्मीद थी कि केंद्र को भेजे गए विस्तृत प्रस्तावों और राजनीतिक प्रयासों के चलते बजट में तेलंगाना के लिए पर्याप्त आवंटन होगा, लेकिन इसके विपरीत बजट में राज्य की बुनियादी मांगों को लगभग पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं, पड़ोसी आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन सरकार को लाभ पहुंचाने पर अधिक ध्यान दिए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने केंद्र से लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपये की सहायता की मांग की थी।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगा

पाकिस्तान सरकार का ऐलान; बांग्लादेश के समर्थन में 15 फरवरी के महामुकाबले का बॉयकॉट किया

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच नहीं होगा। पाकिस्तान सरकार ने रविवार शाम को इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया। दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो में एक-दूसरे से भिड़ने वाली थी। हालांकि, अब तक यह तय नहीं है अगर नॉकआउट में भारत सामने आया तो पाकिस्तान मैच खेलेगा या नहीं?

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 24 जनवरी को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी थी। ICC के इस फैसले के विरोध में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनकी टीम भारत से वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनकी टीम भारत से वर्ल्ड कप मैच नहीं खेलेगी।

पाकिस्तान ने रविवार को घोषणा की कि वह टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेगा, लेकिन भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट करेगा। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद लिया। बांग्लादेश सरकार ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा चिंता जताई थी।

सरकार ने X पर एक पोस्ट में कहा, ₹इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को ICC वर्ल्ड T20 2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी देती है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी ने सोमवार, 26 जनवरी को प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में पाकिस्तान के वर्ल्ड कप पार्टिसिपेशन और भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर बाते हुईं। नकवी ने कहा था कि शुक्रवार या सोमवार तक आखिरी फैसला लिया जाएगा। अब रविवार को सरकार ने इस पर फैसला ले लिया।

भारत अंडर-19 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में पहुंचा

पाकिस्तान को 58 रन से हराया, वेदांत की फिफ्टी, आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल को 3-3 विकेट

बुलवायो,1 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम ने पाकिस्तान को 58 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे के बुलवायो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 252 रन का स्कोर खड़ा किया। वेदांत त्रिवेदी ने 68 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 253 रन का लक्ष्य 33.3 ओवर में हासिल करना था। टीम 46.2 ओवर में 194 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने 66 रन बनाए, जबकि भारत की तरफ से कप्तान आयुष म्हात्रे और खिलन पटेल ने 3-3 विकेट लिए।

भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से

अंडर-19 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। मैच 4 फरवरी को दोपहर 1 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। मैच 3 फरवरी को दोपहर 1 बजे से बुलवायो में खेला जाएगा।

विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करने वाला बजट

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दी हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के महामंत्री अविनाश देवड़ा ने कहा कि यह बजट व्यापार उद्योग एवं आत्मनिर्भर भारत को सशक्त करने वाला बजट है। यह बजट छोटे व्यापारियों, एमएसएमई, रिटेल एवं उद्योग जगत को नई ऊर्जा देने वाला सिद्ध होगा। बजट में एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन, आसान ऋण व्यवस्था, डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार तथा कर प्रणाली को सरल बनाने जैसे प्रावधानों से व्यापार करने में सुगमता बढ़ेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और परिवहन क्षेत्र में निवेश से व्यापार की लागत घटेगी और गति बढ़ेगी।

डिजिटल भुगतान, ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी आधारित सुधारों से पारदर्शिता बढ़ेगी तथा उपभोक्ता मांग को बल मिलेगा, जिससे रोजगार सृजन के नए अवसर भी पैदा होंगे। व्यापारिक समुदाय की यह अपेक्षा है कि आने वाले समय में जीएसटी का सरलीकरण, छोटे व्यापारियों के लिए कार्यशील पूंजी की आसान उपलब्धता तथा रिटेल ट्रेड सेक्टर को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए।

कुल मिलाकर, बजट 2026 व्यापार जगत के विश्वास को मजबूत करने वाला और देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला बजट है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से भारत का व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र और अधिक सशक्त होगा।

आम आदमी के लिए उम्मीदें फिर अधूरी

सत्यम तिवारी

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। युवक कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता एवं उद्यमी सत्यम तिवारी ने केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश आम बजट का आकार बड़ा है, लेकिन सहूलियतें कम हैं। इससे व्यवसायियों, मध्यम वर्ग और किसानों में निराशा है। बजट का मुख्य फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े सेक्टरों पर रहा, जबकि रोज़मर्रा की आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे वर्गों को कोई ठोस राहत नहीं मिल सकी।

बजट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 10,000 करोड़ के एसएमई ग्रोथ फंड और ट्रेड प्लेटफॉर्म पर क्रेडिट गारंटी जैसी घोषणाएं की गई हैं। हालांकि, कुल पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ होने के बावजूद व्यवसायिक ऋण सस्ता करने, कर राहत देने या निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन से जुड़े क्षेत्रों के लिए कस्टम्स सुधारों की बात की गई है, लेकिन बढ़ते अनुपालन नियमों और बैंकों द्वारा क्रेडिट में सख्ती के चलते छोटे और मध्यम कारोबारियों पर दबाव बना रहेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, बजट में व्यवसाय वृद्धि के लिए कोई नई दिशा नहीं दिखाई देती। महंगाई और जीवनयापन की लागत में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीसीएस दरों में मामूली राहत दी गई है, लेकिन सैलरी पाने वाले वर्ग पर टैक्स का बोझ पहले जैसा ही बना हुआ है। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि मध्यम वर्ग अब केवल खर्च चलाने और कर चुकाने तक सीमित रह गया है, जबकि बचत और निवेश की क्षमता लगातार घट रही है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए बजट आवंटन 1.62 लाख करोड़ रखा गया है, जो कृषि पर निर्भर आबादी के अनुपात में अपर्याप्त माना जा रहा है।

सार्थक है केंद्रीय बजट

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अणुव्रत समिति, हैदराबाद के निवर्तमान अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने कहा कि बजट सच्चे अर्थ में प्रतुस्त एक सार्थक बजट हैं। इस बजट में वित्त मंत्री ने समाज के सभी वर्गों को खुश किया हैं। यह बजट सच्चे अर्थों में विकसित भारत की उपलब्धियों की ओर बढ़ता व सबका साथ-सबका विकास वाला बजट कहा जा सकता हैं। यह बजट आर्थिक सुधारीकरण व सर्व जन सुखाय सर्व जन हिताय वाला बजट है। इस बजट से शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में विपुल धनराशि के आवंटन से नई नौकरियों में बढावा व नये रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा।

रेल्वे के लिए 7 हाई स्पीड रेलवे कोरिडोर के निर्माण व नार्थ ईस्ट राज्यों में बुद्धिस्ट टूरिज़्म के रूप में विकसित करने से ये राज्य भी मुख्य धारा से जुड़ेंगे ।दस हज़ार करोड़ कंटेनर उत्पादन व दस हज़ार करोड़ एमएसएमइ के लिए आवंटित करने से उद्योगों में उत्पादन को ओर गति मिलेगी ।

बेहतर अवसरों की उम्मीद का बजटः सुमन भुवानिया

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि बजट 2026 का मुख्य उद्देश्य विकास, रोजगार और उन्नति पर ध्यान केंद्रित करना है। इसका लक्ष्य बुनियादी ढांचे में सुधार करना और व्यवसायों को सहयोग प्रदान करना है, साथ ही खर्च को नियंत्रित करना भी है। आम लोगों के लिए, यह बेहतर अवसरों की उम्मीद लेकर आया है, हालांकि करों में बड़ी राहत सीमित है।

पीआर और पत्रकारिता का आधार सत्य और सूचना का प्रसार : डॉ. अजीत

नालंदा पब्लिक रिलेशंस यूथ फेस्टिवल–2026 का आयोजन

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के सहयोग से बाग लिंगमपल्ली स्थित परिसर में नालंदा पब्लिक रिलेशंस यूथ फेस्टिवल–2026 का सफल आयोजन किया। इस फेस्टिवल में शहर के विभिन्न कॉलेजों के जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़े 170 विद्यार्थियों ने अपने फैकल्टी समन्वयकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। पीआरएसआई के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक रहे। उन्होंने फेस्टिवल की थीम समाज पर पीआर और आधुनिक पत्रकारिता की नैतिकता एवं प्रभाव पर संबोधित करते हुए कहा कि पीआर और पत्रकारिता दोनों का आधार सत्य और सूचना का प्रसार है। उन्होंने नैतिक संचार, मूल्यों की रक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विवेकपूर्ण उपयोग पर जोर दिया।

पीआरएसआई के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) एवं नालंदा फोरम सब-कमेटी संयोजक कृष्णा बाजी ने कहा कि नालंदा स्टूडेंट फोरम पहल के अंतर्गत हैदराबाद चैप्टर 11 शिक्षण संस्थानों के साथ देश में अग्रणी स्थान पर है। हैदराबाद चैप्टर के चेयरमैन डॉ. यादगिरी कम्भमपति ने स्वागत भाषण में छात्रों को संबोधित करने के लिए डॉ. अजीत पाठक का आभार व्यक्त किया और पीआरएसआई की विभिन्न छात्र-हितैषी पहलों की जानकारी दी। पीआरएसआई के पूर्व महासचिव एवं पब्लिक रिलेशंस वॉयस के संपादक वाई. बाजी ने कहा कि स्टूडेंट फोरम का उद्देश्य मेंटरशिप इकोसिस्टम तैयार कर भविष्य के नेतृत्व को विकसित करना है। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर सेक्रेटरी राजेश कल्याण ने बताया कि हैदराबाद चैप्टर के पूर्व चेयरमैन और कॉर्पोरेट्स से स्कूलों तक पीआर₹ पहल के संयोजक के. गोविंदराज ने विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास पर डॉ. पाठक के दृष्टिकोण की सराहना की।

इस अवसर पर पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा 19 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले चौथे टीजीपीआर सम्मेलन का ब्रोशर डॉ. अजीत पाठक द्वारा जारी किया गया। होस्ट कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. यादगिरी और प्रिंसिपल डॉ. शेखर मट्टा ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन पीआर वायस के एसोसिएट एडिटर पी. मोहन राव और नालंदा पीआरएसआई स्टूडेंट्स फोरम की को-कन्वीनर डॉ. फातिमा ने किया।

बासरा स्थित पूनम ग्रूप महिला मंडल द्वारा आयोजित माघ मास की पूर्णिमा के अवसर पर पूजा-अर्चना कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्षा श्रीमती सुशीला देवड़ा, सीरवी समाज महिला सचिव निर्मला देवड़ा, पोनीदेवी लचेटा, सीरवी समाज सलाहकार जसवंत देवड़ा, जेठाराम काग, भीकाराम गेहलोत, कालूराम आगलेचा, कानाराम लचेटा, जयंतादेवी सोयल, पपियादेवी देवड़ा, संतोष काग, गवरीदेवी सोयल, कंकूदेवी पँवार, सोनीबाई काग, रेखादेवी गेहलोत, भंवरीबाई सेनचा, उगमादेवी सोलंकी, कान्ताबाई पँवार, इन्द्रादेवी आगलेचा, पत्रकार परबत सोलंकी, शालू सोलंकी व अन्य ।

संतुलित बजट से सबको राहत

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा के चेयरमैन रामकुमार तिवारी ने बताया कि केंद्रीय बजट सही व संतुलन वाला बजट है। प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास की स्थापना, पर्यटन स्थलों की स्थापना,पशुपालन क्षेत्र को बढावा देना,किसानो की आय बढाने के लिए,सूखे मेवो जैसे बदाम,अखरोट,काजू,आदि के उत्पादन पर जोर, महिलाओं के लिये क्रेडिट गारंटी स्कीम,दिव्यांगो के लिए शालीन जीवन केन्द्रों की स्थापना, छोटे करदाताओं को असेसमेंट की सुविधा, आयकर भरने वाले फार्म का सरलीकरण, विदेशी यात्रा सस्ती होना । चमड़े और सिंथेटिक के उत्पादों में कमी की गई है । मोबाइल फोन, माइक्रो वेव ओवन, कैंसर की दवाओ पर छूट दी गई है । एवं कैंसर की 7 दवाओं के मूल्य में कमी की गई है । वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन की घोषणाएं बहुत ही सराहनीय है ।

बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने वाला बजट

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तमंत्री द्वारा पेश किया गया बजट भारत की संकल्पना को चरितार्थ करने वाला है। इससे भारत के युवाओं को आत्मनिर्भरता, किसानों को अधिक आय, नारी शक्ति को सम्मान व स्वाभिमान तथा विशेष रूप से मध्यम एवं निम्न आय वर्ग को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने वाला बजट है।

तिलायचा सोनाराम कुमावत प्रदेश अध्यक्ष, कुमावत समाज

विकास के संकल्प का बजट

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरिम बजट 2026-27 में विकास, विरासत और संकल्प का जिक्र है। यह बजट विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण के साथ समाज के सभी वर्ग विशेषकर किसानों, युवाओं, गरीबों और महिलाओं को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह बजट देश के आर्थिक देश को आर्थिक समृद्धि, स्थिरता और प्रगति की ओर ले जाने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे न केवल विकसित भारत निर्माण के प्रयासों को बल मिलेगा, बल्कि और भी ज्यादा मजबूती मिलेगी। ग्राम विकास, कृषि विकास, श्रमिक कल्याण के विकास को समर्पित बजट के लिए प्रधानमंत्रीजी और वित्तमंत्रीजी को बधाई देता हूँ।

कालुराम काग
सीरवी समाज कोरेमुला बडेर अध्यक्ष

प्रगतिशील भारत की नई उड़ान

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ताजा बजट इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 लॉन्च, रिसर्च और ट्रेनिंग पर फोकस । बायोफार्मा शक्ति योजना के तहत 5 साल में 10,000 करोड़ का प्रावधान, भारत को ग्लोबल बायोफार्मा हब बनाने के लिए। रेयर अर्थ कॉरिडोर तमिलनाडु, केरल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में स्थापित करने का प्रस्ताव।7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 20 नए जलमार्गों की घोषणा।मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को सपोर्ट, 5 क्षेत्रीय मेडिकल हब विकसित करने की योजना। आयुर्वेद के लिए 3 नए अखिल भारतीय संस्थान। टेक्सटाइल सेक्टर में मेगा पार्क और खादी-हथकरघा को मजबूत करने की 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज' पहल।किसानों के लिए नारियल, काजू जैसी फसलों बढ़ावा, कृषि विविधीकरण पर जोर।

सोहनलाल हाम्बड़
अखिल भारतीय सीरवी महासभा प्रदेश सचिव

रोजगार बढ़ने के अवसर

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टेक्सटाइल सेक्टर में मेगा पार्क और खादी-हथकरघा को मजबूत करने की 'महात्मा गांधी ग्राम स्वराज' पहल, किसानों के लिए नारियल, काजू जैसी फसलों को बढ़ावा, कृषि विविधीकरण पर जोर। सर्विस सेक्टर में रोजगार बढ़ाने के लिए हाई-पावर्ड कमेटी गठित करने का ऐलान किया गया व छोटे करदाताओं के लिए 6 महीने की विदेशी संपत्ति घोषणा योजना। इसी के साथ आईटीआर फाइलिंग डेडलाइन बढ़ाने जैसे टैक्स राहत उपाय किए गए जो सराहनीय है।

हरजीराम काग
अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष

प्रगतिशील भारत की नई उड़ान!

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मध्यम वर्ग को राहतः आयकर नियमों का सरलीकरण। किसानों का हितः डिजिटल कृषि और नई नारियल व काजू संवर्धन योजनाएं। युवाओं को अवसरः शिक्षा और कौशल विकास पर अभूतपूर्व ध्यान। इंफ्रास्ट्रक्चरः 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 11 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय।यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को चरितार्थ करता है।

सोहनलाल परिहार ,उपाध्यक्ष ,सीरवी समाज बडेर जीडिमेटला

मध्यम वर्ग को राहत

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर नियमों का सरलीकरण। किसानों का हितः डिजिटल कृषि और नई नारियल व काजू संवर्धन योजनाएं। युवाओं को अवसरः शिक्षा और कौशल विकास पर अभूतपूर्व ध्यान। इंफ्रास्ट्रक्चरः 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 11 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय।यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को चरितार्थ करता है।

गौरीदेवी काग

मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव है बजट

हैदराबाद, 1 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमर सिंह राजपुरोहित ने बताया कि केंद्रीय बजट में निर्मला सीतारमण ने मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव रखने का काम किया है। इस बजट ने देश के चौतरफा विकास के द्वार खोल दिए हैं। यदि इस पर अफसरों ने अमल कर दिया तो अब कोई ताकत नहीं जो देश को चौथी अर्थव्यवस्था बनने से रोक सके। बजट में महिलाओं को सशक्त बनाने की भी योजना है। आयकर नियमों की जटिलता का भी सरलीकरण किया गया है। जीवन रक्षक दवाओं के लिए जो कदम उठाए गए हैं वे भी सराहनीय हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

11. हैंडलूमः नेशनल फाइबर स्कीम, खादी को प्रोत्साहन

नेशनल हैंडलूम पॉलिसी से कारीगरों को प्रोत्साहन और मदद देने की तैयारी है। मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे। मैन मेड फाइबर का उत्पादन बढ़ेगा। एडवांस्ड फाइबर के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन का सिस्टम तैयार किया जाएगा। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज मिशन के तहत खादी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन, ट्रेनिंग और मार्केटिंग पर जोर होगा। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जाएगा।

12. पर्यटनः 20 टूरिस्ट प्लेस पर 10 हजार गाइड्स ट्रेंड किए जाएंगे

20 प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर 10,हजार गाइड्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए पायलट योजना शुरू की जाएगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पर्यावरणीय रूप से ऐसे रास्ते बनाए जाएंगे जो ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए आसान हों।

13. विदेश में पढ़ाई-इलाजः 2026-27 में विदेश पैसा भेजने (एलआरएस) पर लगने वाले टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एड सोर्स) को कम करने का ऐलान किया है। अब विदेश में पढ़ाई या इलाज के लिए साल में 10 लाख रुपए से ज्यादा भेजे तो TCS 5% से घटाकर 2% कर दिया गया है।

सरकारी कर्ज में कमी लाने का लक्ष्य

सरकार ने लक्ष्य रखा है कि 2030-31 तक देश का कुल कर्ज, जीडीपी के 50% (±1) के बराबर लाया जाए। 2025-26 में यह कर्ज 56.1% था, जो अब 2026-27 में घटकर 55.6% रहने का अनुमान है। यह कर्ज कम होगा तो सरकार को ब्याज कम देना पड़ेगा, जिससे वो पैसा स्कूल, अस्पताल और सड़कों पर खर्च हो सकेगा।

राजकोषीय घाटा पिछली बार से कम हुआ

राजकोषीय घाटा मतलब सरकार की कमाई और खर्च के बीच का अंतर। सरकार ने कहा है कि वह घाटे को जीडीपी के 4.5% से नीचे ले आई है। 2025-26 में यह घाटा 4.4% रहा, और अगले साल (2026-27) के लिए इसे और घटाकर 4.3% करने का लक्ष्य है।

पिछले साल (2025-26) का हिसाब किताब

सरकार की कुल कमाई 34 लाख करोड़ रही। इसमें से 26.7 लाख करोड़ टैक्स से आए। वहीं कुल खर्च 49.6 लाख करोड़ रहा। पूंजीगत खर्च यानी लगभग 11 लाख करोड़ नए ब्रिज, हाईवे और इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में खर्च हुआ।

अगले साल (2026-27) का बजट प्लान

सरकार ने 36.5 लाख करोड़ कुल कमाई का अनुमान है। जिसमें टैक्स से 28.7 लाख करोड़ आएंगे। वहीं लगभग 53.5 लाख करोड़ कुल खर्च रहने का अनुमान है। खर्च कमाई से ज्यादा है, इसलिए सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ का उधार लेगी। बाकी पैसा छोटी बचत योजनाओं से आएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'खेलो इंडिया मिशन' के साथ खेल सेक्टर को बड़ा बूस्ट

नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर रहा जोर

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज संसद में पेश किए जा रहे आम बजट में खेल क्षेत्र को मजबूती देने की दिशा में अहम पहल का एलान किया है। बजट भाषण के दौरान उन्होंने खेलकूद के सामानों के निर्माण और गुणवत्ता सुधार के लिए एक नई पहल का प्रस्ताव रखा। इस कदम को भारत में खेल उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बड़ा प्रोत्साहन माना जा रहा है।

सीतारमण ने साथ ही बजट भाषण के दौरान 'खेलो इंडिया मिशन' की घोषणा करते हुए कहा कि यह मिशन अगले एक दशक में भारत के खेल क्षेत्र को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म करेगा। सरकार का लक्ष्य केवल खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि पूरे स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करना है। इस साल एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन होगा, जिसे देखते हुए यह बजट महत्वपूर्ण है।

खेलो इंडिया मिशन पांच स्तंभों पर आधारित होगा

सीतारमण ने कहा, 'खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरियों के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से शुरू किए गए खेल प्रतिभाओं के व्यवस्थित पोषण को आगे बढ़ाते हुए, मैं खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं।' सीतारमण ने कहा, 'खेलो इंडिया मिशन अगले दस वर्षों में खेल क्षेत्र को बदलने का काम करेगा। इसके तहत प्रतिभा विकास से लेकर ढांचे और तकनीक तक, हर स्तर पर एक समग्र व्यवस्था बनाई जाएगी।' उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया मिशन को पांच प्रमुख चरणों में लागू किया जाएगा, ताकि जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक खिलाड़ियों को एक मजबूत और निरंतर विकास मार्ग मिल सके।

इंटीग्रेटेड टैलेंट डेवलपमेंट पाथवे

इस मिशन के तहत प्रशिक्षण केंद्रों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जो तीन स्तरों पर काम करेंगे- फाउंडेशन लेवल (शुरुआती प्रतिभाओं के लिए)

इंटरमीडिएट लेवल (उभरते खिलाड़ियों के लिए)

एलीट लेवल (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए)

इस व्यवस्था से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान जल्दी होगी और उन्हें सही समय पर सही प्रशिक्षण मिल सकेगा।

कोच और सपोर्ट स्टाफ का व्यवस्थित विकास

सरकार ने माना है कि अच्छे खिलाड़ियों के पीछे अच्छे कोच और सपोर्ट स्टाफ सबसे बड़ी ताकत होते हैं। खेलो इंडिया मिशन के तहत कोच, फिटनेस ट्रेनर, फिजियोथेरेपिस्ट और अन्य सपोर्ट स्टाफ को सिस्टेमैटिक और आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार मार्गदर्शन मिल सके।

स्पोर्ट्स साइंस और टेक्नोलॉजी का एकीकरण

आधुनिक खेल अब सिर्फ मेहनत नहीं, बल्कि डेटा, साइंस और टेक्नोलॉजी पर भी आधारित हैं। इस मिशन में स्पोर्ट्स साइंस, एनालिटिक्स, रिकवरी टेक्निक्स और नई तकनीकों को प्रशिक्षण प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिससे खिलाड़ियों का प्रदर्शन और करियर दोनों सुरक्षित रह सकें।

प्रतियोगिताएं और लीग्स: खेल संस्कृति को बढ़ावा

खेलो इंडिया मिशन के तहत नियमित प्रतियोगिताएं और लीग्स आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मैच प्रैक्टिस, पहचान और प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म देना है, ताकि भारत में एक मजबूत खेल संस्कृति विकसित हो सके।

खेल ढांचे का विकास

सरकार प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए खेल ढांचे को विकसित करेगी। इसमें आधुनिक स्टेडियम, प्रशिक्षण सुविधाएं, हॉस्टल और सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होंगे, जिससे खिलाड़ी देश में ही विश्वस्तरीय तैयारी कर सकें।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत में खेलों की बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए खेलकूद के उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का घरेलू उत्पादन समय की मांग है। उन्होंने बजट में इस दिशा में स्पष्ट संकेत देते हुए कहा कि सरकार खेल सामग्री के निर्माण से जुड़े उद्योगों को तकनीकी, प्रशिक्षण और गुणवत्ता मानकों के स्तर पर समर्थन देगी। निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण में कहा, 'भारत में उच्च गुणवत्ता और किफायती खेलकूद सामानों का वैश्विक केंद्र बनने की पूरी क्षमता है। मैं खेलकूद के सामानों के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव करती हूं, जो इनके निर्माण, उपकरणों के डिजाइन में अनुसंधान और नवाचार के साथ-साथ मटेरियल साइंस को भी बढ़ावा देगी।'

मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा सीधा फायदा

सरकार की यह पहल सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे मेक इन इंडिया को भी मजबूती मिलेगी। खेल उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम होगी और घरेलू कंपनियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनने का मौका मिलेगा। इससे रोजगार सृजन, छोटे और मझोले उद्योगों को बढ़ावा और भारत को स्पोर्ट्स गुड्स हब बनाने में मदद मिलेगी।

खेलों के बुनियादी ढांचे को भी मिलेगा बल

बजट में खेल क्षेत्र के लिए यह संकेत भी अहम है कि सरकार केवल टूर्नामेंट और प्रशिक्षण तक सीमित न रहकर पूरे खेल इकोसिस्टम को मजबूत करना चाहती है। उच्च गुणवत्ता वाले खेल उपकरणों की उपलब्धता से जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन मिलेंगे, जिससे भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रदर्शन और बेहतर हो सकता है।

अल्काराज ने पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता

10 बार के चैंपियन जोकोविच को हराया, 3-1 से जीत दर्ज की

मेलबर्न, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज ने पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत लिया है। स्पेन के 22 साल के टेनिस खिलाड़ी ने फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 2-6, 6-2, 6-3, 7-5 से हरा दिया। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला गया यह मैच 3 घंटे 2 मिनट तक चला। 38 साल के नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहली बार हार का सामना करना पड़ा। वे इससे पहले 10 बार फाइनल में पहुंचें थे और हर बार जीत दर्ज की थी।

चौथे सेट में जीत दर्ज की

पहला सेट तो नोवाक जोकोविच ने आसानी से जीत लिया, लेकिन कार्लोस अल्कारेज ने फिर लय पकड़ ली और अगले तीन सेट जीतकर चैंपियन बने। फाइनल का चौथा सेट बेहद रोमांचक रहा, लेकिन निर्णायक पलों में अल्काराज ने बेहतर खेल दिखाया। सेट के 12वें गेम में जोकोविच सर्व कर रहे थे, जहां वे गलती कर बैठे।

इससे पहले 11वें गेम में अल्काराज ने दबाव में शानदार फोरहैंड विनर लगाकर 6-5 की बढ़त बनाई थी। पूरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियां और उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन अहम मौकों पर जोकोविच की गलतियां भारी पड़ीं।

अल्काराज ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया

अल्काराज ने इस जीत के साथ करियर ग्रैंड स्लैम पूरा कर लिया। अल्काराज के ट्रॉफी कैबिनेट में अब तक का एकमात्र ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन ही बचा था। इसे जीतकर वे ऐसा करने वाले सबसे कम उम्र के मेंस प्लेयर बन गए हैं। अल्काराज इससे पहले 2 बार US ओपन, 2 बार विबलडन और 2 बार फ्रेंच ओपन जीत चुके हैं।

करियर ग्रैंड स्लैम का मतलब है कि किसी खिलाड़ी ने अपने पूरे करियर के दौरान चारों ग्रैंड स्लैम कम से कम एक बार जीती हों। इन्हें एक ही कैलेंडर ईयर में जीतना जरुरी नहीं है।

सेमीफाइनल में ज्वेरेव को हराया था

अल्काराज ने चोटिल होने के बावजूद सेमीफाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों तक चले मुकाबले में मात दी थी । यह मैच 5 घंटे 27 मिनट तक चला था, जिसमें अल्काराज ने ज्वेरेव को 6-4, 7-6, 6-7, 6-7, 7-5 से हराया। कार्लोस अल्काराज ने क्वार्टरफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को 7-5, 6-2, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

नोवाक के नाम 24 ग्रैंड स्लैम

38 साल के सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के नाम 24 ग्रैंड स्लैम (जिसमें 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 3 फ्रेंच ओपन, 7 विबलडन और 4 US ओपन) हैं।

8 प्लेयर्स ने पूरे किए करियर स्लैम

कार्लोस अल्कारज से पहले डॉन बज, रॉड लेवर, रॉय एमर्सन, आंद्रे अगासी, रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच ने करियर स्लैम पूरा किया था। जब कोई खिलाड़ी अपने करियर में चारों मेजर टूर्नामेंट जीतता है, तो ये करियर स्लैम कहलता है। ये चार मेजर टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन हैं।

टी20 वर्ल्ड कप की वनडे विश्व कप जैसी हैसियत नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मांजरेकर ने नाम बदलने का भी दिया सुझाव

मुंबई, 1 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में एक हफ्ते का समय है। इससे पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि 50 ओवर का वनडे वर्ल्ड कप ही असली वर्ल्ड कप है और टी20 वर्ल्ड कप को वैसी हैसियत नहीं होनी चाहिए। मांजरेकर ने टी20 वर्ल्ड कप का नाम तक बदलने का सुझाव दे दिया। उन्होंने कहा कि इसे वर्ल्ड टी20 कहा जाना चाहिए। मांजरेकर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब वनडे क्रिकेट धीरे-धीरे अपनी अहमियत खो रहा है। वह टेस्ट और टी20 से बीच फंस गया है।

मांजरेकर ने कहा, 'मेरे लिए 'क्रिकेट वर्ल्ड कप' हमेशा 50 ओवर वाला वर्ल्ड कप ही रहेगा। हर दो साल में होने वाले टी20 वर्जन की वर्ल्ड कप जैसी हैसियत नहीं होनी चाहिए, जो 4 साल में एक बार होता है। मैं इसका नाम बतता हूं – वर्ल्ड टी20।' इससे पहले पूर्व भारतीय खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने भी महीने की शुरुआत में कहा था कि वह 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे फॉर्मेट के भविष्य को लेकर चिंतित हैं, जो संभवतः विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है।

अश्विन ने क्या कहा था

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा था, 'मुझे 2027 वर्ल्ड कप के बाद वनडे के भविष्य पर संकट दिखता है। मैं इसे लेकर थोड़ा चिंतित हू। बेशक, मैं विजय हजारे ट्रॉफी फॉलो कर रहा हूं, लेकिन जिस तरह से मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को फॉलो किया था, उस तरह से इसे फॉलो करना मुझे थोड़ा मुश्किल लग रहा है।'

दर्शक क्या देखना चाहते हैं?

अश्विन ने कहा कि उन्हें लगता है कि टी20 के जमाने में भी टेस्ट क्रिकेट की अपनी जगह बनी रहेगी, लेकिन उन्हें नहीं पता कि फैंस इन दोनों में से किसी की कीमत पर बहुत ज्यादा वनडे क्रिकेट देखना चाहते हैं या नहीं। अश्विन ने कहा, 'हमें यह भी जानना होगा कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट की अभी भी जगह है, लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए मुझे सच में लगता है कि जगह नहीं है।' रोहित-विराट के बगैर T20 वर्ल्ड कपः गंभीर-सूर्या का भविष्य दांव पर, तय होगा भारतीय क्रिकेट का 'चौधरी'

खेल को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए रोहित-विराट की जरूरत

अश्विन ने कहा, 'देखिए, रोहित और विराट की विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी हुई और लोगों ने इसे देखना शुरू कर दिया। हम जानते हैं कि खेल हमेशा किसी व्यक्ति से बड़ा होता है, लेकिन खेल को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इन खिलाड़ी का होना जरूरी है।'

टी20 विश्व से पहले ब्रेक पर गौतम गंभीर

न्यूजीलैंड को हराते ही नई दिल्ली पहुंचे टीम इंडिया के कोच?

नई दिल्ली, 1 फरवरी (एजेंसियां)। इंतजार की घड़ियां खत्म होने वाली हैं और असली इम्तेहान शुरू होने वाला है. 7 फरवरी से टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज हो जाएगा, जिसमें भारतीय टीम अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इंडिया लगातार दूसरी बार ये ट्रॉफी जीतने की दावेदार है. टूर्नामेंट से ठीक पहले टीम ने अपने अपने दमदार प्रदर्शन से ये ऐलान भी कर दिया है. लेकिन टीम इंडिया अपने खिताब को बचाने के लिए मैदान पर उतरे, उससे पहले खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को एक-दो दिन का ब्रेक दिया गया है. खुद कोच गौतम गंभीर सीरीज खत्म होते ही ब्रेक पर अपने घर पहुंच गए. टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैच की टी20 सीरीज खेली गई,

जिसका अंत आखिरी मैच के साथ हो गया. तिरुवनंतपुरम में खेले गए सीरीज के आखिरी मैच में भी टीम इंडिया का दबदबा देखने को मिला और उसने न्यूजीलैंड को 46 रन से हराते हुए सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली. इस सीरीज के खत्म होने के साथ ही अब टीम इंडिया की वापसी सीधे टी20 वर्ल्ड कप के वॉर्म-अप मुकाबले के साथ होगी. मगर वॉर्म-अप मैच से पहले टीम इंडिया के सभी सदस्यों को एक-दो दिन का ब्रेक दिया गया है. इस ब्रेक का फायदा उठाते हुए कोच गौतम गंभीर मैच खत्म होने के बाद अगले दिन ही राजधानी नई दिल्ली पहुंच गए, जहां वो ये वक्त अपने परिवार के साथ बिताएंगे. गंभीर को रविवार 1 फरवरी की सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बाहर आते देखा गया, जहां पहले से ही उन्हें लेने के लिए कार मौजूद थी. अगले एक महीने के बेहद चुनौतीपूर्ण शेड्यूल को देखते हुए गंभीर समेत टीम इंडिया को ये ब्रेक दिया गया है. जहां तक तक वर्ल्ड कप की बात है तो टीम इंडिया अपने पहले मैच में 7 फरवरी को अमेरिका से टकराएगी. मगर उससे पहले भारतीय टीम अभ्यास मैच भी खेलेगी. टीम इंडिया 4 फरवरी को नवी मुंबई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ये अभ्यास मैच खेलेगी.

वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को 6 रन से आखिरी टी-20 हराया

हेटमायर ने नाबाद 48 रन बनाए; सीरीज 2-1 से अफ्रीका के नाम

खेल डेस्क, 1 फरवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 6 रन से हरा दिया है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खराब मौसम और बिजली गिरने के डर के चलते मैच को 10-10 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 114 रन बनाए, लेकिन डकवर्थ-लुईस नियम के आधार पर साउथ अफ्रीका को 125 रनों का टारगेट मिला।

जवाब में अफ्रीकी टीम 10 ओवर में 118 रन ही बना सकी। हालांकि, सीरीज के पहले दो मैच जीतकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है।

मैच की शुरुआत से पहले ही बिजली गिरने के चलते खेल 75 मिनट देरी से शुरू हुआ। उस वक्त अंपायरों ने इसे 16-16 ओवर का करने का फैसला लिया था।

वेस्टइंडीज की पारी के 6 ओवर ही हुए थे कि एक बार फिर आसमानी बिजली के चलते खेल रोकना पड़ा। करीब एक घंटे के इंतजार के बाद मैच को 10 ओवर का कर दिया गया। जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तब विंडीज के पास बैटिंग के लिए सिर्फ 4 ओवर बचे थे।

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर अलग ही अंदाज में नजर आए। वे क्रीज पर बिना हेलमेट या कैप पहने ही बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने लुंगी एनगिडी और केशव महाराज के खिलाफ आक्रामक शॉट खेले। हेटमायर का एक छक्का सीधा स्टैंड्स में बैठे एक दर्शक के सिर पर जाकर लगा, जिसके बाद मेडिकल टीम को उसका चेकअप करना पड़ा।

हेटमायर ने 22 गेंदों में नाबाद 48 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 छक्के शामिल थे। शाई होप ने भी 18 गेंदों में 32 रनों का योगदान दिया। 10 ओवर में 114 रन बनाने के बाद टारगेट को रिवाइज किया गया और साउथ अफ्रीका को 125 रनों का लक्ष्य मिला। क्विंटन डी कॉक ने पहले ही ओवर में 19 रन बनाकर इरादे साफ कर दिए थे, लेकिन कप्तान एडेन मार्कराम सस्ते में आउट हो गए।

डी कॉक भी 23 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मिडिल ऑर्डर में रयान रिकेल्टन और डेवाल्ड ब्रेविस ने कुछ बड़े शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन दोनों को गुडाकेश मोटी ने एक ही ओवर में आउट कर मैच का रुख पलट दिया।

साउथ अफ्रीका को आखिरी 12 गेंदों में जीत के लिए 27 रन चाहिए थे। ट्रिस्टन स्टब्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर समीकरण को अंतिम 5 गेंदों में 15 रन तक पहुंचा दिया। सीरीज का अपना पहला मैच खेल रहे तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने आखिरी ओवर में बेहतरीन यॉर्कर डालीं। उन्होंने जेसन स्मिथ का मिडल स्टंप उखाड़ दिया। अंतिम गेंद पर साउथ अफ्रीका को 8 रन की जरूरत थी, लेकिन कॉर्बिन बॉश सिर्फ एक रन ले सके। शॉट मारते वक्त उनका बल्ला भी टूट गया और वे क्रीज पर बैट टच करना भूल गए, जिससे टीम को शॉर्ट रन' का नुकसान उठाना पड़ा।

यह साउथ अफ्रीका का सालाना 'पिंक टी-20 मुकाबला था। आमतौर पर यह वनडे फॉर्मेट में खेला जाता है, लेकिन इस बार साउथ अफ्रीका में कोई वनडे शेड्यूल नहीं होने के कारण इसे टी-20 में आयोजित किया गया।

इस मैच का मकसद ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और इलाज के लिए फंड जुटाना होता है। हार के बावजूद साउथ अफ्रीका के लिए राहत की बात यह रही कि उनके उस मिडिल ऑर्डर को बैटिंग का मौका मिला, जिसकी पहले दो मैचों में जरूरत नहीं पड़ी थी।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 90 रन से हराया

सलमान आगा और उस्मान खान की फिफ्टी, अबरार-शादाब को 3-3 विकेट; सीरीज जीती

लाहौर, 1 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 90 रन से दूसरा टी-20 हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। लाहौर में पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 5 विकेट खोकर 198 रन बनाए। सलमान आगा और उस्मान खान ने फिफ्टी लगाई। ऑस्ट्रेलिया 108 रन ही बना सका। गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। साहिबजादा फरहान 5 ही रन बनाकर आउट हो गए। सईम अयूब ने फिर कप्तान सलमान आगा के साथ टीम को 70 के पार पहुंचाया। अयूब 23 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद बाबर आजम 2 ही रन बनाकर

पवेलियन लौट गए।

आगा ने फिर उस्मान खान के साथ टीम को 100 के पार पहुंचाया। सलमान 76 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में शादान खान ने 20 गेंद पर 28 रन बनाए और टीम को 198 तक पहुंचा दिया। उस्मान ने 53 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया से जैवियर बार्टलेट, मैथ्यू कुहनेमन, कूपर कोनोली, शॉन एबट और एडम जैम्पा ने 1-1 विकेट लिया।

बड़े टारगेट के सामने ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। ट्रैविस हेड 4 और कप्तान मिचेल मार्श 18 रन बनाकर आउट हो गए। कैमरन ग्रीन एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने जोश इंग्लिस 5, मैट रेनशॉ 2 और कूपर कोनोली 1 ही रन बना सके। ग्रीन भी 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। आखिर में मैथ्यू शॉर्ट ने फाइट दिखाई, लेकिन वे भी 27 रन ही बना सके। टीम 15.4 ओवर में 108 पर सिमट गई। पाकिस्तान से अबरार अहमद और शादाब खान ने 3-3 विकेट लिए। उस्मान तारिक को 2 विकेट मिले। सईम अयूब और मोहम्मद नवाज ने 1-1 विकेट लिया।

पाकिस्तान ने दूसरा टी-20 जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने पहला मुकाबला 22 रन से जीता था। दोनों टीमों के बीच वर्ल्ड कप से पहले आखिरी मुकाबला 1 फरवरी को लाहौर में ही खेला जाएगा।

ईशान किशन या संजू सैमसन, कौन करेगा ओपनिंग?

टी20 विश्व कप 2026 से पहले कप्तान सूर्या ने दिया जवाब!

मुंबई, 1 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की टेंशन बढ़ने वाली है. संजू सैमसन भारत के प्रमुख ओपनर के रूप में न्यूजीलैंड टी20 सीरीज में उतरे थे लेकिन 5 मैचों में वो मात्र 46 रन बनाए पाए. दूसरी ओर, भारतीय टीम के बैकअप सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने 4 मैचों में 215 रन ठोक दिए. अब सभी के मन में सवाल है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इन फॉर्म ईशान खेलेंगे, या रेगुलर ओपनर संजू के साथ टीम जाएगी. कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस सवाल का जवाब दिया.

कप्तान सूर्यकुमार यादव से पांचवें टी20 अंतर्राष्ट्रीय के बाद पूछा गया कि तिलक वर्मा टी20 वर्ल्ड कप तक फिट हो जाएंगे, ऐसे में ईशान खेलेंगे, या संजू. सूर्या ने जवाब देते बताया कि तिलक की फिटनेस पर कॉम्बिनेशन

निर्भर करेगा. उन्होंने कहा, 'मुझे अभी तक तिलक वर्मा के बारे में पूरी तरह कुछ नहीं पता है. हालांकि, हमें यह बताया गया है कि वो अच्छे नजर आ रहे हैं और उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी है. अगर वो वापस आते हैं, तो फिर सभी 15 सदस्यों के साथ ये सिरदर्द लेना काफी अच्छा होगा. सभी खिलाड़ी प्लेइंग 11 में खेलने के काबिल हैं. आपको 7 तारीख को जरूर पता लग जाएगा कि ईशान किशन खेलेंगे, या संजू सैमसन.'

तिलक वर्मा की गैरमौजूदगी में ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने का मौका माल. वो काफी अच्छे टच में नजर आए. उन्होंने रायपुर टी20 मैच 78 रन की बेहतरीन पारी खेली. संजू शुरुआती 4 मैचों में संघर्ष करते हुए नजर आए. अपने होमटाउन तिरुवनंतपुरम में हो रहे पांचवें टी20 में संजू के पास आखिरी मौका था लेकिन वो मात्र 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

ईशान किशन के पास बड़ी पारी खेलकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में अपना स्पॉट फिक्स करने का सुनहरा मौका था. उन्होंने दोनों हाथ से इसका फायदा उठाया और 43 गेंदों में 103 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली. लग रहा है कि संजू के बजाय ईशान किशन टी20 वर्ल्ड कप में अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करते हुए नजर आएंगे.

एसआईटी के केसीआर से पूछताछ के विरोध में तेलंगाना भर में बीआरएस का उग्र प्रदर्शन

कई नेताओं को हिरासत में लिया गया, सड़कें जाम रही

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कथित फोन टैपिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को पूछताछ के लिए तलब किए जाने के विरोध में रविवार को तेलंगाना भर में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने व्यापक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। गांवों के चौराहों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्गों तक बीआरएस कार्यकर्ताओं ने रैलियां निकालीं, सड़कों को अवरुद्ध किया और पुतले जलाकर एसआईटी की कार्रवाई को राजनीतिक उत्पीड़न करार दिया। बड़ी संख्या में समर्थक केसीआर के एर्रावेल्ली स्थित आवास पर भी एकत्रित हुए। नागरकर्नूल, सिद्दीपेट, निजामाबाद, आदिलाबाद, जनगांव, मेडक, नलगोंडा और जोगुलंबा गदवाल सहित कई जिलों में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पुतले जलाए गए। मंडल मुख्यालयों के साथ-साथ दूरदराज के गांवों में भी प्रदर्शन देखने को मिले, जहां स्थानीय बीआरएस नेताओं ने जुलूसों का नेतृत्व किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से अर्थी जुलूस निकालकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। राज्यभर में बीआरएस के पूर्व विधायकों, जिला स्तरीय नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने रैलियों, बाइक रैलियों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर धरनों में भाग लिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के आह्वान पर किए गए राज्यव्यापी आंदोलन के मद्देनज़र कई इलाकों में पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जिससे कुछ स्थानों पर तनाव का माहौल बन गया।

सौम्या की मौत पर मुख्यमंत्री सख्त तस्करों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आबकारी कांस्टेबल गजुला सौम्या के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। रविवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने ड्यूटी के दौरान सौम्या की जान जाने पर गहरा दुख प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को सौम्या की मौत के लिए ज़िम्मेदार तस्करों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया।

शहीद कांस्टेबल के परिवार को 1 करोड़ रुपए अनुग्रह राशि और सरकारी नौकरी

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने गांजा तस्करों के हमले में गंभीर रूप से घायल होकर शहीद हुई आबकारी कांस्टेबल गजुला सौम्या (25) के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। आबकारी मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने यह घोषणा करते हुए सौम्या की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए जान गंवाने वाली सौम्या के परिवार को सरकार की ओर से हर तरह का सहयोग दिया जाएगा। मंत्री ने यह भी बताया कि भविष्य में ड्यूटी पर तैनात आबकारी कर्मियों की सुरक्षा के लिए उन्हें हथियारों से लैस किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 23 जनवरी को निजामाबाद में कांस्टेबल सौम्या ने गांजा की अवैध तस्करी में लिप्त गिरोह को पकड़ने का साहसिक प्रयास किया था। इसी दौरान तस्करों ने अपने वाहन से उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए हैदराबाद के निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (निम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां शनिवार रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। सरकार ने सौम्या के साहस और कर्तव्यनिष्ठा को नमन करते हुए उनके बलिदान को कभी न भूलने का भरोसा दिलाया है।

भारत को वैश्विक ग्रीन केमिस्ट्री आंदोलन का नेतृत्व करना चाहिए: सीआईआई

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), तेलंगाना द्वारा हैदराबाद स्थित सीआईआई ग्रीन बिज़नेस सेंटर में सस्टेनेबल फार्मा मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन केमिस्ट्री विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में फार्मा और रसायन उद्योग से जुड़े प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया और दक्षता, सुरक्षा, नियामक अनुपालन तथा पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी पर विशेष चर्चा की। कार्यक्रम में स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ विनिर्माण के लिए उद्योग की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। मुख्य अतिथि डॉ. सर्वेश सिंह, निदेशक एवं सीईओ, तेलंगाना लाइफ साइंसेज़, ने कहा कि ग्रीन केमिस्ट्री केवल स्वच्छ आपूर्ति श्रृंखला और संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लागत प्रभावी, सुरक्षित प्रक्रियाओं और तेज़ नियामक स्वीकृतियों से भी जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत को मात्रा आधारित नेतृत्व से मूल्य आधारित और टिकाऊ नेतृत्व की ओर बढ़ना होगा। बल्क ड्रग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रक्षित समूह के चेयरमैन डॉ. चा. रमेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना बल्क ड्रग्स निर्माण का प्रमुख केंद्र है, जहां 250 से अधिक एमएसएमई कंपनियां कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि उच्च प्रारंभिक लागत के कारण एमएसएमई ग्रीन केमिस्ट्री अपनाने में पीछे हैं और इसके लिए साझा बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। सीडीएससीओ के डिप्टी ड्रग्स कंट्रोलर डॉ. नरेंद्रन ने कहा कि ग्रीन सिंथेसिस पर्यावरण और स्वास्थ्य पर प्रभाव को कम करता है और खतरनाक रसायनों तथा सॉल्वेंट्स के उपयोग को घटाता है। फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के महानिदेशक राजा भानु ने बताया कि भारत आज 190–200 देशों को दवाइयों का निर्यात कर रहा है और फार्मा निर्यात 30.4 अरब डालर को पार कर चुका है। डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ के सीईओ (एपीआई एवं सर्विसेज़) दीपक सप्रा ने कहा कि स्थिरता न केवल नियामक अनुपालन तक सीमित है, बल्कि यह लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालती है।

फोन टैपिंग मामले में केसीआर के घर की बढ़ी सुरक्षा

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही एसआईटी के दौरे को देखते हुए हैदराबाद पुलिस ने नंदीनगर स्थित बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के घर के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है। एसआईटी ने केसीआर को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा है। इसके बाद बीआरएस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए पुलिस सतर्क हो गई। घर के आसपास नगर सशस्त्र रिजर्व, त्वरित प्रतिक्रिया दल और स्थानीय पुलिस की भारी तैनाती की गई है। पुलिस ने घर की ओर जाने वाली सड़कों पर बैरिकेड लगा दिए हैं और केवल परिवार के सदस्यों को ही अंदर जाने की अनुमति दी जा रही है। रविवार को नंदीनगर और आसपास के इलाकों में यातायात पर भी प्रतिबंध लगाए गए थे। उधर, बीआरएस पार्टी के विरोध प्रदर्शन के आह्वान को देखते हुए शहर में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

केंद्रीय बजट सामाजिक न्याय का ठोस उदाहरण : डॉ राव

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की ओर प्रवेश द्वार रविवार को लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026–27 को सामाजिक वैज्ञानिक और तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने सामाजिक न्याय का ठोस उदाहरण बताया है। डॉ. राव ने कहा कि यह बजट कल्याण को अलग–अलग योजनाओं के रूप में देखने के बजाय समग्र सामाजिक सुधार के ढांचे में स्थापित करता है। किसानों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं, युवाओं, घुमंतू जातियों–समुदायों और गरीब वर्गों तक विकास का लाभ पहुँचाने का संकल्प बजट की नीति संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, स्वास्थ्य और स्वरोजगार को सामाजिक न्याय के प्रभावी साधनों के रूप में प्रस्तुत करना इस बजट की प्रमुख विशेषता है। उच्च शिक्षा में बालिकाओं के लिए प्रत्येक जिले में छात्रावास स्थापित करने का निर्णय सामाजिक–आर्थिक बाधाओं को कम करते हुए समान अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक कदम है।

डॉ. राव के अनुसार, छोटे व्यवसायों, स्वरोजगार, पारंपरिक पेशों, पशुपालन, मत्स्य पालन, सेवा क्षेत्रों और स्थानीय उद्यमिता पर दिया गया जोर समावेशी भागीदारी वाले विकास मॉडल को मजबूत करता है। यह दृष्टिकोण समाज के विभिन्न वर्गों को अलग–थलग करने के बजाय उन्हें विकास की मुख्यधारा में सहभागी बनाता है।

गंडामल्ला गांव में बाघ का हमला, मारा गया बछड़ा

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादद्री भुवनगिरी और सिद्दिपेट जिले की सीमा पर स्थित गंडामल्ला गांव में रविवार तड़के एक बाघ ने किसान के बछड़े पर हमला कर उसे मार डाला। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। गांव निवासी किसान अनिल ने शनिवार रात अपने मवेशियों को खेत में कुएं के पास बांधा था। रविवार सुबह जब वह वहां पहुंचा तो देखा कि एक बछड़ा मरा पड़ा है और उसके शरीर पर हमले के निशान हैं। किसान ने आसपास जांच की तो उसे बड़े पदचिह्न दिखाई दिए। सूचना मिलने पर सरपंच और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पदचिह्नों की जांच के बाद बाघ के होने की पुष्टि की। वन अधिकारियों ने पदचिह्नों का पीछा किया, जो चक्कलगुडेम जंगल की ओर जाते मिले। इसके बाद ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है और उन्हें अकेले खेतों में न जाने की सलाह दी गई है। वन विभाग के अनुसार शनिवार शाम को गंडामल्ला गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर चिन्ना लक्ष्मापुरम गांव के बाहरी इलाके में भी बाघ को देखा गया था।

सरकारी कर्मचारियों के लिए 720 करोड़ रुपए जारी

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देश पर लंबित बिलों के भुगतान के लिए 720 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2022 से फरवरी 2025 तक लंबित रहे सरेंडर लीव एनकैशमेंट की पूरी राशि को एकमुश्त जारी कर दिया है। जनता की सरकार अपने वादों को लगातार अमल में ला रही है। सरकारी कर्मचारियों के लंबित बिलों के निपटारे के लिए सरकार द्वारा ग्रीन चैनल के माध्यम से हर महीने धनराशि जारी की जा रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए 720 करोड़ रुपए री करने की घोषणा की है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देशानुसार शनिवार शाम जनवरी माह के लंबित बिलों के भुगतान के लिए यह राशि जारी की गई। रकार ने कर्मचारी संगठनों को आश्वासन दिया था कि पिछली सरकार के कार्यकाल में जमा हुए बकायों के भुगतान के लिए हर माह 700 करोड़ से अधिक की राशि जारी की जाएगी। पिछले वर्ष जून के अंत तक 183 करोड़ जारी किए गए थे। इसके बाद अगस्त से लगातार हर माह कम से कम 700 करोड़ रुपए जा रहे हैं। ल ही में जारी की गई राशि में वर्ष 2022 से फरवरी 2025 तक का संपूर्ण लंबित सरेंडर लीव एनकैशमेंट एक साथ चुकता कर दिया गया है। इसके अलावा इन बिलों में ग्रेच्युटी, जीपीएफ, सरेंडर लीव और विभिन्न अग्रिम भुगतानों की राशि भी शामिल है।

एफटीसीसीआई ने केंद्रीय बजट को प्रगतिशील व स्थिरता केंद्रित बताया

विनिर्माण, अवसंरचना और पर्यटन को और मज़बूत समर्थन की मांग

हैदराबाद, 1 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने केंद्रीय बजट 2026–27 को प्रगतिशील, निरंतरता पर आधारित और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देने वाला बजट करार दिया है। संगठन ने कहा कि बजट में कोई बड़े अप्रत्याशित कदम नहीं हैं, बल्कि यह वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संतुलित और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है। संसद में रविवार सुबह प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एफटीसीसीआई के अध्यक्ष रवि कुमार ने उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कहा कि सरकार ने विकास और राजकोषीय अनुशासन के बीच संतुलन साधने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक स्थिरता, निरंतरता और लचीलापन स्पष्ट रूप से झलकता है।

उन्होंने बताया कि बजट की एक बड़ी विशेषता एमएसएमई क्षेत्र को दिया गया सशक्त समर्थन है। 10,000 करोड़ रुपए के एमएसएमई ग्रोथ फंड और सूक्ष्म उद्यमों के लिए अतिरिक्त 2,000 करोड़ रुपए के कोष की घोषणा से पूंजी तक पहुंच आसान होगी और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। एफटीसीसीआई ने हैदराबाद को बेंगलुरु, पुणे और चेन्नई जैसे प्रमुख आर्थिक केंद्रों से जोड़ने वाली हाई-स्पीड और सेमी-हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी के प्रस्ताव का स्वागत किया। रवि कुमार ने कहा कि इससे श्रम गतिशीलता, आपूर्ति श्रृंखला दक्षता और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा तथा यह कम दूरी की उड़ानों का टिकाऊ विकल्प बनेगा। उन्होंने टियर-2 और टियर-3 शहरों में उद्योगों के विकेंद्रीकरण की संगठन की पुरानी मांग दोहराई। पूंजी बाजार के दृष्टिकोण से प्रतिक्रिया देते हुए एफटीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के.के. महेश्वरी ने कहा कि एमएसएमई ग्रोथ फंड और सूक्ष्म उद्यमों के लिए वित्तीय सहायता सकारात्मक कदम हैं। एफटीसीसीआई के उपाध्यक्ष श्रीनिवास गरिमेला ने कहा कि वित्त मंत्री ने आर्थिक स्थिरता पर विशेष बल दिया है।

सम्मक्का–सरलाम्मा लघु वेदी से 31.19 लाख रुपये की आय

मंचेरियल, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में गोदावरी नदी के तट पर स्थापित वन देवियां सम्मक्का और सरलाम्मा की लघु वेदी से द्विवार्षिक मेले के दौरान कुल 31.19 लाख रुपये की आय हुई है। शनिवार शाम को लघु वेदी पर जमा दान की गिनती की गई।

दान-पुण्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान से पूजा स्थलों को 14.67 लाख रुपये की आय हुई, जबकि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और भोजनालयों की निविदाओं से 16.52 लाख रुपये प्राप्त हुए। इस प्रकार मेले से मंचेरियल नगर निगम और दान-पुण्य विभाग को कुल 31.19 लाख रुपये की आय हुई। मेले का आयोजन दोनों विभागों ने संयुक्त रूप से किया था।

केंद्रीय बजट में अल्पसंख्यकों की लगातार उपेक्षा: शब्बीर अली

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने केंद्रीय बजट 2026–27 की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा-नीत केंद्र सरकार ने एक बार फिर अल्पसंख्यक कल्याण को प्राथमिकता देने में विफलता दिखाई है, जबकि कुल बजटीय व्यय में भारी वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शब्बीर अली ने बताया कि वर्ष 2026–27 के लिए अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय का कुल आवंटन मात्र 3,400 करोड़ रुपए रखा गया है। इसमें 3,395.62 करोड़ रुपए राजस्व मद और 4.38 करोड़ रुपए पूंजीगत व्यय शामिल है। उन्होंने कहा कि यह पिछले वर्ष की तुलना में केवल 50 करोड़ रुपए की मामूली वृद्धि है, जबकि कुल केंद्रीय बजट में तेज़ी से विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट का कुल व्यय 2025–26 में लगभग 50.65 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2026–27 में अनुमानित 53.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है, यानी एक ही वर्ष में 2.85 लाख करोड़ से अधिक की वृद्धि। इतनी बड़ी बढ़ोतरी में से अल्पसंख्यकों को केवल 50 करोड़ देना यह स्पष्ट करता है कि सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं, उन्होंने कहा। शब्बीर अली ने जोड़ा कि देश की आबादी में 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होने के बावजूद अल्पसंख्यकों को राष्ट्रीय संसाधनों में नगण्य भाग मिल रहा है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पूरे देश के लिए केंद्र सरकार का अल्पसंख्यक कल्याण पर किया गया व्यय अब कई राज्यों के व्यक्तिगत आवंटन से भी कम है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासित तेलंगाना ने 2025–26 में अपने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के लिए 3,591 करोड़ का प्रावधान किया है, जबकि कर्नाटक ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 4,000 करोड़ से अधिक का आवंटन किया है। शब्बीर अली ने कहा कि बजट के प्रतिशत के लिहाज से भी राज्य सरकारें अपेक्षाकृत अधिक प्रतिबद्धता दिखा रही हैं। जहां तेलंगाना अपने बजट का लगभग 1.18 प्रतिशत अल्पसंख्यक कल्याण पर खर्च कर रहा है, वहीं केंद्र सरकार का आवंटन कुल राष्ट्रीय बजट का अत्यंत नगण्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र लगातार केंद्रीय बजट की अनदेखी का शिकार हो रहा है। अल्पसंख्यकों के लिए छात्रवृत्ति, फेलोशिप और शैक्षणिक सहायता योजनाएं या तो ठहर गई हैं या कमजोर कर दी गई हैं, जिससे पहली पीढ़ी के विद्यार्थियों पर सबसे अधिक असर पड़ रहा है। कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रमों को भी पर्याप्त समर्थन नहीं मिला है।

टीटीडी कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल का स्थानांतरण

विजयवाड़ा, हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने रविवार को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) अनिल कुमार सिंघल, आईएएस (1993) को स्थानांतरित कर दिया। उनके स्थान पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रविचंद्रा, आईएएस (1996) को पूर्ण अतिरिक्त प्रभार के साथ टीटीडी ईओ के रूप में नियुक्त किया गया। स्थानांतरण का कारण सीबीआई एसआईटी अधिकारियों की उस रिपोर्ट को माना जा रहा है जिसमें श्रीवल्ली लड्डू में रसायनिक पदार्थों के मिश्रण के संबंध में शिकायत की गई थी। एसआईटी के अनुसार, अनिल कुमार सिंघल ने उस समय बोर्ड के निर्णयों को अंधाधुंध लागू किया और उचित सतर्कता नहीं बरती। एसआईटी ने यह भी उल्लेख किया कि अनिल कुमार सिंघल, उनके उत्तराधिकारी धर्मारेड्डी और वित्तीय सलाहकार बालाजी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में लापरवाही बरती। एसआईटी की सिफारिशों के बाद, राज्य सरकार ने मामले की समीक्षा की और सिंघल का तत्काल स्थानांतरण आदेशित किया। इस कदम को टीटीडी प्रशासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है।

फोन टैपिंग के दोषियों को कानून के सामने आना ही होगा: दयाकर

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के जनरल सेक्रेटरी चनगानी दयाकर ने स्पष्ट किया है कि फोन टैपिंग जैसा गंभीर अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून के सामने जवाब देना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी के नेताओं की धमकियों से डरने वाली यह सरकार नहीं है। एक बयान में चनगानी दयाकर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के कार्यकाल में हुआ फोन टैपिंग मामला अत्यंत गंभीर और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर द्वारा नियुक्त अधिकारियों के माध्यम से ही अवैध रूप से फोन टैपिंग करवाई गई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि केसीआर निर्दोष हैं, तो एसआईटी जांच के लिए बुलाए जाने पर इतना हंगामा और घबराहट क्यों दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि केसीआर के एसआईटी के सामने पेश होने से ऐसा माहौल बनाया जा रहा है मानो कोई प्रलय आ गई हो। चनगानी दयाकर ने कहा कि जनता की सरकार आने के बाद किसी भी प्रकार की राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई नहीं की गई है। इसके विपरीत, बीआरएस शासन के दौरान लोकतंत्र और स्वतंत्रता को कुचलते हुए सत्ता का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय शासन बंधक लुटेरों की तरह चलाया गया और दस वर्षों तक जनता की आवाज को दबाया गया। उन्होंने कहा कि यदि किसी ने अपराध किया है, तो क्या उसकी जांच भी नहीं होनी चाहिए। फोन टैपिंग केवल एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ा अपराध है। बीआरएस नेताओं ने सत्ता जाने के बाद यह मान लिया था कि उनके सारे कृत्य माफ हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला। उन्होंने आरोप लगाया कि फोन टैपिंग जैसे गंभीर मुद्दे पर बीआरएस नेता खुलकर बात करने की स्थिति में नहीं हैं और इसी कारण बौखलाहट में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन तकनीकों का इस्तेमाल माओवादी और आतंकवादी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है, उन्हीं तरीकों का प्रयोग कांग्रेस पार्टी और विपक्षी नेताओं के खिलाफ किया गया। अंत में चनगानी दयाकर ने बीआरएस नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपनी भाषा और मर्यादा की सीमाओं में रहकर ही बयान दें, क्योंकि कानून अपना काम करेगा और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

नगर निकाय चुनावों को लेकर भाजपा की तैयारी तेज

चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आगामी नगर पालिका एवं नगर निगम चुनावों के मद्देनज़र भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सोमवार को पार्टी के राज्य कार्यालय में चुनाव प्रबंधन समिति की अहम बैठक आयोजित की। बैठक में चुनावों के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीतियों, संगठनात्मक कार्ययोजनाओं, प्रचार अभियान की रूपरेखा और विभिन्न स्तरों पर समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रदेश अध्यक्ष ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनावी मैदान में प्रभावी ढंग से उतरने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में महाराष्ट्र के मंत्री एवं चुनाव प्रभारी आशीष शेलार, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चुनाव सह-प्रभारी अशोक परनामी सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नेताओं ने चुनावी प्रबंधन, बूथ स्तर की मजबूती और शहरी मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि नगर निकाय चुनावों में पार्टी मजबूत संगठन और सुनियोजित रणनीति के साथ जनता के बीच जाएगी और शहरी क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति को और सुदृढ़ किया जाएगा।

फोन टैपिंग जांच की आड़ में केसीआर को परेशान कर रही है कांग्रेस: निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 1 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने

आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार कथित फोन टैपिंग मामले की जांच की आड़ में बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को परेशान कर रही है। उन्होंने इसे आगामी नगरपालिका चुनावों से पहले कांग्रेस का राजनीतिक हथकंडा बताया। रविवार को वानापर्थी जिला मुख्यालय में आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए, जहां बीआरएस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का पुतला जलाया, निरंजन रेड्डी ने कहा कि खुफिया प्रणालियां शासन व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा होती हैं। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य संवैधानिक दायरे में रहते हुए कानून-व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का समाधान करना होता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही है। निरंजन रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति अपनाने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि जनता ऐसे कदमों का कड़ा जवाब देगी। उन्होंने वानापर्थी जिले को समाप्त करने की कथित योजना पर भी कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि इस जिले का गठन के. चंद्रशेखर राव ने प्रशासनिक सुविधा के लिए किया था। उन्होंने कहा, "अगर वानापर्थी जिले को छुआ गया तो लोग चुप नहीं बैठेंगे।" पूर्व मंत्री ने मतदाताओं से अपील की कि वे आगामी नगरपालिका चुनावों में मतदान के माध्यम से कांग्रेस सरकार को करारा जवाब दें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal LicenceFax/SD/384/21122,RNPhone No:579440/998, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.